शुक्रवार 01 जनवरी 2021 दिल्ली
RNI NO. DELHIN/2019/78266
वर्ष: 02 अंक: 130
मूल्य: 4/- पृष्ठ: 12
newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

राष्ट्र प्रेमियों का अपना दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एंव जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित।

2021 नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

खबर एक नजर

केरल विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर कृषि कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव पारित; भाजपा विधायक ने भी किया समर्थन

तिरुवनंतपुरम। केरल में विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर केंद्र के तीनों नए कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यह प्रस्ताव पेश किया था। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। सत्तारूढ़ एलडीएफ, विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ तो इसके समर्थन में थे ही। इस दौरान भाजपा के एकमात्र विधायक ने सबको चौंकाते हुए प्रस्ताव का समर्थन कर दिया। समाचार एजेंसी पीटीआइ ने इसकी जानकारी दी है। राजगोपाल ने कहा कि उन्होंने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, मैंने प्रस्ताव का समर्थन किया और केंद्र सरकार को तीन कृषि कानूनों को वापस लेना चाहिए। यह लोकतांत्रिक भावना है। सदन के स्पीकर पी. श्रीरामकृष्णन ने कहा कि सदन द्वारा प्रस्ताव पारित किया और किसी ने आपत्ति नहीं की। पार्टी के रुख के खिलाफ जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि एक लोकतांत्रिक प्रणाली में, हमें आम सहमति के अनुसार जाने की जरूरत है। केरल विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि वर्तमान स्थिति यह स्पष्ट करती है कि यदि यह आंदोलन जारी रहा, तो यह केरल को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अगर अन्य राज्यों के खाद्य पदार्थों की आपूर्ति बंद हो जाती है तो केरल भूखा रहेगा। विधानसभा में रखा गए इस प्रस्ताव में कहा गया है कि देश एक कठिन परिस्थिति से गुजर रहा है और आंदोलनकारी किसानों के साथ खड़ा होना राज्य सरकार का कर्तव्य है। प्रस्ताव में ये भी कहा गया है कि आंदोलन खराब मौसम के बीच हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, तीनों कानून केवल बड़े कॉर्पोरेट घरानों की मदद करेंगे।

भारत में कोरोना वैक्सीन लाने की तैयारी पूरी, एक-दो दिन में इमरजेंसी इस्तेमाल की मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय औषधि महानियंत्रक वी.जी. सोमानी ने बृहस्पतिवार को इस बात का संकेत दिया कि भारत में नये साल में कोविड-19 का टीका आ सकता है। सोमानी ने यहां एक डिजिटल संगोष्ठी में कहा कि सबसे महत्वपूर्ण है कि उद्योग और अनुसंधान संगठन समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। उन्होंने कहा कि टीका विकसित करने पर काम कर रही इकाइयों को धन उपलब्ध कराया गया । सोमानी ने जैव-प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से किए गए प्रयासों का उल्लेख किया और कहा कि संभवतः नव वर्ष बहुत शुभ होगा जिसमें हमारे हाथ में कुछ होगा। फिलहाल मैं यही संकेत दे सकता हूं। बता दे कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, भारत बायोटेक और फाइजर ने डीसीजीआई के समक्ष आवेदन दिया है कि उनके टीके के आपात स्थिति में उपयोग की अनुमति प्रदान की जाए। ये कंपनियां अनुमति मिलने की प्रतीक्षा कर रही हैं। सोमानी के मुताबिक, महामारी के मद्देनजर आवेदकों को अनुमति प्रदान करने की पक्रिया तेजी से चल रही है तथा साथ ही पूरे डाटा की प्रतीक्षा किए बिना ही पहले और दूसरे चरण के परीक्षणों को अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि डाटा की सुरक्षा या इसके कारगर होने के संदर्भ में कोई समझौता नहीं किया गया है। सिर्फ यह बात है कि नियामक ने आंशिक डाटा को स्वीकार किया है। कोविड-19 संबंधी विशेषज्ञ समिति ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक द्वारा सौंपे गए अतिरिक्त विवरण का विश्लेषण किया। केंद्र सरकार ने देश के चार राज्यों में किए गए कोरोना वैक्सीन के ड्राई रन की सफलता के बाद अब दो जनवरी को देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ड्राई रन करने का फैसला किया है।

सूचना
मदरलैण्ड वॉइस
राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र में विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें
8700635881, 7004362969

किसानों का दिल्ली कूच : शाहजहांपुर खेड़ा हरियाणा बॉर्डर पर किसानों की भीड़

ट्रैक्टर से बैरियर तोड़कर हरियाणा में घुसे किसान

पुलिस ने लाठीचार्ज करके किसानों को हरियाणा में एंट्री करने से रोका

अलवर / एजेंसी

राजस्थान में अलवर के शाहजहांपुर खेड़ा बॉर्डर पर गुरुवार दोपहर ट्रैक्टरों पर सवार कुछ किसान पुलिस बैरियर तोड़कर हरियाणा में घुस गए। हरियाणा पुलिस जब तक किसानों को रोक पाती, तब तक 10 से 15 ट्रैक्टर बॉर्डर से आगे निकल गए। इसके बाद पुलिस ने किसानों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस छोड़ी। इसमें कई किसान घायल हो गए। घटना के बाद किसान नेताओं ने अपने साथियों को शांत कराया। उन्होंने कहा किसान शांतिपूर्वक ही आंदोलन को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इधर, हरियाणा सीमा में घुसे 10 से 15 ट्रैक्टर चालकों को हरियाणा पुलिस ने बावल में रोक लिया है। कुछ किसानों को हिरासत में भी लिया गया है। नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल के बॉर्डर पर पहुंचने से एक दिन पहले 25 दिसंबर को हरियाणा पुलिस ने जयपुर-दिल्ली हाइवे की दूसरी लेन भी बंद कर दी थी। पुलिस को अंदेशा था कि सांसद के आने के बाद

किसान दिल्ली कूच कर सकते हैं। आंदोलनकारी किसान संगठनों और सरकार के बीच सुलह के रास्ते खुलने लगे हैं। नए साल में चार जनवरी को होने वाली अगले दौर की बैठक में समस्या के समाधान की संभावनाएं बढ़ गई हैं। किसान संगठनों ने दूरदर्शिता का परिचय देते हुए अपनी जिद को छोड़कर संवैधानिक प्रक्रिया को स्वीकार कर लिया है। बुधवार को हुई वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के बीच तमाम मुद्दों पर सैद्धांतिक सहमति बना ली गई है। माना जा रहा है कि अगली बैठक में किसान संगठन कानून निरस्त करने की मांग छोड़कर एमएसपी की गारंटी पर बातचीत केंद्रित करेंगे। नए कृषि कानूनों को रद करने पर अड़ियल रुख अपनाए किसान नेताओं ने अपना रुख नरम किया है। कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर और रेल व वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बैठक में किसान नेताओं के समक्ष कानून बनाने अथवा संशोधन की संवैधानिक प्रक्रिया का विस्तार से उल्लेख भी किया। तोमर ने बताया कि इन कानूनों के बनाने में ढाई दशक से अधिक का समय लगा है। इसमें विशेषज्ञ, कानूनविद, राजनीतिक दल, योजना आयोग और भी कई तरह गैर सरकारी संगठनों की सिफारिशों की मदद ली गई है। किसान संगठनों ने दूरदर्शिता का परिचय देते हुए अपनी जिद को छोड़कर संवैधानिक प्रक्रिया को स्वीकार कर लिया है। बुधवार को हुई वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के बीच तमाम मुद्दों पर सैद्धांतिक सहमति बना ली गई है।

दोपहर डेढ़ बजे तोड़ी बैरिकेडिंग

गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे 10 से 15 ट्रैक्टर लेकर किसान हरियाणा पुलिस के बैरिकेड तोड़ते हुए आगे निकल गए। कुछ ट्रैक्टर सर्विस लेन की तरफ से आगे बढ़ गए। किसान ट्रैक्टर लेकर आगे बढ़े, तो पुलिस ने बल प्रयोग करके किसानों को खदेड़ा। कई किसानों को चोट आई। इस घटनाक्रम से वहां हलचल मच गई। पीछे करीब दो किलोमीटर दूर तक के किसान बॉर्डर पर आ गए।

12 दिसंबर से शाहजहांपुर बॉर्डर पर धरना दे रहे हैं किसान

शाहजहांपुर- खेड़ा बॉर्डर पर 12 दिसंबर से किसान आंदोलन कर रहे हैं। हाइवे पर दो किमी तक किसान तंबू लगाकर पड़ाव डाले हुए हैं। किसान दिल्ली कूच करना चाहते हैं। लेकिन, हरियाणा पुलिस ने उन्हें आगे नहीं जाने दे रही है। यहां राजस्थान और हरियाणा के अलावा गुजरात और महाराष्ट्र के भी काफी किसान पहुंचे हुए हैं।

एमएसपी पर सरकार लिखित गारंटी देने को राजी

कृषि कानूनों को रद करने को लेकर शुरू हुए किसान आंदोलन में अचानक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी का मुद्दा भी जुड़ गया। सूत्रों का कहना है कि किसान संगठनों की राय में सरकार इस मसले पर कोई विश्वसनीय भरोसा देने को तैयार हो जाए तो बात बन जाएगी। उधर, सरकार इसके लिए लगभग तैयार है। पंजाब और हरियाणा के किसानों को वैसे भी एमएसपी पर अपनी उपज का सर्वाधिक हिस्सा बेचने की सहूलियत मिलती ही है। सरकार इसके लिए लिखित गारंटी देने को राजी है कि एमएसपी पर चल रही खरीद बाधित नहीं होगी। सूत्रों के मुताबिक सरकार से अगली वार्ता में कृषि कानूनों के रद करने की मांग को लेकर किसान संगठनों का रुख लचीला हो सकता है। संयुक्त किसान मोर्चा की कई बैठकों में कई किसान नेताओं ने संवैधानिक प्रक्रिया को अपनाए जाने पर अपनी सहमति व्यक्त की है।

हर दिन कोरोना से होने वाली मौतों के मामले में भारत 12वें नंबर पर पहुंचा; 7वां देश जहां सबसे ज्यादा मरीज मिल रहे

नई दिल्ली / एजेंसी

साल 2020 जाते-जाते देश के लिए अच्छी खबर है। कोरोना से हर दिन होने वाली मौतों के मामले में गिरावट दर्ज की गई है। भारत अब इस मामले में 12वें नंबर पर पहुंच गया है। मतलब दुनिया के 11 देश ऐसे हैं जहां हर दिन भारत से ज्यादा मौतें हो रहीं हैं। इसी तरह नए मरीजों के मिलने के मामले में भारत दुनिया में 7वें नंबर पर है। सितंबर तक भारत में सबसे ज्यादा नए मरीज मिल रहे थे और कोरोना से सबसे ज्यादा मौतें भी यहीं हो रहीं थीं। देश में बीते 24 घंटे में 21 हजार 944 केस आए और 26 हजार 406 मरीज ठीक हो गए। 299 संक्रमितों की मौत हो गई। इस तरह एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 4776 की कमी आई। अब तक कुल 1.02 करोड़ केस आ चुके हैं। इनमें से 98.59 लाख मरीज ठीक हो चुके हैं। 1.48 लाख लोग इस महामारी से जान गंवा चुके हैं। एक्टिव केस में 27 नवंबर से लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इन 34 दिनों में 1.98 लाख एक्टिव केस कम हुए हैं। ये 2.55 लाख रह गए हैं, यानी हर दिन औसतन 5 हजार 825 केस कम हुए। 17 सितंबर को ये 10.17 लाख के पीक पर थे। राजधानी दिल्ली में तेजी से घट रहे कोरोना मरीजों को देखते हुए राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राजधानी में कोविड-19 मरीजों के लिए 7 सरकारी और 108 प्राइवेट अस्पतालों में आरक्षित की गई बेड की संख्या को कम कर दी गई है। सरकारी अस्पतालों में अब 4696 बेड की बजाय 2140 कोविड-19 डेडिकेटेड बेड होंगे।

इन देशों में भारत से ज्यादा मौतें हो रहीं

अमेरिका, ब्राजील, जर्मनी, मैक्सिको, यूके, रूस, इटली, पोलैंड, साउथ अफ्रीका, फ्रांस और स्पेन में अभी भारत से ज्यादा मौतें हो रहीं हैं। अमेरिका में सबसे ज्यादा 3000 लोग हर दिन जान गंवा रहे हैं। इसी तरह जर्मनी में 1000 से 1200 मौतें रोज हो रहीं हैं। भारत में अभी 250 से 300 लोग जान गंवा रहे हैं।

परीक्षा की घड़ी : सीबीएसई 10वीं–12वीं बोर्ड की परीक्षाएं इस बार 4 मई से 10 जून तक, रिजल्ट 15 जुलाई तक

नई दिल्ली / एजेंसी

सीबीएसई 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षाओं की तारीखें आ गई हैं। ये 4 मई से शुरू होंगी। 10 जून तक खत्म हो जाएंगी। रिजल्ट 15 जुलाई तक जारी कर दिया जाएगा। इन परीक्षाओं में 30 लाख स्टूडेंट्स शामिल हो सकते हैं। इस बार ये बोर्ड एग्जाम्स करीब ढाई महीने की देरी से होंगे। पिछले साल ये 15 फरवरी से शुरू हो गए थे। शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने गुरुवार को इन तारीखों का ऐलान किया। कई स्कूलों ने प्री-बोर्ड एग्जाम्स ऑनलाइन कराई हैं, लेकिन बोर्ड एग्जाम्स पेन और पेपर बेस्ड ही होगी। सीबीएसई इस बारे में पहले ही स्थिति साफ कर चुका है। कोरोना को देखते हुए 10वीं और 12वीं का सिलेबस पहले ही करीब 30त्न तक कम किया जा चुका है। अब इसमें और कटौती के आसार नहीं हैं। दुनिया के 25 देशों में सीबीएसई से जुड़े स्कूल चल रहे हैं। वहां भी परीक्षाओं का वही शैड्यूल होगा जो बोर्ड ने अभी बताया है। शिक्षा मंत्री ने अभी सिर्फ परीक्षाएं शुरू और खत्म होने की तारीखें बताई हैं। बोर्ड अब डेट शीट जल्द ही जारी करेगा।

इस बार परीक्षाएं ढाई महीना देरी से

और ये मदद का नंबर : परीक्षा की घोषणा के बाद अगर किसी स्टूडेंट को तनाव महसूस होता है तो वह बोर्ड के टोल फ्री नंबर 844-844-0632 पर फोन कर सकता है। इसके अलावा सीबीएसई के मनोदर्पण पोर्टल पर जा सकता है।

निशंक ने टीचर्स और पेरेंट्स की तारीफ की

शिक्षा मंत्री ने परीक्षाओं की घोषणा करते हुए कहा कि कोरोना के दौर में टीचर्स और पेरेंट्स ने जिस तरह खुद को तैयार किया है, वह काबिले तारीफ है। ये सब कोरोना योद्धा हैं। सीबीएसई के चेयरमैन लगातार परीक्षा के सिस्टम पर नजर रखे हुए हैं। पूरा सिस्टम छात्रों के साथ जुड़ा हुआ है।

कोरोना के बावजूद साल खराब नहीं हुआ

निशंक ने कहा- हमने बच्चों का साल खराब नहीं होने दिया। सुरक्षा, सजगता के साथ हमने परीक्षा कराई है और उनका साल खराब होने से बचाया है। छात्रों ने भी जिस मनोबल से काम किया, यह अद्भुत उदाहरण है। हमारे देश में 33 करोड़ छात्र-छात्राएं हैं। यह अमेरिका की कुल आबादी से भी ज्यादा है। इनमें से 25 करोड़ छात्रों ने ऑनलाइन पढ़ाई की। कोरोना के दौर में दुनिया की सबसे बड़ी परीक्षा JEE और NEET हुई।

स्टूडेंट-टीचर्स ने डिजिटल लर्निंग के लिए खुद को ढाला

डिजिटल लर्निंग पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि कोरोना के संकट के दौरान भी हमारे छात्रों और हर किसी ने चुनौतियों का सामना किया। डिजिटल पढ़ाई हुई। छात्र-छात्राओं ने खुद को तैयार किया। हां, कुछ छात्र-छात्राएं हैं, जिनके पास स्मार्टफोन नहीं था। हमने टेलीविजन और रेडियो के जरिए ऐसे छात्रों के लिए काम किया।

तालाब में मिट्टी की ढाय गिरने से आठ बच्चे दबे, तीन की मौत

आगरा / एजेंसी

साल 2020 का आखिरी दिन खत्म होने से पहले आगरा में तीन परिवारों को जिंदगी भर का दर्द दे गया है। गुरुवार शाम हुए बड़े हादसे में तीन बच्चों की मौत हो गई है। सिकंदरा की रुनकता पुलिस चौकी के पीछे नगरा बस्ती में गुरुवार को तालाब में मिट्टी की ढाय गिर गई। उसमें खेलते आठ बच्चे दब गए। चीख-पुकार मचने पर जुटे ग्रामीणों और पुलिस ने एक घंटे चले रेस्क्यू के बाद बच्चों को बाहर निकाला। उन्हें एसएन इमरजेंसी और सिकंदरा हाईवे स्थित अस्पताल में भर्ती कराया। इमरजेंसी में डाक्टरों द्वारा तीन बच्चों को मृत घोषित कर दिया गया। बच्चों की मौत से उनके परिवारों और कस्बे में कोहराम मच गया। बवाल की आशंका पर कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया है। रुनकता कस्बे की नगरा बस्ती में निवर्तमान प्रधान द्वारा तीन दिन से पुराने तालाब की खोदाई का काम कराया जा रहा है। जेसीबी से खोदाई होने के चलते तालाब में 12 फीट गहरा गड्ढा हो गया है। गुरुवार को काम बंद था। जेसीबी से खोदाई के चलते तालाब में गड्ढे के आसपास की मिट्टी पोली हो गई है। गुरुवार तीसरे पहर करीब चार बजे तालाब में नगरा बस्ती के 10-12 बच्चे खेल रहे थे। इस दौरान यह बच्चे खेलते हुए गड्ढे के पास चले गए। मिट्टी की ढाय गिरने से राधा (9 वर्ष) और मीनाक्षी (7 वर्ष) पुत्री जीतेंद्र, आयुष (9 वर्ष) पुत्र पप्पू, नैना उर्फ सोनल(5 वर्ष) पुत्र हरिओम, पीयूष (8 वर्ष) पुत्र गिर्राज, देव (8 वर्ष) पुत्र दीप सिंह, अंकित (10 वर्ष) एवं दक्ष (5 वर्ष) पुत्र कप्तान सिंह दब गए। तालाब पर खेल रहे बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंचे। बच्चों के मिट्टी की ढाय में दबने की जानकारी होते ही बस्ती के सैकड़ों लोग वहां जुट गए। उन्होंने बच्चों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू कर दिया। हादसे की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी को बुलाकर मिट्टी को हटाने का काम शुरू किया। करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू के बाद बच्चों को बाहर निकाला। इनमें राधा, मीनाक्षी दक्ष और नैना को एसएन इमरजेंसी जबकि बाकी को सिकंदरा हाईवे स्थित अस्पताल में भर्ती कराया । एसएन इमरजेंसी में इलाज के दौरान मीनाक्षी, दक्ष और नैना की मौत हो गई। बच्चों की मौत की खबर मिलने पर उनके परिवार और कस्बे में कोहराम मच गया।उनमें आक्रोश फैल गया। बच्चों की मौत पर बवाल की आशंका के चलते कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया। लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया।

2 जनवरी को देशभर में ड्राई रन

हर पॉइंट पर 25 हेल्थ वर्कर होंगे, ड्रग कंट्रोलर जनरल बोले- उम्मीद है नया साल हैप्पी होगा

नई दिल्ली / एजेंसी

चार राज्यों में कोरोना के वैक्सीनेशन की तैयारियों का कामयाब ट्रायल कराने के बाद केंद्र सरकार ने अब पूरे देश में ड्राई रन कराने का फैसला लिया है। दो जनवरी को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एक साथ ड्राई रन कराया जाएगा। इसके लिए राजधानियों में तीन पॉइंट तय किए जाएंगे। राज्यों को यह छूट रहेगी कि वे इस प्रोसेस में दूरदराज के उन जिलों को शामिल कर सकते हैं जहां वैक्सीन पहुंचाने में मुश्किल आ सकती है। बीते 28 और 29 दिसंबर को पंजाब, असम, आंध्र प्रदेश और गुजरात के दो-दो जिलों में वैक्सीनेशन के लिए मशीनरी की तैयारी को परखा गया था। इस बीच ड्रग कंट्रोलर जनरल ने शुक्रवार को ये संकेत दिए कि अगले साल की शुरुआत में वैक्सीन उपलब्ध होगी। उन्होंने एक वेबिनार में कहा कि वैक्सीन कैंडिडेट को फंड मिल रहे हैं और बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट भी प्रयास कर रहा है। संभवतः नया साल काफी हैप्पी होगा, क्योंकि हमारे पास कुछ होगा। अभी मैं यही इशारा कर सकता हूं। राज्यों के साथ हाईलेवल मीटिंग के बाद हेल्थ मिनिस्ट्री ने गुरुवार को बताया कि इस मेगा ड्रिल का मकसद कोल्ड चेन मैनेजमेंट, वैक्सीन की सप्लाई, स्टोरेज और लॉजिस्टिक्स के अलावा पूरी मशीनरी की तैयारियों का परखना है। देश में कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र और केरल अपनी राजधानी के अलावा कुछ और बड़े शहरों में भी ड्राई-रन कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को इसके लिए गाइड लाइंस जारी की थीं। इसके लिए मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज वैक्सीनेशन प्रोसेस में हिस्सा लेने वाले 25 हेल्थ वर्कर की लिस्ट तैयार करेंगे। राज्यों को यह तय करना होगा कि उनका डेटा को-विन पर अपलोड हो जाए। ये हेल्थ वर्कर ड्राई रन के दौरान मौजूद रहेंगे। इसमें राज्यों में कोल्ड चेन से वैक्सीनेशन साइट्स तक वैक्सीन लाने-ले जाने की प्रक्रिया परखी जाएगी। इसी तरह वैक्सीनेशन साइट्स पर किस तरह की दिक्कतें आ सकती है, यह भी पता लगाने की कोशिश होगी।

असम में सरकारी मदरसों को खत्म करने का बिल हुआ पारित

गुवाहाटी / एजेंसी

असम विधानसभा ने बुधवार को राज्य में सरकारी मदरसों को खत्म कर उन्हें स्कूल में बदलने के बिल को पारित कर दिया। कांग्रेस ने बिल को प्रवर समिति में भेजने की खारिज होने पर सदन से वाकआउट कर दिया। कांग्रेस के साथ ही आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआइयूडीएफ) ने भी इस मसले पर्याप्त चर्चा के लिए असम निरसन विधेयक, 2020 को प्रवर समिति के पास भेजने की मांग की थी। विपक्ष की आपत्तियों के जवाब में सरमा ने कहा, मुझे लगता है कि यह अल्पसंख्यक समुदाय के लिए एक उपहार होने जा रहा है। इन मदरसों में पढ़ने वाले छात्र 10 साल बाद इस फैसले की सराहना करेंगे। विधेयक के प्रावधानों के मुताबिक अगले साल एक अप्रैल से सभी मदरसा उच्च प्राथमिक, उच्च और उच्चतर माध्यमिक स्कूल में बदल जाएंगे। हालांकि, शिक्षण और शिक्षण स्टाफ की स्थिति, वेतन, भत्तों और सेवा में कोई बदलाव नहीं आएगा।

विधेयक में सभी मदरसों को अगले साल एक अप्रैल से स्कूल में बदलने का प्रावधान

शिक्षा मंत्री हेमंत बिश्व सरमा ने उनकी मांग खारिज कर दी, जिसके बाद स्पीकर हितेंद्र नाथ गोस्वामी ने ध्वनि मत के लिए बिल को रखा। सदन में भारी हंगामे के बीच बिल को बहुमत से पारित कर दिया गया। भाजपा गठबंधन के सभी दल-असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने बिल का समर्थन किया। इस विधेयक में दो मौजूदा अधिनियमों- असम मदरसा शिक्षा (प्रांतीयकरण), 1995 और असम मदरसा शिक्षा (कर्मचारियों की सेवाओं का प्रांतीयकरण और मदरसा शिक्षा संस्थानों का पुनर्गठन) अधिनियम, 2018 को खत्म करने का प्रस्ताव है।

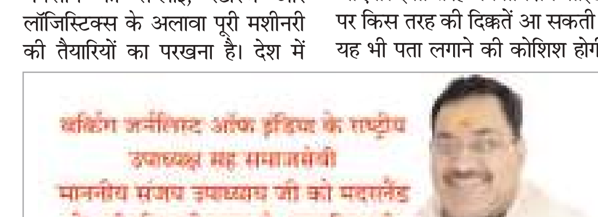

Motherland Institute of Mass Media & Management
COMING SOON!
Program Offered
MJMC • BJMC • Diploma in Digital Media
• Certificate in Digital Marketing • Radio Jockey
• Media Management
Delhi, Dehradun, Patna & Ranchi

कोरोना महामारी ने हमारे जीवन और जीवनशैली को बदल दिया

प्रवीन गुलाटी।

फरीदाबाद। कोई भी इस महामारी का हिस्सा नहीं बनना चाहता था जिससे बचने के लिए मास्कए सैनिटाइजर का उपयोग और लोगों से उचित दूरी बनाकर अपना जीवन जिया जाने लगा। लोगों के बीच इस महामारी फैलने से रोकने के लिए कई उपाय खोजे गए पर कुछ भी हासिल नही हुआ। सभी चाहते है कि जल्दी से ये महामारी समाप्त होए जिससे मेरे कारण किसी और को यह बीमारी अथवा इससे अधिक लोग बीमार ना

हो। कुछ दिन बाद पता चला की हमारे फरीदाबाद में को.वैक्सीन का थर्ड फेस ट्रायल चल रहा है। मैंने सोचा मेरे पास इसका हिस्सा बनने का मौका है। मैंने अपने आप को इसके लिए तैयार किया और ईएसआई से संपर्क किया। सभी के सहयोग से आज को. वैक्सीन की दूसरी वैक्सीन भी लगवाई। वैक्सीनेशन से पहले डॉक्टर ने मुझे इसकी बारे में विस्तार से बताया और अगर भविष्य में कोई परेशानी आए तो उसके बारे में डॉक्टर्स को सूचित करने के लिए कहा। वैक्सीनेशन के बाद अभी तक मुझे कुछ अलग से महसूस नहीं हुआ है। यह पूरी तरह सुरक्षित है। मैं बहुत ही जायदा उत्साहित ओर खुश हूं कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला। में अपने मित्रों को भी इस ट्रायल का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित कर सकूं। सेवा का एक मौका मिले तो करना चाहिए सभी को। अभी तक काफी सारे लोग को. वेक्सीन लगा चुके है।

लगन ब मेहनत से एसोसिएशन में कार्य करने पर किया जाएगा समानित एमआर पाशा

मदरलैंड संवाददाता

बिजनौर बुढ़नपुर। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन द्वारा बृहस्पतिवार को गाजियाबाद जिले के लोनी में अशोक विहार मैं राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन का कार्यालय का उद्घाटन किया गया। कार्यालय का उद्घाटन राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशाए राजकुमार शर्मा प्रदेश अध्यक्ष दिल्लीए शकील खान प्रदेश महासचिव दिल्लीए ओम दत्त के संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के दौरान राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष

एमआर पाशा ने कहा कि हमारा एसोसिएशन पूरे भारतवर्ष में चल रहा है तथा बहुत लंबा विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा है कि जिस तरह आज गाजियाबाद के लोनी अशोक बिहार नगर मैं कार्यालय खोला गया है इसी तरह अन्य राज्यों में भी कार्यालय का उद्घाटन किया जाएगा। श्री पाशा ने कहा कि किसी भी दिव्यांग का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर आपका कोई शोषण करता है तत्काल मुझे बताएं। आपके द्वारा अच्छा कार्य करने पर सम्मानित किया जाएगा। राजकुमार शर्मा जी ने कहा कि अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना है। उन्होंने कहा कि किसी भी पदाधिकारी को कोई भी दिक्कत नहीं आने देंगे। मोहम्मद वसीम ने कहा कि सभी दिव्यांग भाइयों का आभार व्यक्त करता हूं। जो आपने मुझे सम्मान दिया मैं उसका आभारी हूं। इस मौके पर राजकुमार शर्मा प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली शकील खान प्रदेश महासचिव दिल्ली ओम दत्त शर्माए सदाकत हुसैनए ज्ञानेंद्र तोमर प्रचार मंत्रीए महेंद्र सिंहए कपिलए सरफराजए विनय कुमार मोहम्मद फिरोज आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में मंगलवार को उच्च प्रदूषण का स्तर दर्ज

मदरलैंड संवाददाता

दिल्ली में ठंड का कहर बढ़ते ही दिल्ली और उसके पड़ोसी शहरों की हवा और भी जहरीली हो चुकी है। दिल्ली से सटे हुए पांच शहर जिनमें गुड़गांवए गाजियाबादए फरीदाबादए नोएडा और ग्रेटर नोएडा में मंगलवार को उच्च प्रदूषण का स्तर दर्ज किया गया। सरकारी एजेंसी द्वारा जारी किए गए 24 घंटे के आंकड़ों के अनुसारए गाजियाबादए नोएडाए ग्रेटर नोएडाए फरीदाबाद और गुड़गांव के शहरों में औसत हवा की गुणवत्ता खराब बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सीपीसीबी द्वारा बनाए गए वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई के अनुसारए दिल्ली के पांच तत्काल पड़ोसियों में प्रदूषक पीएम 2ण्5 और पीएम 10 की उपस्थिति अधिक रही। सूचकांक के अनुसार शून्य और 50 के बीच एक ए क्यू आई को अच्छा 51 और 100 संतोषजनक 101 और 200 को श्मध्यम 201 और 300 को श्खराब 301 और 400 माना जाता है। 401 और 500 में श्बहुत खराबश्श गंभीर माना जाता है।

गाजियाबाद मॉडिफाइड स्कॉर्पियो

मदरलैंड संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद पुलिस ने आज एक मॉडिफाइड स्कॉर्पियो को जब्त किया है। इस कार पर मॉडिफिकेशन कराकर आराजकता फैलाने के आरोप में जब्त किया गया है। पुलिस ने कार के मालिकपर के मालिक पर कार्रवाई करते हुए उसे 41,500 रुपये का भारी भरकम चालान भी रसीद कर दिया है। यह स्कॉर्पियो गाजियाबाद पुलिस की नियामत चेकिंग के दौरान पकड़ ली गई। जब्त की गई इस स्कॉर्पियो को डांसिंग स्कॉर्पियो कहा जा रहा है जिसका वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल भी हो रहा है। दरअसलए इस कार के जब्त होने का यह भी एक मुख्य कारण है। इस स्कॉर्पियो के अंदर बड़े.बड़े स्पीकर लगाए गए हैं जिसपर इसका ड्राइवर गाना बजाकर रास्ते में जाता हुआ पकड़ा गया है। इस स्कॉर्पियो को इस तरह मॉडिफाई किया गया है कि यह गाना बजने के साथ ही उछलने लगती हैए इसलिए इसे डांसिंग स्कॉर्पियो भी कहा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि कुछ साल पहले यही स्कार्पियो सड़कों पर करामात करते हुए देखी गई थी। यह स्कॉर्पियो दिल्ली के नंबर की है और इसे इसका मालिक शादियों में किराये पर चलाता है। शादियों में यह कार गाने तो सुनती ही है साथ में उछल कर सबका मनोरंजन भी करती है। कार के मालिक ने बताया कि समय और जगह के हिसाब से इस कार को शादियों में बुलाने का खर्च 15.20 हजार रुपये है। पुलिस ने वाहन के दस्तावेजों की जांच की और पाया कि उनमें से कई गायब हैं। वाहन के खिलाफ आठ चालान काटे गए हैं। इसमें 10,000 रुपये ध्वनि प्रदूषण के लिए और 5,000 रुपये उचित दस्तावेजों की कमी के लिए काटे गए हैं। पुलिस ने जुर्माने की बची राशि के बारे में नहीं बताया है।

दिल्ली की केजरीवाल सरकार का वाई.फाई है छलावाः प्रवीण शंकर कपूर

रमाकांत चौधरी।

नई दिल्ली। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बाजीगर है जो मौका को देखकर खेल खेलते हैं। पहले आम आदमी पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं से पंजाब में टेलीकॉम टावर खराब करवाए और अब दिल्ली के बार्डर पर धरना दे रहे किसानों को मोबाइल फोन चलाने में दिक्कत आने लगी तो अब वाई. फाई लगाने की घोषणा कर मसीहा बनने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को वाई.फाई देने पर कोई आपत्ती नही है लेकिन दिल्ली के लोग जानना चाहते हैं कि पूरी दिल्ली में वाई.फाई लगाने का जो वादा किया गया था जिसकी वस्तु स्थिति करता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बताएं कि दिल्ली में कहां कहां वाई.फाई उपलब्ध है।सच तो यह है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार दिल्ली में फ्री वाई.फाई दी ही नहीं यदि दी होती तो दिल्ली के सिंधु बार्डर में भी उपलब्ध होती और आज दिल्ली की केजरीवाल सरकार को यह व्यवस्था नहीं करनी पड़ती।

एमवीएन विश्वविद्यालय में क्रिकेट मैच का आयोजन

ह्रदेश कुमार

फरीदाबाद। एमवीएन विश्वविद्यालय ने साल 2020 की विदाई को बहुत ही अनूठे तरीके से मनाया जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारी गण की उपस्थिति रही। इस के उपलक्ष में विश्वविद्यालय के मैदान पर शिक्षक एकादश एवं गैर शिक्षक एकादश के बीच एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया एवं सभी कर्मचारियों के लिए दोपहर के भोजन का प्रबंध किया गया। क्रिकेट मैच के रोमांचक मुकाबले में गैर शिक्षक एकादश विजेता रही एवं त्रिलोक शर्मा को शानदार पारी खेलने के लिए मैन ऑफद मैच से नवाजा गया। विश्व विद्यालय की प्रबंधक संचालक कांता शर्माए अध्यक्ष वरुण शर्माए कुलाधिपति संतोष शर्माए कुलपति डॉ जेवी देसाई एवं कुलसचिव डॉ राजीव रतन ने कहा की यह वर्ष कोरोना महामारी के कारण बहुत ही तनावपूर्ण रहा लेकिन इस वर्ष को भूलते हुए हमें आगे बढ़ना है और नव वर्ष के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाला वर्ष बहुत सारी खुशियां लेकर आए। इस दौरान डीन एकेडमिक्सए अकादमिक समन्वयकए समस्त विभागो के विभागाध्यक्षए समस्त शिक्षकगण एवं गैर शिक्षक गण उपस्थित रहे।

युवाओएछात्रोंएगरीबो की आवाज बने अंकुर भारद्वाज

मदरलैंड संवाददाता

बिजनोर। अंकुर भारद्वाज एक वो नाम जिनको प्रदेश भर में अपने नेक कार्यो के कारण एक अलग ही स्थान मिल चूका है। हर एक व्यक्ति चाहे वो किसी भी वर्ग जाति घर्म का क्यों ना हो अंकुर भारद्वाज जी को सभी तहेदिल से उनकी तारीफ और दुआए देते है। अंकुर भारद्वाज आज तक पता नहीं कितने ही छात्रों को देश की बड़ी बड़ी कम्पनियो और संस्थानों में जॉब दिलवाकर उनका घर और कैरियर रोशन कर चुके है। ग्रामीण छेत्रों का हर एक युवा और गरीब उनमे एक आशा देखता हैं। अपने इतने अच्छे अच्छे कार्यो से अंकुर भारद्वाज युवाओ के दिलो पर राज करते है! अपनी स्वच्छ छवि और साफ नियत के दम पर उनकी पकड़ हर घर के चूल्हे तक है। अपने कैरियर के दिनों में और बाद में भी अंकुर भारद्वाज बहुत से सम्मान से सम्मानित हो चुके है। उनके द्वारा इंटरनेट पर अपलोड की गयी बहुत सी मोटिवेशनल वीडिओ युवाओ और छात्रों का मार्गदर्शन करती है। ऐसा व्यक्तित्व हमारे बीच में है। ये प्रत्येक जिलेवासी के लिए गर्व की बात है। वे कभी भी किसी की मदद करने से पीछे नही हटते जैसे ही उन्हें पता चलता है। किसी को मदद की जरूरत है। वे बिना समय लगाए उनकी मदद के लिए पहुच जाते है। अंकुर जी की अपने छेत्र वासियों के लिए इतनी लगन को देखते हुए उनके गांव व छेत्र के छात्रए युवा एवं बुजुर्ग उन्हें राजनीती में आते हुए देखना चाहते है। जिससे वह समाज की और भी सेवा कर सके ।

श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों की बेटियों को बांटी गई 20 साइकिल

मदरलैंड संवाददाता

बिजनौर। विकास भवन बिजनौर में श्रमिकों की पुत्रियों को साइकिल वितरण का समारोह किया गया। जिसमें जिला अधिकारी रमाकांत पांडे मुख्य विकास अधिकारी सहायक श्रम आयुक्त बिजनौर द्वारा संयुक्त रुप से श्रमिकों की बेटियों को साइकिल बाटी गई। जिला अधिकारी रामाकांत पांडे ने बताया कि श्रम विभाग द्वारा संत रविदास शिक्षा 1 योजना के अंतर्गत 20 पंजीकरण निर्माण श्रमिकों की पुत्री को साइकिल बाटी गई है तथा आगे भी ऐसी श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों को योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा। इस मौके पर जिला अधिकारी रमाकांत पांडे मुख्य विकास अधिकारी के पी सिंह सहायक श्रम आयुक्त बिजनौर आदि अधिकारीगण मौजूद रहे ।

पानी की समस्या को हल जरूरी विधायक राज कुमार आनंद

प्रदीप कुमार

नई दिल्ली। जहां एक ओर दिल्ली प्रदेश के कुछ इलाके मे जनता पानी ना आने से परेशान हो रही है वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के विधायक राजकुमार आनंद पानी की पूर्ति करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे पंजाबी बस्ती और धान सिंह नगर वार्ड नंबर 95 की जनता की पानी की समस्या को हल करने के कर्म में एक और कोशिश किया कि सभी जनता को यहां के निवासियों को पूर्ण रूप से पानी मिल सके आज वार्ड नंबर 95 पटेल नगर सीएनजी पंप के पास नई बोरिंग का शुभारंभ करते हुए राजकुमार आनंद ने कहा की इस बोरिंग के द्वारा लगभग हजारों जनता को पानी की समस्या से

निजात मिलेगा और घर.घर पानी पहुंच सकेगा पहाड़ी जैसे इलाकों में पानी की समस्या से निजात दिलाने के लिए बोरिंग का सहारा ले रहे हैं विधायक राजकुमार आनंद जिससे पंजाबी बस्ती की जनता का पानी की समस्या दूर हो सके और सभी को घर.घर पानी मिल सके विधायक राजकुमार आनंद का हमेशा यही प्रयास रहा ।

शाहजहांपुर बॉर्डर पर ट्रैक्टर से बैरिकेडिंग तोड़ हरियाणा में घुसे किसान

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन जारी है। इस बीच राजस्थान के किसानों के राजस्थान.हरियाणा के बॉर्डर शाहजहांपुर में जबरन घुसने की कोशिश की। करीब एक दर्जन ट्रैक्टरों ने हरियाणा पुलिस की बैरिकेडिंगदइेचयतोड़ते हुए हरियाणा में प्रवेश कर लिया। राजस्थान और हरियाणा के बॉर्डर शाहजहांपुर में किसानों के चल रहे आंदोलन के दौरान करीब एक दर्जन ट्रैक्टरों ने हरियाणा पुलिस की बैरिकेडिंगदइेचयतोड़ते हुए हरियाणा में प्रवेश कर लिया। दर्जन भर से ज्यादा किसानों के ट्रैक्टर बैरिकेडिंगदइेचयको तोड़कर दिल्ली की तरफ रवाना हो गए। किसानों और पुलिस के बीच संघर्ष के दौरान किसानों को रोकने के लिए पुलिस की ओर से आंसू गैस के गोले और पानी

की बौछार की गई। हालांकि किसानों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और आंदोलनकारी नहीं रुके। दर्जनभर से ज्यादा ट्रैक्टर शाहजहांपुर बॉर्डर क्रॉस कर दिल्ली की ओर रवाना हो गए। किसान नेताओं का कहना है कि आधिकारिक तौर पर दिल्ली जाने की कोई घोषणा नहीं हुई है। दूसरी ओरए दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर किसान पिछले 36 दिनों से टिके हुए हैंए जहां उन्हें कड़ाके की ठंड और सर्द रातों के साथ.साथ बाकी कई चीजों की समस्या का सामना भी करना पड़ रहादइेचयहैए दइेचयजिनमें से एक नेटवर्क की समस्या भी है। लेकिन अब सिंघु बॉर्डर पर वाई.फाई की व्यवस्था हो गई है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी सुनिश्चित नहीं कर पाया तो राजनीति से संन्यास ले लूंगा . खट्टर

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि अगर वह किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी की गारंटी सुनिश्चित नहीं कर पाए तो राजनीति से संन्यास ले लेंगे। खट्टर ने यह बयान ऐसे वक्त दिया जब सत्तारूढ़ दल को हरियाणा के पांच नगर निकाय चुनाव में से तीन में हार का सामना करना पड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम एमएसपी जारी रखने के पक्ष में हैं और किसी ने इस व्यवस्था को खत्म करने का प्रयास किया तो वह सियासत छोड़ देंगे। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री और जननायक जनता पार्टी के नेता दुष्यंत चौटाला ने भी इसी माह ऐसा ही बयान दिया था। चौटाला ने कहा थाए जब तक मैं सत्ता में हूंए तब तक किसानों के लिए फसलों पर एमएसपी सुनिश्चित कराउंगा।जिस

दिन मैं ऐसा करने में नाकाम रहूंगा उसी दिन पद छोड़ दूंगा। मेयर के तीन चुनावों में से दो में सत्तारूढ़ गठंधन को हिसार के उकलाना और रेवाड़ी के धारुहेरा में हार मिली है। इन दोनों को चौटाला की पार्टी जेजेपी का गढ़ माना जाता है। सत्तारूढ़ दल सोनीपत और अंबाला में मेयर का चुनाव भी हार गया है। हार पर अंबाला से बीजेपी विधायक असीम गोयल ने कहा था कि संभवतः दिल्ली बॉर्डर पर चल रहे किसानों के आंदोलन ने चुनाव पर असर डाला है।

ढंडेरा में किया भाजपाईयो ने जिला मंत्री का स्वागत

राजकुमार रुड़की।

भाजपाईयो ने गुरुवार को ढंडेरा में पूर्व मंडल अध्यक्ष जितेंद्र पुंडीर के आवास पर नवनियुक्त जिला मंत्री किसान मोर्चा का माल्यार्पण कर स्वागत किया और पार्टी की मजबुती का संकल्प लिया। नवनियुक्त किसान मोर्चा जिला मंत्री सतीश नेगी ने कहा कि भाजपा में आम कार्यकर्ताओ का सम्मान सर्वोपरि है। यही कारण है कि आज कार्यकर्ताओ के दम पर भाजपा विश्व में सबसे बड़ा संगठन है।

उन्होने जिला मंत्री की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर प्रदेश हाईकमान, जिलाध्यक्ष डा. जयपाल सिंह चौहान व किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष निपेंद्र चौधरी का आभार जताया और उनके विश्वास पर खरा उतरने की बात कही। नेगी ने कहा कि पार्टी ने जो उन पर विश्वास जताया है उसे वह कायम रखने का पूरा प्रयास करेगें। पार्टी और सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए काम करेगें। सतीश नेगी ने कहा कि मोदी सरकार किसान हितों के लिए नये कृषि कानून लेकर आई है। देश का किसान भी इस बात को अच्छी तरह से समझ रहा है। कांग्रेस आज पूरे देश में समाप्त हो चुकी है। यही कारण है कि अपना वजूद बनाने को कांग्रेस किसानों को बहकाने में लगी है। पूर्व लंढौरा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र पुडीर ने कहा कि कुछ किसान संगठन कांग्रेस के इशारे पर दिल्ली में आंदोलन को हवा देने में लगे हैं, लेकिन इससे किसान बहकने वाला नही है। इस दौरान तमाम कार्यकर्ताओ ने सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत के स्वास्थय की भी कामना की और सीएम को सबसे ज्यादा विकास कराने वाला बताया। इस अवसर पर सुबोध शर्मा, संदीप सैनी, दीपक चिप्पा, मातबर सिंह रावत, रामजी, हरीश कुमार, अशोक पाण्डेय, चन्दन पाल, असगर प्रधान, गंगा सिंह बिष्ट आदि मौजुद रहे।

हाथी के तांडव से फसल को नुकसान

नजीबाबाद । मंडावली थाना क्षेत्र के ग्राम सीतावली के जंगल में किसान खेतों में काम कर थे। इसी दौरान अचानक एक हाथी किसानों के खेतों पर आ गया, जिसे देखकर किसानों ने शोर मचा गया। साथ ही वहांकाम कर रहे किसानों में भगदड़ मच गई। किसानों ने बड़ी मुश्किल से वहां से भागकर अपनी जान बचाई। हाथी ने काफी देर तक किसानों के खेतों पर जमकर तांडव मचाया। हाथी ने गन्ने की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया। सूचना पर मौके पर पहुंचे मंडावली थाने के एसआई घनश्याम वशिष्ठ, कांस्टेबल शाने आलम, राजीव राठी ने ग्रामीणों की मदद से ट्रैक्टर चलाकर हाथी को भगाया। ग्रामीणों ने बताया की एक तो भयंकर सर्दी के कारण किसान खेतों पर देरी से जाने के कारण काम नहीं कर पा रहे है। साथ ही जंगली जानवरों का भी खतरा बना रहता है। ऐसे में ग्रामीणों को खेतों से पशुओं का चारा लाने में भी परेशानी उठानी पड़ रही है। किसानो ने वन विभाग से जंगली जानवरों से निजात दिलाने की मांग की है ।

टोल प्लाजा पर निर्धारित समय से पूर्व अतिरिक्त शुल्क की वसूली

भगवानपुर। टोल प्लाजा शुल्क वसूली को लेकर शुरूआत से ही विवादों में रहा है। भगवानपुर विधायक सहित अनेक संगठन टोल वसूलने वाली कम्पनी के खिलाफ कई बार धरना प्रदर्शन कर चुके हैं। लेकिन अवैध वसूली का कोई भी रास्ता कम्पनी हाथ से नहीं जाने देती। हैरानी की बात यह है कि राष्ट्रीय राजमार्ग अथॉरिटी और प्रशासन कम्पनी की अवैध वसूलियों से अनभिज्ञ है। केन्द्र सरकार द्वारा 1 जनवरी 2021 से फास्टटैग को अनिवार्य किया गया है। फास्टटैग न होने पर नगद भुगतान निर्धारित शुल्क के साथ ही अतिरिक्त शुल्क का प्रावधान किया गया है। लेकिन भगवानपुर स्थित टोल प्लाजा पर सीजीआरजी कम्पनी द्वारा एक जनवरी से पूर्व ही नगद भुगतान पर दोगुना अतिरिक्त शुल्क की वसूली की जा रही है। संजीव अष्टवाल, अनुज गौड़, प्रीती पाटिल आदि का कहना है कि फास्ट टैग न होने के कारण दो दिन पूर्व उनसे निर्धारित शुल्क 20 रूपये के साथ ही 20 रूपये अतिरिक्त शुल्क नो फास्ट टैग के नाम से वसूला गया। जो सरासर गलत है। इतना ही नहीं इस अवैध वसूली का विरोध करने पर वहां तैनात कर्मचारी दबंगई पर उतर आये। एसडीएम भगवानपुर संतोष कुमार पाण्डे ने टोल प्लाजा पर निर्धारित शुल्क से अधिक की वसूली पर अपनी अनभिज्ञता प्रकट की। उन्होंने कहा कि कहा कि वे इन दिनों बाहर हैं इस की जानकारी जुटायेंगे और दोषी पाये जाने पर कार्रवाई की जायेगी। दिल्ली मार्ग से देहरादून और सहारनपुर की ओर जाने वाले वाहनों को रुड़की से बाई पास के लिये मंगलौर से ग्राम करौदी तक फोर लेन मार्ग बनाया गया है। इस पर भगवानपुर में बानाये गये टोल प्लाजा पर टोल शुल्क 20 रूपये निर्धारित है। रुड़की से भगवानपुर के बीच की दूरी करीब 14 किलोमीटर है इस मार्ग पर 9 किलोमीटर बाद ग्राम करौदी से फोर लेन आरम्भ हो जाती है।यदि आप भगवानपुर जाना चाहते हैं तो पांच किलोमीटर के लिये आपको 20 रूपये टोल के रूप में देने होंगे। यहां यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भगवानपुर औद्योगिक क्षेत्र और दर्जन भर से अधिक महाविद्यालय भगवानपुर के आस पास स्थित हैं। जिसके कारण रुड़की वासियों को रोजाना भगवानपुर की ओर जाना आना पड़ता है। मात्र 5 किलोमीटर के लिये टोल की इस वसूली को नाजायज बताते हुए रुड़की वासियों में भारी रोष बना हुआ है।

3 को दिल्ली कूच करेगें किसान, 21 को घेरेगें विधानसभा

रुड़की।

भारतीय किसान यूनियन रोड गुट ने 4 जनवरी को मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम को लेकर अपनी रणनीति में फेरबदल किया है। अब भाकियू कार्यकर्ता 3 जनवरी को दिल्ली कूच करेंगे, जबकि 21 जनवरी को सीएम आवास घेराव का निर्णय लिया गया है।

इस बाबत भाकियू कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मामले से अवगत भी कराया है।गुरुवार को प्रशासनिक भवन में आयोजित बैठक में भाकियू रोड के प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह रोड ने कहा कि संगठन ने 4 जनवरी को मुख्यमंत्री आवास के घेराव की घोषणा की थी लेकिन अब इसमें फेरबदल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कृषि बिल के खिलाफदिल्ली बॉर्डर पर धरनारत किसानों का सहयोग करने के लिए 3 जनवरी को भाकियू कार्यकर्ता दिल्ली के लिए कूच करेंगे। सभी कार्यकर्ता 3 जनवरी की सुबह प्रशासनिक भवन में एकत्र होंगे और फिर जत्थे के रूप में दिल्ली के लिए रवाना होंगे। भाकियू प्रदेश उपाध्यक्ष कमर आलम ने कहा कि अब 21 जनवरी को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। जिलाध्यक्ष नाजिम अली ने केंद्र सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि फिलहाल की स्थिति में किसानों के आंदोलन के आगे सरकार झुकती नजर नहीं आ रही है लेकिन उन्हें पूरी उम्मीद है कि 4 जनवरी को दिल्ली में किसान नेता और सरकार के बीच होने वाली बैठक में कृषि बिल को लेकर जरूर कुछ हल निकलेगा। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर सरकार कृषि बिल वापस नहीं लेती तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। जिला उपाध्यक्ष मुबारिक अली ने सभी किसानों से अपने हितों की रक्षा को लेकर 3 जनवरी को प्रशासनिक भवन में एकत्रित होकर दिल्ली कूच करने का आह्वान किया। इस दौरान अनीस, संजीव कुशवाहा, शहजाद, प्रदीप त्यागी, पवन रोड, राजपाल, बिट्टू, आरिफ, रवि कुमार, रिजवान, इंदर, राजेश सैनी, सुलेमान मौजूद रहे।

स्वास्थय विभाग की भूमि पर अवैध निर्माण, विभाग बना मौन

भगवानपुर / नदीम अहमद

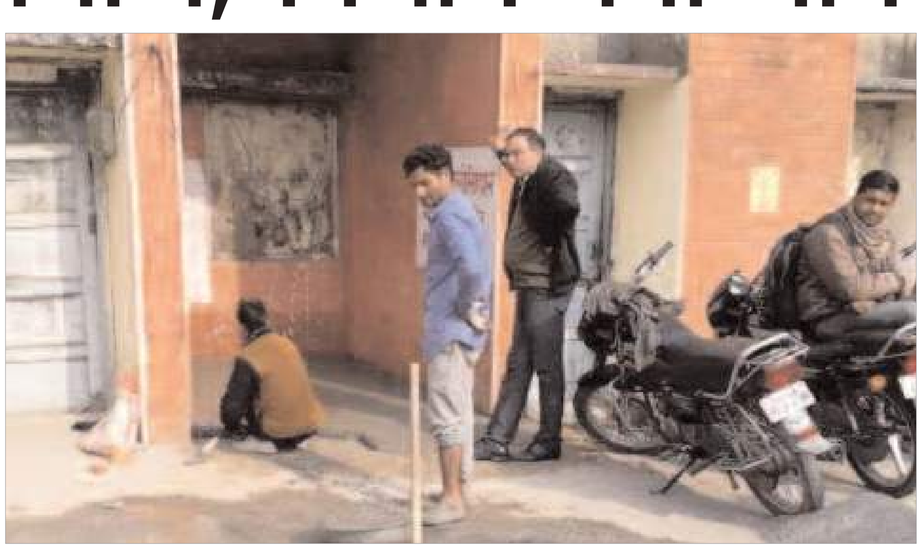

तहसील में स्वास्थ्य विभाग की बिल्डिंग पर कब्जा कर कैंटीन व फोटो स्टेट की जगह बना कर अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसे लेकर तहसील प्रशासन अभी तक कार्रवाई नहीं कर सका हैं। हालांकि सामुदायिक स्वास्थय केंद्र प्रभारी की ओर से इस बाबत एसडीएम भगवानपुर को प्रार्थना-पत्र भी दिया जा चुका है। बावजूद इसके यह मामला ठंडे बस्ते में है। आखिर अधिकारियों की कलम इस मामले में क्यूं नही चल रही हैं, इसे लेकर कई तरह के सवाल भी खड़े हो रहे हैं। बता दें कि तहसील भगवानपुर में स्वास्थय विभाग की बिल्ड़िंग बनी हुई है। जिस पर पिछले कुछ दिनों से कब्जा कर कैंटीन व फोटो स्टेट के लिए निर्माण कार्य चल रहा है। इस संबंध में अधिवक्ता एसोसिएशन अध्यक्ष संजीव वर्मा का कहना है कि यह बिल्डिंग स्वास्थ्य विभाग में दर्ज नहीं है, यह तहसील का प्रांगण हैं। किसी को उनके कार्य से आपत्ति नहीं है। इसलिए भूमि पर निर्माण कार्य कर कैंटीन व फोटो स्टेट के लिये निर्माण कराया जा रहा है। तहसीलदार सुशील कुमार सैनी को अवगत कराया तो उन्होंने बताया कि यह बिल्डिंग स्वास्थ्य विभाग की हैं जिस पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। मामले में रिपोर्ट बनाकर नाजिर के माध्यम से उप जिला अधिकारी को भेज दी है। जिस पर अब उनके माध्यम से ही कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की बिल्डिंग पर अवैध कब्जा कर कैंटीन बनाने के मामले में हरिद्वार सीएमओ शंभू कुमार झा का कहना है कि हमने किसी को केंटीन बनाने की कोई जमीन अधिवक्ताओ को कैंटीन लगाने को नहीं दी है। इस तरह का कोई भी मामला है तो जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सेवानिवृत्ती पर कर्मचारियों ने दी सीएससी प्रभारी को ससम्मान विदाई

मंगलौर। मंगलौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ पीके सिंह गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गए उनके सम्मान में अस्पताल परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें अस्पताल कर्मचारियों व स्थानीय नागरिकों ने सेवानिवृत्त चिकित्सक को सम्मानजनक विदाई दी। उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।डॉ पीके सिंह ने कहा कि 13 अगस्त 2012 को उन्होने मंगलौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बतौर चिकित्सा अधीक्षक पदभार ग्रहण किया था। 8 वर्ष के लंबे कार्यकाल में उन्हें कभी भी किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा यहां के स्टाफ के साथ-साथ उन्हें स्थानीय लोगों का भी भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि चिकित्सक या स्वास्थ्य कर्मी कभी भी सेवानिवृत्त नहीं होता है वह जीवन भर सेवा में रहता है यह सरकारी आंकड़ों का मामला है कि एक समय आता है जब एक कागज उसके हाथ में थमा दिया जाता है जिससे बताया जाता है कि वह सेवानिवृत्त हो गया है वास्तव में स्वास्थ्य कर्मी अथवा चिकित्सक कभी भी सेवानिवृत्त नहीं होता है जीवन भर वह उसी सेवा भाव से लोगों की सेवा करता है जिस भाव से वह अपने सेवाकाल में सेवा देता रहा है उन्होंने कहा कि जब वह इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचे थे तो अवस्थाएं इतनी दुरुस्त नहीं थी लेकिन सभी लोगों के प्रयासों से अस्पताल में व्यवस्थाएं दुरुस्त हुई तथा सीएचसी को उत्तराखंड में पहला स्थान प्राप्त हुआ। उन्होंने समस्त स्टाफ व अन्य लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिस प्रकार से आज तक सीएचसी को उच्च स्तर पर ले जाने के प्रयास हुए हैं आगे भी इसी तरह के प्रयास होने चाहिए। ताकि लोगों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। कहा कि अपने इस सेवाकाल को वह कभी नहीं भूल पाएंगे। इस अवसर पर रुड़की सिविल अस्पताल सीएमएस डॉ एके कंसल महिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कोमल, डॉक्टर एनडी अरोड़ा, स्टाफ नर्स शबाना परवीन, शहनाज, बीएस बडोला संतोष कुमार, सुभाष कुमार, सहाब सिद्दीकी, मोहम्मद अनवर, मोहसिन अली, राजदीप, विनोद, शाकिर अली, अमीर अहमद, राजेश कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अस्पताल प्रबंधक विपिन कुमार ने किया।

रिश्वत लेते लेखपाल को एसडीएम ने किया सस्पेंड

नजीबाबाद । स्थानीय तहसील के एक लेखपाल का एक किसान से रिश्वत लेते हुए सोशल मीडिया पर चल रहा विडियो चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल विडियो में एक व्यक्ति लेखपाल को पांच-पांच सौ के नोटों का रिश्वत में एक पैकिट देते दिख रहा है। विडियो में ग्राम हर्षवाड़ा निवासी बुजुर्ग किसान इकबाल अहमद का आरोप है कि उसकी जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है।

जिसे नाप-तौल कर कब्जा मुक्त कराने के लिए क्षेत्र के लेखपाल ने विभाग के अधिकारियों के नाम पर उससे माह अक्टूबर में डेढ़ लाख रूपए व अब पचास हजार रूपए रिश्वत में ले लिये। इसके बावजूद न तो काम किया न ही पैसे वापस लौटाएं।

आरोप है कि लेखपाल ने उससे 25 तौले सोने की भी मांग की। मंडावली निवासी इकबाल के एक रिश्तेदार ने बताया कि लेखपाल ने इस काम के उसकी मौजूदगी में पांचलाख रूपए की मांग रखी थी। बाद में डेढ़ लाख रूपए में सौदा हो गया था। पचास हजार और लेने के बाद भी लेखपाल ने काम नहीं किया। इस मामले में तहसीलदार राधेश्याम शर्मा ने बताया कि विडियो की सत्यता की जांच कराई जा रही है। यदि लेखपाल दोषी पाया गया तो उसके खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

मेयर ने कियी सीसी रोड़ का उदघाटन, कंबल बांटे

रुडकी। मेयर गौरव गोयल ने भारत नगर में बनने वाली सीसी रोड के निर्माण कार्य का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए कहा कि रुड़की नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड एवं मोहल्लों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के तौर पर संपन्न कराया जाएगा।उन्होंने कहा कि सभी वार्डों में पक्की सड़कों के निर्माण के साथ ही नालियां भी बने,ताकि नगर में जल निकासी बेहतर हो तथा जलभराव की समस्या भी उत्पन्न ना हो।उन्होंने कहा कि वह नगर निगम क्षेत्र में निर्माण कार्यों को लेकर प्रतिबध्द है।कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार भी विकास कार्यों को प्राथमिकता देकर पूरा कर रही है।भाजपा सबको साथ लेकर सबका विकास करने में विश्वास रखती है।पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद जावेद फैंसी ने कहा कि उनका प्रयास लगातार अपने वार्ड के विकास कार्यों को लेकर है,क्योंकि उनके वार्ड में समस्याओं का अंबार है,जिसे वह मेयर गौरव गोयल एवं नगर निगम के सहयोग से सभी समस्याओं का समाधान कराने के लिए प्रयासरत हैं।उन्होंने कहा कि उनके वार्ड में अच्छी सड़कें और मार्ग बने।पक्की नालियों का निर्माण हो,पथप्रकाश व्यवस्था बेहतर हो तथा वार्ड में उनकी जलभराव की समस्या भी रहती है उसका भी समय पर निदान हो सके। इस अवसर पर अविनाश त्यागी, हसीन, मोहम्मद आरिफ अख्तर, शाहरुख, मोमिन, शमशेर अली आदि लोग मौजूद रहे। उधर रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, शताब्दी द्वार, चंद्रपुरी रिक्शा स्टैंड आदि स्थानों पर मेयर ने खुले आसमान के नीचे सो रहे असहाय लोगों को कंबल वितरित किए तथा सर्दी के प्रकोप से बचने के लिए नगर निगम द्वारा चलाई जा रही अलाव व्यवस्था का भी निरीक्षण किया।मेयर गौरव गोयल ने कहा कि समाज सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। असहाय एवं निर्धन लोगों की सेवा करना ही सबसे बड़ी मानवता है।सभी को समाज सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम की ओर से भी लोगों को राहत देने के लिए विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर रवी गर्ग, सार्थक गोयल, आलोक सैनी मौजूद रहे।

बेहोश कर लूटी ई-रिक्शा

मंगलौर।

जहरखुरानी गिरोह ने एक ई रिक्शा चालक को अपना शिकार बना लिया। आरोपित उसका रिक्शा लेकर भाग गए तथा बेहोश अवस्था में रिक्शा चालक को सड़क किनारे फेंक दिया।

मोहल्ला मिर्धागान निवासी मुस्तकीम ई-रिक्शा चालक है। बुधवार शाम 2 लोग उसे बुकिंग कर पुरकाजी ले गए। रास्ते में उसे उन्होंने कुछ नशीला पदार्थ खिला दिया जिससे वह बेहोश हो गया। होश आया तो वह सड़क किनारे पड़ा हुआ था।

जिस स्थान पर वह पाया गया वह पुरकाजी थाना क्षेत्र जनपद मुजफ्फरनगर में है उसके द्वारा अपने साथ हुई घटना को याद किया गया किसी प्रकार वह अपने घर पहुंचा तथा परिजनों को घटना से अवगत कराते हुए पुलिस को भी सूचना दी घटना की सूचना पर पुलिस ने पीड़ित को साथ लेकर विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे कंघाले लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया इस संबंध में शहद चौकी प्रभारी शहजाद अली का कहना है कि घटना पुरकाजी थाना क्षेत्र में हुई है वहीं मुकदमा दर्ज होना चाहिए। स्थानीय पुलिस मानवता के नाते पीड़ित रिक्शा चालक की मदद कर रही है तथा सीसीटीवी कैमरे संभालने का प्रयास किया जा रहा है यदि कोई सुराग मिलता है तो उसकी और अधिक मदद की जायेगी।

संत रविदास शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 27 श्रमिकों की पुत्रियों को साइकिल का वितरण

अंजुम सिद्दीकी

सहारनपुर। विधायक चैधरी किरत सिंह ने कहा कि श्रम विभाग में अधिक से अधिक श्रमिकों को पंजीकृत कर सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि पंजीयन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाए। कोई भी पात्र लाभार्थि योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहने पाए। उन्होंने कहा कि संत रविदास शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत श्रमिकों की पुत्रियों को योजाना का लाभ देने के लिए अधिक से अधिक लोगों को योजना से जोड़ने का काम करें।

किरत सिंह आज यहां उप श्रमायुक्त कार्यालय में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पुत्र/पुत्रियों को कक्षा 10 या कक्षा 12 उत्तीर्ण करने के उपरान्त उन्हें आगे की पढ़ाई हेतु प्रेरित करने के लिए आयोजित कार्यशाला को सम्बोधिंत कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर सरकार द्वारा 'मिशन शक्ति अभियान' (महिला सशक्तिकरण) के तहत 27 निर्माण श्रमिक लाभार्थियों की पुत्रियों को संत रविदास शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत साइकिल वितरण के अतिरिक्त अन्य योजनाओं यथा बालिका मदद योजना, शिशु हितलाभ योजना, मृत्यु एवं विकलांगता सहायता योजना में 55 लाभार्थियों को कुल 12 लाख 91 हजार 500 रूपये के हितलाभ से आच्छादित किया गया।

जिला विकास अधिकारी मंशाराम यादव की अध्यक्षता में कार्यक्रम कराया गया एवं कार्यक्रम के संयोजक उप श्रमायुक्त शक्तिसेन मौर्य एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती आशा त्रिपाठी, जिला प्रोबेशन अधिकारी पुष्पेन्द्र सिंह, सहायक श्रमायुक्त डा0 संतोष कुमार अग्रहरि द्वारा उक्त योजनाओं के बारें में जानकारी दी गयी। जिला कार्यक्रम एवं जिला प्रोबेशन विभाग द्वारा कार्यक्रम में अपने स्टाल लगाकर नारी शक्ति, बालिका सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं उनके अधिकारों आदि के बारे में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का संचालन एन के चैधरी, संराधन अधिकारी/श्रम प्रवर्तन अधिकारी तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारी कृष्ण अवतार द्वारा संयुक्त तौर पर किया गया। इस अवसर पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी संतोष कुमार त्रिपाठी, के0पी0 सिंह, उपेन्द्र अवस्थी एवं सुश्री प्रीति सोम के अतिरिक्त सी0टी0यू0 के तिलकराज भाटिया के अतिरिक्त 125 श्रमिकगण उपस्थित रहे और बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

शकील सैफी

मेरठ। खरखौदा थाना क्षेत्र के गाव अतराडा के तीन युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत।

मेरठ जिले के गाँव अतराडा के तीन युवक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर हापुड़ किठौर रोड स्थित रणजीत देवता पर घने कोहरे के चलते सड़क खड़े ट्रोला से टकरा गए। इस जोरदार टक्कर लगने से तीनों युवकों की मौके पर मौत हो गयी। राहगीरो ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने तीनों मोटरसाईकिल सवार युवकों की जानकारी करते हुए बताया कि तीनो युवक प्रादुमल,निखिल, व मनीष अतराडा गाँव के है। जिसकी जानकारी पुलिस ने युवकों के परिजनों को दी। परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही गाँव में कोहराम मच गया। वही मृतकों के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया।

किशोरियों के आत्मविश्वास एवं आत्मगौरव के लिए सरकार ने संचालित की योजनाएं

मेरठ। बाल्यावस्था तथा यौवन के बीच की अवस्था होने के कारण किशोरावस्था नारी के मानसिक, भावनात्मक तथा मनोवैज्ञानिक विकास की दृष्टि से अत्यन्त परिवर्तनशील होती है। इसीलिए किशोरावस्था नारी के जीवन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवस्था मानी गई है। ऐसी स्थिति में मानव संसाधन विकास के उद्देश्य से चलाई जा रही विकासपरक योजनाओं, कार्यक्रमों में किशोरियों को स्थान देना जरूरी है। किशोरियों में आत्मविश्वास, उत्साह एवं आत्मगौरव की भावना में वृद्धि करने के उद्देश्य से उनके पौषाणिक, शैक्षिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार योजनाएं चलाकर उनका विकास कर रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा प्रदेश की गरीब परिवार की बालिकाएं, स्कूल न जाने वाली किशोरी बालिकाओं के लिए उ0प्र0 किशोरी बालिका योजना (एसएजी) लागू की गई योजनान्तर्गत उन्हें जीवन कौशल, शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य शिक्षा, सामाजिक कानूनी मुद्दों तथा मौजूदा सार्वजनिक सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जा रहा है। प्रदेश में समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजनान्तर्गत 06 माह से 06 वर्ष की आयु तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश के समस्त जिलों में कुल 897 परियोजनाओं के 167499 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 22290 मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इन्ही आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से किशोरियों के सर्वांगीण विकास हेतु चलाये जा रहे कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा उत्तर प्रदेश किशोरी बालिका योजना 2020 लागू कर उ0प्र0 की 05 लाख से अधिक किशोरी बालिकाओं के लक्ष्य के विपरीत अब तक 3.50 लाख किशोरियों को अनुपूरक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। उत्तर प्रदेश किशोरी बालिका योजनान्तर्गत 11 से 14 वर्ष की स्कूल न जाने वाली बालिकाओं को पोषण आहार के रूप में मोटा अनाज बाजरा, कोदो, रागी, मक्का गेहूं आदि काला चना, अरहर दाल और देशी घी दिया जा रहा है। यह योजना प्रदेश के 53 जिलों में संचालित है। वहीं प्रदेश के 22 जिलों में मीठा व नमकीन दलिया के अलावा लड्डू प्रीमिक्स हर माह दिये जा रहे हैं।

शिक्षा तकनीकी एवं अनुसंधान समिति का स्थापना दिवस मनाया गया

मदरलैंड संवाददाता

स्योहारा। शिक्षा तकनीकी एवं अनुसंधान समिति के मुरादाबाद के मंडल अध्यक्ष आसिफ रईस ने अपने कार्यालय पर शिक्षा तकनीकी एवं अनुसंधान समिति का तीसरा स्थापना दिवस केक काटकर मनाया और कहा कि उत्तर प्रदेश मे ही नही बल्कि पूरे हिंदुस्तान में शिक्षा तकनीकी अनुसंधान समिति अपना कार्य कर रही है एवं शिक्षा के प्रति जागरूक करने वाली वह समयसमय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर समय शिक्षा अनुसंधान समिति खड़ी रहती है ओर आसिफ रईस ने बताया कि बहुत जल्द शिक्षा तकनीकी एवं अनुसंधान समिति सभी जिलों में अपना एक कार्यालय खोलेगी खोलेगी ओर लोगो को सरकार द्वारा जो कोर्स योजनायें जनता के लिये आती है वो उन लोगो तक नही पहुच पाती है। घर घर तक शिक्षा को पहुँचाना हमारा कार्य है जब पड़ेगा इंडिया तभी तो बनेगा डिजिटल इंडिया इस कार्यक्रम में मंडल मीडिया प्रभारी नसीम अहमद ने कहा कि हमें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देनी चाहिए। कार्यक्रम मे फैजान खान, फैसल अनीस ,नवेद अबरार फरीदी , इक़बाल अंसारी आदि उपस्थित रहे।

युवाओ,छात्रों,गरीबो की आवाज बने अंकुर भारद्वाज

बिजनोर। अंकुर भारद्वाज एक वो नाम जिनको प्रदेश भर में अपने नेक कार्यो के कारण एक अलग ही स्थान मिल चूका है। हर एक व्यक्ति चाहे वो किसी भी वर्ग जाति घर्म का क्यों ना हो अंकुर भारद्वाज जी को सभी तहेदिल से उनकी तारीफ और दुआए देते है। अंकुर भारद्वाज आज तक पता नहीं कितने ही छात्रों को देश की बड़ी बड़ी कम्पनियो और संस्थानों में जॉब दिलवाकर उनका घर और कैरियर रोशन कर चुके है! ग्रामीण छेत्रों का हर एक युवा और गरीब उनमे एक आशा देखता हैं। अपने इतने अच्छे अच्छे कार्यो से अंकुर भारद्वाज युवाओ के दिलो पर राज करते है। अपनी स्वच्छ छवि और साफ नियत के दम पर उनकी पकड़ हर घर के चूल्हे तक है। अपने कैरियर के दिनों में और बाद में भी अंकुर भारद्वाज बहुत से सम्मान से सम्मानित हो चुके है। उनके द्वारा इंटरनेट पर अपलोड की गयी बहुत सी मोटिवेशनल वीडिओ युवाओ और छात्रों का मार्गदर्शन करती है ! ऐसा व्यक्तित्व हमारे बीच में है। ये प्रत्येक जिलेवासी के लिए गर्व की बात है। वे कभी भी किसी की मदद करने से पीछे नही हटते जैसे ही उन्हें पता चलता है किसी को मदद की जरूरत है। वे बिना समय लगाए उनकी मदद के लिए पहुच जाते है। अंकुर जी की अपने छेत्र वासियों के लिए इतनी लगन को देखते हुए उनके गांव व छेत्र के छात्र, युवा एवं बुजुर्ग उन्हें राजनीती में आते हुए देखना चाहते है। जिससे वह समाज की और भी सेवा कर सके।

पैग़ाम-ए-मुहब्बत ने किया रक्तदान

मुज़फ्फरनगर। मिली जानकारी के अनुसार डॉक्टर विकास पंवार के होस्पिटल में एक मरीज भर्ती है जिसकी हालत नाजुक बनी हुई है डॉक्टर द्वारा खून की जांच कराये जाने पर खून की कमी पाई गई जिस पर डॉक्टर ने 2 युनिट ब्लड की मांग करडाली मरीज के परिजनों ने पैग़ामएमुहब्बत के अध्यक्ष मास्टर इसमाईल से संपर्क किया तो मास्टर इसमाईल ने तुरंत संस्था के साथी आबाद कुरैशी व टीपू(सावेज)से फोन पर बात की और ब्लड देने को कहा जिस पर दोनों हॉस्पिटल पहुंचे व ब्लड दिया जिस पर परिजनों ने सभी को दुआएं दी मास्टर इसमाईल ने बताया कि हमारी येही कोशिश रहती है वे आगे भी रहेगी जहां व जब भी किसी को हमारी आवश्यकता होगी व किसी चीज की जरूरत होगी तो पूरी करने की कोशिश करेंगे पैग़ाम एमुहब्बत से जुड़े विनोद कुमार वर्मा ,आस मुहम्मद भी मरीज को देखने पहुंचे।

लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि पर सपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

सरताज अहमद

मुजफ्फरनगर। आज समाजवादी सँघर्ष के पुरोधा लोकतंत्र रक्षक लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि पर सपाइयों ने उनको पुष्प सुमन अर्पित करते हुए विचार गोष्ठी में उनको स्वस्थ लोकतंत्र का नायक बताया।

सपा कार्यालय मुजफ्फरनगर पर आयोजित श्रधांजलि सभा की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी एडवोकेट व संचालन नगर महासचिव शलभ गुप्ता एडवोकेट ने किया जिलाध्यक्ष सपा प्रमोद त्यागी एडवोकेट ने कहा कि 70 के दशक की कांग्रेस की तानाशाही सरकार के स्थान पर स्वस्थ लोकतंत्र वाली गैर कांग्रेसी सरकार लाने के आंदोलन में लोकबंधु राजनारायण की भूमिका व संघर्ष की गाथा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके संघर्ष से डरी सरकार ने 80 बार जेल भेजा उनको आजाद भारत मे भी 14 साल जेल में काटने पड़े लेकिन भयविहीन नेता राजनारायण के आंदोलन के चलते उस वक्त की ताकतवर प्रधानमंत्री इंद्रा गांधी को चुनाव में पराजित कर गैर कांग्रेसी सरकार की शुरुआत कराई।

सपा जिला कोषाध्यक्ष सचिन अग्रवाल व सपा जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन ने कहा कि डा राममनोहर लोहिया को अपना नेता मानने वाले राजनारायण जी अपने संघर्ष के आगे बढ़ी ताकतों को पराजित कर देश मे स्वस्थ लोकतंत्र को लाने वाले नायक माने गए। विचार गोष्ठी को सपा युवजन सभा प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव जैन,युवजन सभा जिलाध्यक्ष फ़िरोज अंसारी,सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष डॉ इसरार अल्वी,सपा युवजन सभा प्रदेश सचिव अरशद मलिक,जिला सचिव सपा शहजाद मेम्बर,सपा नेता डॉ हनीफ अंसारी एफवोकेट,सपा युवजन सभा नगर अध्यक्ष पवन पाल,युवा सपा नेता सलमान त्यागी,नवेद रँगरेज आदि ने भी सम्बोधित किया।

वरिष्ठ सपा नेता गुफरान तेवड़ा,अनेश उपाध्याय,डॉ काज़ी खुर्रम,महक सिंह वाल्मीकि,जितेंद्र चौधरी,नोशाद रँगरेज,सादिक मंसूरी,मौ उस्मान,अहसान अंसारी,गुलफ़ाम अली सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा विधायक ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी

अविनाश त्यागी

नजीबाबाद। समाजवादी पार्टी के क्षेत्रीय विधायक हाजी तसलीम अहमद ने नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गूढ़ासराय, झक्काकी, परमावाला, रानीकोटा का दौरा कर ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही विधायक ने किसानों को केंद्र सरकार द्वारा पारित कृषि कानून से होने वाले नुकसान से भी अवगत कराया। विधायक ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर किसान आंदोलन के समर्थन में पार्टी द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तार से किसानों को बताया। ग्रामीणों ने विधायक को अपने क्षेत्र में पड़ने वाली प्रमुख समस्याएं गांगन नदी पर पुल न होने से नजीबाबादगूढ़ासराय व जोगीरम्पुरीनेकपुर मार्ग गांगन नदी में वर्षा ऋतु में उफान आने के कारण बंद होने जाने से इस मार्ग पर पड़ने वाले लगभग 35 गांवों का सम्पर्क पूरी तरह से टूट जाने की समस्या के हल की मांग की। ग्रामीणों ने गांगन नदी पर पुल निर्माण की मांग की। विधायक हाजी तसलीम अहमद ने ग्रामीणों की समस्या को सुनकर तत्काल अधिशासी अधिकारी लोक निर्माण विभाग नजीबाबाद को पुल निर्माण की प्रक्रिया पर कार्यवाही शुरू करने को कहा। इस पर अधिशासी अभियंता ने विभाग के संबंधित अवर अभियंता अजय कुमार व विनय कपिल को मौके पर विधायक प्रतिनिधि नितिन कश्यप के साथ भेजकर स्टीमेट बनाने की प्रक्रिया शुरू कराई। शीघ्र ही स्टीमेट शासन में भेजने की बात कही। विधायक हाजी तसलीम अहमद ने बताया कि वह जल्द ही शासन से पुल स्वीकृत कराने का प्रयास करेंगे। ग्राम गूढ़ासराय में ही स्थित गुरुद्वारे के ज्ञानी सरदार स्वर्ण सिंह ने गुरुद्वारे को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग के बदहाल होने की समस्या रखी। विधायक हाजी तसलीम अहमद ने लोक निर्माण विभाग से सड़क निर्माण की प्रक्रिया को शुरू करने को कहा। इस मौके पर सरदार शेर सिंह, अलीशेर, सरदार कुलदीप सिंह, अब्दुल सत्तार, शेर मोहम्मद, उमरदीन, सरफुद्दीन, अनवर खान मंसूब, जाहिद अंसारी, मरगूब अहमद, महताब अहमद, नईम मकरानी, मौ. सलमान आदि किसान उपस्थित रहे।

सपा व्यापार सभा के जिला सचिव बने नफीस अहमद

नजीबाबाद। समाजवादी पार्टी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष मौ. अतहर ने कस्बा जलालाबाद के मौहल्ला काजियान निवासी नफीस अहमद कस्सार को उनकी पार्टी के प्रति निष्ठा को देखते हुए उन्हें व्यापार सभा का जिला सचिव मनोनीत किया है। उन्होंने नफीस अहमद से पार्टी हित में कार्य करते हुए व्यापार सभा को मजबूत बनाने की अपील। नफीस अहमद के व्यापार सभा का जिला सचिव बनने पर युवा सपा नेता मौ. फुरकान खां, हाजी इनामुद्दीन, इंतजार सलमानी, मुबारिक अल्वी, सलीम सलमानी, शाकिर जैदी, पप्पू पंडित, दीपक जोशी, वकार शेख, अलीम खान, शाहनवाज शानू, रूहील जैदी, अशफाक अंसारी, हाजी जुल्फुक्कार, आसिफ राईन, आफताब राईन, इलियास कस्सार, शमशाद आदि ने हर्ष जताते हुए मुबारकबाद दी।

महान गज़लकार दुष्यंत त्यागी को दी श्रद्धांजलि

नजीबाबाद। आदर्शनगर में साहित्यकार अमन त्यागी के आवास पर हिन्दी कवि, कथाकार व गज़लकार दुष्यंत त्यागी की पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने दुष्यंत त्यागी की रचनाओं का उल्लेख करते हुए उन्हें महान कवि बताया तथा उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। अमन त्यागी ने कहा कि दुष्यंत त्यागी ने हिंदी में गजलों की एक अलग दुनिया बनाई। दुष्यंत कुमार की पुण्यतिथि पर वक्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शायर महेंद्र अश्क की अध्यक्षता एवं आलोक त्यागी के संचालन में कार्यक्रम में शिक्षक इंद्रदेव भारती, मनोज त्यागी, धनीराम, विरेन्द्र प्रजापति, गोविंद कुमार, बब्बन जैदी, अरुण चौधरी, रोहित कुमार, राजीव त्यागी, निर्भय त्यागी, तन्मय त्यागी, मनोज शर्मा, सुमंत कुमार आदि उपस्थित रहे।

एमसीएम में इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स पर व्याख्यान

विनोद कुमार, चंडीगढ़।

मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर वुमेन की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आइआइसी) ने आइडेंटीफाइंग इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एट अर्ली स्टेज ऑफ़ इनोवेशन शीर्षक पर एक ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का संचालन कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की इनोवेशन एम्बेस्डर (आईपीआर्स एन्ड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर), श्रीमती दिशा शर्मा ने किया।

इस आयोजन में 150 से अधिक छात्राओं एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया एवं सत्र को कॉलेज के यूट्यूब चैनल पर भी लाइव स्ट्रीम किया गया । सत्र में श्रीमती दिशा शर्मा ने प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के उपयोग एवं इसके लाभों से अवगत कराया जिसके अंतर्गत उन्होंने प्रतिभागियों से कॉपीराइट, ट्रेड सीक्रेट्स, पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन इत्यादि पर चर्चा की। उन्होंने प्रतिभागियों को व्यवहारिक ज्ञान देने हेतु कोका-कोला, मैकडॉनल्ड्स, प्यूमा जैसे बहुराष्ट्रीय संस्थानों के कुछ दिलचस्प उदाहरण भी दिए।

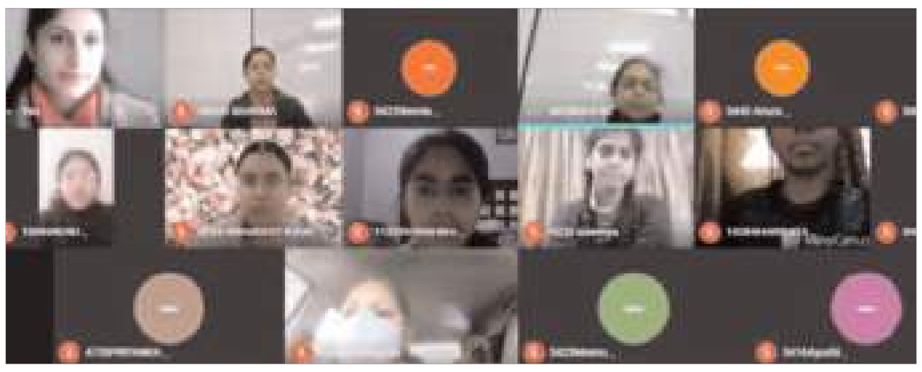

प्रतिभागियों के विचारों को जानने के लिए सत्र के दौरान लाइव मतदान भी किया गया। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने आइआइसी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के अलावा, ऐसे प्रयास विभिन्न संबंधित पहलुओं के बारे में प्रतिभागियों के मार्गदर्शन के लिए अत्यधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि नवाचार एक राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और इस दिशा में कॉलेज की आइआइसी का यह प्रयास प्रशंसनीय है।

विनोद कुमार, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल, सांसद श्री संजय भाटिया के मोबाइल ऑफिस का शुभारंभ करते हुए। इस मौके पर राज्यसभा सांसद श्री दुष्यंत गौतम भी उपस्थित रहे।

बाइक व मारुति वैन भिड़ंत में दो जने घायल एक गंभीर किया रेफर

मदरलैंड कठूमर अशोक भारद्वाज

कठूमर खेडली सड़क मार्ग पर ग्राम अरूर्वा के पास गुरुवार शाम को बाइक एवं मारुति वैन मैं आमने-सामने की टक्कर में दो जने घायल हो गए ।इनमें से एक को गंभीर अवस्था में अलवर रैफर कर दिया। कठूमर थाने के एएसआई बुधराम एवं एमटीओ ओमप्रकाश ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिली ग्राम अरूर्वा के पास एक्सीडेंट में दो घायल युवक सड़क पर पड़े हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को एंबुलेंस से कठूमर अस्पताल पहुंचाया। जिनमें 24 वर्षीय राजेंद्र पुत्र नंदू जाटव निवासी अरुर्वा को गंभीर अवस्था में अलवर रैफर कर दिया गया। और दुर्घटना में घायल अरूवा निवासी जयदेव पुत्र भगवान सिंह जाटव कठूमर अस्पताल में उपचार किया गया।

प्लाजा पर नए साल से नगद लेन देन बंद, फास्ट टेग से वसूला जाएगा टोल

मदरलैंड बहरोड मयंक जोशी

बहरोड़ । शाजाहापुर टोल मैनेजर जावेद ने बताया कि देश के सभी टोल प्लाजा पर 31 दिसंबर 2020 की आधी 12 बजे के बाद से नगद लेन देन बंद,अब फास्ट टेग से वसूला जाएगा टोल । इस दौरान वाहन चालकों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए शाजाहापुर टोल के सभी बूथों पर फ़ास्ट टेग मशीन लगाई गई है जिससे सभी तरह के वाहनों को किसी भी लाइन से निकालने में आसानी होगी। शाजाहापुर टोल पर सभी बैंकों के द्वारा फ़ास्ट टेग लगाने की सुविधा उपलब्ध की गई है । जिन वाहनों पर फ़ास्ट टेग नही होगा वो टोल पार नही कर पाएंगे । ये जानकारी भारत सरकार मंत्रालय द्वारा जनहित में जारी की गई ।

रायसिंहनगर में धानक मजदूर संघ ने कृषि अध्यादेश के विरोध में कार्य किया ठप

मदरलैंड रायसिंहनगर रामस्वरूप

रायसिंहनगर धानक मजदूर संघ ने केंद्र सरकार द्वारा ला गए तीन कृषि अध्यादेश के विरोध में किसानों द्वारा दिल्ली पड़ाव को लेकर बैठे किसानों के पक्ष में धान मंडी के सभी धानक मजदूरो का एक दिन के लिए कार्य ठप करने का निर्णय लिया धानक मजदूर संघ के अध्यक्ष मदन बांसोड़ ने बताया कि कृषि अध्यादेश के विरोध में जो हमारे किसान साथी आंदोलन कर रहे हैं उसको लेकर हम भी 1 दिन का कार्य बहिष्कार कर रहे हैं भारी संख्या में मजदूर शामिल हुए राजेंद्र कुमार धानक विनोद कुमार लक्ष्मण धानक वह अनेक मजदूर साथी साथ में थे

मूलन खारा ने पंजाब खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के निदेशक का पदभार संभाला

विनोद कुमार, चण्डीगढ़

पंजाब सरकार के उद्योग व कॉमर्स विभाग द्वारा जारी नोटिफिकेशन का पालन करते हुए आज मूलन खारा (जिला लुधियाना निवासी) ने पंजाब खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, से. 17, चण्डीगढ़ के निदेशक का पदभार संभाल लिया। इस अवसर पर पंजाब खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, चण्डीगढ़ के अधीक्षक देवेंदर सिंह व पीआरटीसी के निदेशक स. मंजीत सिंह आदि भी मौजूद रहे।

बलाई समाज का 8 वाँ प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

मदरलैंड लक्ष्मणगढ़ गिर्राज सोलंकी

लक्ष्मणगढ़ उपखंड मुख्यालय के अंतर्गत बड़ौदामेव कस्बे के समीपवर्ती बाबा रामदेव मन्दिर परता का बास में बलाई समाज का 8 वां प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामबाबू अंजली भारत गैस एजेंसी कठूमर रहे।अध्यक्षता बसन्ता राम द्वारा की गई विशिष्ट अतिथियो में सुमन रूपचंद सरपंच बड़ौदा मेव,जयसिंह पुर्व सरपंच निजामनगर,लक्ष्मण सिंह परता का बास गजेन्द्र सिंह सरपंच सैंथली अतिथि गन मौजूद रहे। कार्यक्रम में सभी अतिथि गणों का माला पहनाकर साफा बंधवा का स्वागत किया गया।कार्यक्रम के दौरान दसवीं 65त्र प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले बच्चों का 85 छात्र छात्राओ को स्मृति चिन्ह देकर सम्मनित किया गया व नवनियुक्त, सेवनिवृत, खेल खुद में उत्कृष्ट करने वालो को सम्मानित किया गया इसमे सुखराम, जगन प्रसाद, अजीराम व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे मंच संचालक शिवदयाल द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह हर युवा के रोल मॉडल: एनएसयुआई प्रधान अक्षय शर्मा

विनोद कुमार, चंडीगढ़

स्मार्ट कनेक्ट योजना को मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की ओर से अपने नेतृत्व और मार्गदर्शन से शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को सशक्त बनाने के लिए एक मील पत्थर करार देते हुए पंजाब के छात्र संगठन एनएसयूआई के अध्यक्ष अक्षय शर्मा ने कहा कि इस योजनां से पंजाब राज्य देश भर के अन्य राज्यों में अपनी पहली जैसी शान बनाने में फिर से आगे आएगा और पुरे देश का नेतृत्व करेगा। अक्षय शर्मा ने अपने बयान में कहा की मुख्या मंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह प्रगति और समग्र विकास के पथ पर पंजाब राज्य को आगे बढ़ाने के लिए वह हर पंजाबी युवा के रोल मॉडल हैं। उन्हने आगे कहा की एनएसयुआई का प्रत्येक सदस्य पंजाब सरकार की सभी उपलब्धियों और अन्य कार्यों को ज़मीनी स्तर पर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। आज अमृतसर से स्मार्ट कनेक्ट योजना के ऑनलाइन लॉन्च समारोह में शामिल होने पर एनएसयुआई पंजाब अध्यक्ष अक्षय शर्मा ने कोरोना महामारी के दौरान राज्य को अपनी सक्षम दिशा और नेतृत्व देने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। अक्षय शर्मा ने कहा कि कोरोना संकट से निपटने में पंजाब ने अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है और मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के मार्गदर्शन में पंजाब राज्य और भी ज़्यादा मजबूत और तरक्की करेगा। कोरोना काल के दौरान छात्रों को पढ़ाई के लिए अपने क्लासरूम शिक्षण में ब्रेक के कारण पेश आई कठिनाइयों को कम करने में हाई-टेक फोन से ऑनलाइन पढ़ाई से उनका नुकसान पूरा करने की कोशिश की जा रही है और छात्र अपने लक्ष्य को हासिल करने से पीछे नहीं हटेगें। इसके साथ ही अक्षय ने कहा कि पंजाब के कैप्टन सरकार राज्य सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह द्वारा चंडीगढ़-खरड़ ऐलीवेट्ड कोरीडोर पंजाब निवासियों को समर्पित

विनोद कुमार, खरड़ (मोहाली),

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने गुरूवार को चंडीगढ़-खरड़ ऐलीवेट्ड कोरीडोर नए साल के तोहफ़े के तौर पर राज्य निवासियों को समर्पित किया। यह कौरीडोर इस क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए नये रास्ते खोलेगा और इससे रास्ते पर लगने वाले ट्रैफिक़ जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कौरीडोर प्रोजैक्ट के शुरू होने से जो चंडीगढ़ के सैक्टर-39 के चौक से शुरू होकर खानपुर तक 10 किलोमीटर 185 मीटर लंबा है, इस क्षेत्र के लोगों की पुरानी माँग पूरी हो गई है। 28 दिसंबर को तीसरे फेज़ की शुरुआत के साथ यह प्रोजैक्ट 96 प्रतिशत पूरा हो गया, जबकि बाकी बचता हिस्सा (खानपुर में सडक़ का एक पक्ष) जनवरी 2021 के मध्य तक पूरा हो जायेगा।

इस मौके पर कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने शांतमयी ढंग से ज़मीन अधिग्रहण करने और ज़मीन मालिकों की फिर व्यवस्था पूरी करने के लिए सिविल प्रशासन को मुबारकबाद दी और तेज़ी से प्रोजैक्ट मुकम्मल करने के लिए राष्ट्रीय हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एन.एच.ए.आई.) की सराहना भी की। यह प्रोजैक्ट राज्य में पिछली अकाली-भाजपा सरकार के दौरान बनी रुकावटों के कारण काफ़ी लेट हो गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनकी सरकार ने कार्यकाल संभाला था तो उनकी सरकार को वैकल्पिक ट्रैफिक़ की असफलता, बिजली बोर्ड द्वारा हाई टेंशन तारों को न बदलना, ज़मीन मालिकों द्वारा अधिग्रहण की ज़मीन का मुआवज़ा न मिलने के कारण अधिग्रहण की गई ज़मीन को खाली न करना, कई अदालती केस और रोक के हुक्मों के रूप में पुरानी सरकार की नाकामियां विरासत में मिलीं।

कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा विभिन्न समस्याओं को हल करना शुरू किया गया, जिनमें बिजली बोर्ड द्वारा हाई टेन्शन तारों को बदलना, अधिग्रहण की गई ज़मीन के बदले मालिकों को 99 प्रतिशत मुआवज़ा देना यकीनी बनाना, अधिग्रहण किए 50 ढांचों को खाली करवाकर ढहाना शामिल था। उन्होंने कहा कि कुशल कानूनी टीम द्वारा कानूनी अड़चने दूर की गईं और रोक के हुक्म हटाए गए। इसके अलावा ट्रैफिक़ के वैकल्पिक प्रबंधों को यकीनी बनाने के लिए 8 मार्शलों के नेतृत्व अधीन विशेष पुलिस टीमें तैनात की गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड लॉकडाउन के दौरान काम जारी रखने के लिए जगहों पर मज़दूरों के लिए विशेष प्रबंध किए गए। ज़िक्रयोग्य है कि यह प्रोजैक्ट 9 जून 2016 को शुरू हुआ था और पहले पड़ाव में सैक्टर-39 चौक-वेरका चौक से बलौंगी अंडरपास लोगों के लिए 25 सितम्बर 2020 को खोला गया। इसी तरह दूसरे पड़ाव में लुधियाना की तरफ फ्लाईओवर (देसूमाजरा से खानपुर) 12 दिसंबर 2020 और तीसरे पड़ाव में दाऊन से देसूमाजरा तक 28 दिसंबर 2020 को शुरू हुआ है।

इसके बाद पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने इस राष्ट्रीय हाईवे प्रोजैक्ट को पंजाब में शुरू करने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का धन्यवाद किया। ऐसे ही अन्य राष्ट्रीय हाईवे प्रोजेक्टों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि कटरा-दिल्ली 16 गली एक्सप्रैसवे और अन्य कई प्रोजेक्टों पर काम चल रहा है, जिनकी ज़मीन अधिग्रहण करने का काम प्रगति अधीन है। उन्होंने यह भी बताया कि मोहाली जिले में लांडरा में प्रांतीय हाईवे प्रोजैक्ट के लिए 27 करोड़ रुपए मंज़ूर किए गए हैं।

इससे पहले स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू जो मोहाली से विधायक भी हैं, ने बोलते हुए कहा कि इस प्रोजैक्ट में अकेले स्तम्भों के सहारे 3.2 किलोमीटर लंबा छह मार्गी ऐलीवेट्ड कौरीडोर, तीन अंडरपास (बलौंगी, दाऊन और एयरपोर्ट रोड) और खानपुर में लुधियाना और रोपड़ रोड को जोड़ता हुआ एक बड़ा इंटरचेंज शामिल है। इस प्रोजैक्ट के साथ रोज़ाना बड़ी संख्या में जाने वाले राहगीरों को बड़ा फ़ायदा होगा। यहाँ लगते ट्रैफिक़ जाम ख़त्म होंगे, जो लोगों के लिए परेशानी और मुश्किल का कारण बनते थे। उन्होंने कहा कि जो लोग रोज़ाना ट्राईसिटी जाते हैं, उनको विशेष कर फ़ायदा होगा। इस मौके पर अन्यों के अलावा पूर्व मंत्री जगमोहन सिंह कंग, मार्केट कमेटी खरड़ के चेयरमैन हरकेश चंद शर्मा मछली कलाँ, आई.जी. रोपड़ रेंज अमित प्रसाद, ए.डी.सी. (जनरल) मोहाली आशिका जैन, एस.एस.पी. मोहाली सतीन्दर सिंह और एस.डी.एम. खरड़ हिमांशु जैन भी उपस्थित थे।

संपादकीय

वार्ता में फिर निराशा

किसान-सरकार के बीच सातवें दौर की वार्ता से भी समाधान नहीं निकलना निराशाजनक है। इस वार्ता से बहुत उम्मीदें जताई जा रही थीं। विज्ञान भवन में आयोजित वार्ता के बीच मंत्रियों ने भी किसानों के लंगर का आनंद लिया, लेकिन कुल मिलाकर समाधान नहीं निकला। अगली वार्ता शायद 4 जनवरी को होगी, तब तक किसानों का आंदोलन तय है। जब राष्ट्रीय राजधानी में तापमान दहाई के आंकड़े से भी नीचे चला जा रहा है, सूर्यदेव की गरमी भी फीकी लग रही है, तब किसानों का सड़कों पर बैठकर आंदोलन करना दुखद और अफसोसजनक है। हम प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसान आंदोलन का ऐसा इतिहास लिख रहे हैं, जो हमें आने वाले दशकों तक शायद अफसोस का एहसास कराता रहेगा। दस्तावेजों में यही लिखा जाएगा कि जब देश नए साल और नए दशक में जाने वाला था, तब किसान राष्ट्रीय राजधानी की सीमा पर सड़कों पर बैठे थे। बहरहाल, बुधवार की वार्ता में सरकार ने कृषि कानूनों पर विचार के लिए एक समिति बनाने का सुझाव रखा है। सरकार पराली और विद्युत संबंधी प्रावधानों व कानून में रियायत के लिए तैयार है। जबकि किसान किसी भी सूरत में तीनों कृषि कानूनों को हटाना चाहते हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के लिए अलग कानून चाहते हैं, लेकिन बुधवार की वार्ता में सरकार निजी क्षेत्र में यह आश्वासन देने के लिए तैयार नहीं दिखी। अब तो आंदोलन के दौरान काल के गाल में समाए किसानों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग भी जुड़ गई है और आंदोलन के दौरान दायर मुकदमे वापस लेने की मांग है ही।

हमें ध्यान रखना चाहिए, यह देश किसानों का है और इतिहास गवाह है, जब भी किसान एकजुट हुए हैं, सरकारों को झुकने के लिए मजबूर होना पड़ा है। देश के जिन राज्यों में किसान एकजुट नहीं हैं, वहां मंडी की व्यवस्था पहले ही समाप्त हो चुकी है। अब यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य का आश्वासन देती है, तो उसे देश के तमाम राज्यों में लागू करने की जरूरत पड़ेगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य को न केवल सरकारी मंडी, बल्कि निजी मंडियों के जरिए भी कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है? निजी व्यापारियों और निजी कंपनियों पर किसानों को भरोसा नहीं है, यह हम साफ देख रहे हैं। क्या हमारे देश में ऐसी कोई निजी कंपनी है, जो सामने आकर बोल सके कि हमने किसानों को यथोचित मूल्य दिया है? किसानों के बीच फैला असंतोष सिर्फ सरकार की ही चिंता नहीं है, निजी कंपनियों को भी अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। कृषि प्रधान देश में कृषि उत्पाद संबंधी निजी कंपनियों का रिकॉर्ड अच्छा होता, तो किसान क्यों सड़कों पर बैठते?

इसका कतई यह अर्थ नहीं कि किसानों को निजी कंपनियों को निशाना बनाना चाहिए। जिस तरह से पंजाब में असंख्य मोबाइल टॉवर को नुकसान पहुंचाया गया है, उसकी कोई प्रशंसा नहीं करेगा। बहरहाल, यह भविष्य के लिए संकेत है कि निजी कंपनियों को ज्यादा संवेदनशील होकर किसानों से व्यवहार करना चाहिए। हर जगह किसानों को दबाया नहीं जा सकता, पर किसान आंदोलन को रास्ता दिखाने की जो सियासी कोशिशें हो रही हैं, उसकी भी निंदा होनी चाहिए। किसान और सरकार, दोनों पक्षों को अपनी-अपनी बात पर अड़े रहने के बजाय बीच का रास्ता निकालना चाहिए और परस्पर विश्वास-सम्मान का भाव रखते हुए आरोप-प्रत्यारोप में शालीनता बरतनी चाहिए।

आकर्षक निवेश गंतव्य

दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम एशिया के उप-भाग में भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड़-19 के प्रकोप के बाद 'सबसे अधिक लचीली' साबित हो सकती है। यह निष्कर्ष निकाला गया है संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में। रिपोर्ट कहती है कि कोविड़-19 के बाद आर्थिक वृद्धि बेशक कम रहेगी लेकिन इसके सकारात्मक होने और भारत के बड़े बाजार के कारण भारत निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बना रहेगा। 'एशिया और प्रशांत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रुझान और परिदृश्य-2020-21' नाम से यह रिपोर्ट एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग ने जारी की है। दरअसल, अभी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा निर्माण क्षेत्र में ज्यादा आ रहा है। बहुराष्ट्रीय उद्यम सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं से संपन्न स्थानीय ड़िजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में निवेशकर रहे हैं। खास तौर पर ई-कॉमर्स में काफी अंतरराष्ट्रीय निवेश आया है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि 2025 तक सूचना प्रौद्योगिकी और व्यवसाय प्रबंधन, ड़िजिटल संचार सेवाओं और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण जैसे मुख्य ड़िजिटल क्षेत्र का आकार दोगुना हो सकता है। कोविड़-19 पर अंकुश के लिए लॉकड़ाउन की वजह से दुनिया के तमाम देशों की अर्थव्यवस्थाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, लेकिन भारत अपने तीन सकारात्मक पहलुओं के बल पर आर्थिक पुनरुत्थान के रास्ते पर आगे बढ़ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर ड़ी. सुब्बा के मुताबिक, ये तीन पहलू हैं-ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा, मजबूत संघवाद और विशाल उपभोग आधार। दरअसल, सबसे महद्मवपूर्ण बात यह है कि सरकार के समक्ष आगामी महीनों और वर्षों में आ सकने वाली चुनौतियां स्पष्ट है। चुनौतियां ये कि-अर्थव्यवस्था को मजबूत वृद्धि की राह पर लाना है; कि-सुनिश्चित करना है कि वृद्धि समावेशी हो; कि-कम आय वर्ग के परिवारों को भी तेज वृद्धि का लाभ मिले। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मनरेगा ने एक बार फिर अपनी सार्थकता साबित की है। इसकी जब ज्यादा जरूरत थी, तब इससे काफी मदद मिली। महामारी का प्रकोप शुरू होते ही सरकार ने महिलाओं, पेंशनभोगियों और किसानों के हाथ पैसा पहुंचाने की तत्परता दिखाई उससे भी आर्थिक गतिविधियां ज्यादा शिथिल नहीं पड़ने पाइफा सो, आगामी समय बेहतरी का संकेत दे रहा है।

कटाक्ष/ सहीराम

याद तो आएगा

वैसे तो यह नव वर्ष के स्वागत में नाचने गाने का दिन है, लेकिन दिल्ली की सीमाओं पर खुले आसमान के नीचे कड़कडवती ठंड में बैठे लाखों-लाख किसानों को अनदेखा कर नाचने-गाने वालों के लिए फिलहाल तो वही बात कही जा सकती है, जो इस गम भरी दुनिया में हंसने वाले के लिए कही जाती है कि या तो दीवाना हंसे या तू जिसे तौफीक दे। फिलहाल तो जाने वाले वर्ष को याद कर लें क्योंकि उसे विदाई देना भी तो बनता ही है। तो जी, वर्ष दो हजार बीस ट्वंटी-ट्वंटी की तरह तो याद नहीं आएगा। उस बिछड़ी प्रेमिका की तरह तो कतई याद नहीं आएगा कि जिसे याद कर फिल्मी हीरो अनायास गाने लगता है कि तुझे हम भुला ना पाएंगे। अलबत्ताग गब्बर सिंह स्टाइल में लोग दांत पीसते हुए यह जरूर कहते हुए मिल जाएंगे-तुझे तो मैं याद रखूंगा। एक दर्द भरी टीस है तो दूसरी प्रतिशोध की याद। हालांकि वक्त से कौन प्रतिशोध ले सकता है। खैरग यह साल याद तो बहुत आएगा। उस तरह नहीं जैसे उस वक्त को याद किया जाता है कि कभी हमारा देश सोने की चिडिव्या थाग बल्कि उस तरह याद किया जाएगा कि कभी हमारा देश गुलाम था।

मदरलैण्ड वॉइस

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, व सम्पादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा हैल्थ ऑफ भारत व दैनिक अमन प्रैस आर0 जैड0-138, रविनगर एक्सटेंशन, नियर पार्क हॉस्पिटल, न्यू दिल्ली-110018 से छपवाकर एस-503, स्कूल ब्लॉक, शक्करपुर दिल्ली-110092 से प्रकाशित किया। सभी प्रकार के विवादित समाचारों के विषय में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जायेगा। सभी समाचारों से संपादक की सहमति होना अनिवार्य नहीं है। सम्पादक : संजय कुमार उपाध्याय। मोबाईल नंबर 8700635881

RNI NO. DELHIN/2019/78266

बढ़ती ताकत से उभरता भारत

वी पी मलिक

इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था, विज्ञान-तकनीक, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावित करने की उसकी क्षमता और सुरक्षा व क्षेत्रीय अखंडता को सुनिश्चित करने की उसकी ताकत लगातार बढ़ी है। देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर बेशक 2019 में 5.02 फीसदी हो गई, मगर आज भी जीडीपी का करीब 10 फीसदी हिस्सा हम सामाजिक-आर्थिक पैकेज के तौर पर जरूरतमंदों के ऊपर खर्च करते हैं। भारत नियमित रूप से अंतरिक्ष अभियानों को अंजाम दे रहा है, और दक्षेस व तमाम देशों के लिए न सिर्फ उपग्रह लॉन्च कर रहा है, बल्कि उन्हें अपनी अंतरिक्ष सुविधाओं से फायदा भी पहुंचा रहा है। इससे हमारी आमदनी भी बढ़ी है। तकनीक और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तो 'ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स' के शीर्ष 50 देशों में हम पहली बार शामिल हुए हैं।

इन सबमें रक्षा क्षेत्र की तरक्की का जिक्र खास है। रक्षा खर्च के मामले में तीसरा बड़ा देश और सशस्त्र बल के मामले में चौथा बड़ा मुल्क भारत एक प्रमुख क्षेत्रीय ताकत, परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र, एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति और एक संभावित महाशक्ति है। 14 लाख से अधिक स्वैच्छिक और सक्रिय सैनिकों की तादाद के साथ यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य बल भी है। ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट, 2020 के मुताबिक, भारत के पास विश्व की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। कारगिल युद्ध में सेना की कमान संभालने के दौरान मुझे यह एहसास हुआ था कि हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारे सैनिकों और उनके नेतृत्व की बहादुरी, समर्पण और देशभक्ति है। परमाणु ताकत से संपन्न हमारा सशस्त्र बल लगातार आधुनिक बन रहा है।

> इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था, विज्ञान-तकनीक, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावित करने की उसकी क्षमता और सुरक्षा व क्षेत्रीय अखंडता को सुनिश्चित करने की उसकी ताकत लगातार बढ़ी है।

इस साल हमने देखा है कि किस तरह रणनीतिक मामलों में हमारी राजनीतिक इच्छाशक्ति बदली है, ताकि विरोधी ताकतों से कहीं मजबूती से मुकाबला किया जा सके। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट हवाई अभियान और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी अभियानों में उल्लेखनीय सफलता इसका स्पष्ट प्रमाण है। भारत-चीन सीमा पर डोका ला और अब पूर्वी लद्दाख में भी हम इस रणनीतिक बदलाव को महसूस कर रहे हैं। इतना ही नहीं, भारत ने ऐसे अभियान की शुरुआत की है, ताकि रक्षा उपकरणों को देश में ही बनाया जा सके और इनके आयात पर हमारी निर्भरता कम हो। उल्लेखनीय है, रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े आयातक देशों में एक भारत भी है। भारत क्षेत्रफल के आधार पर दुनिया का सातवां सबसे बड़ा देश है। भू-रणनीतिक रूप से यह दक्षिण एशिया और हिंद महासागर के आसपास के इलाकों में प्रभावी भूमिका में है। इसकी ताकत यहां की संसद, न्यायपालिका, चुनाव आयोग, मीडिया और सशस्त्र बल हैं। प्राचीन संस्कृति, पर्याप्त मात्रा में प्रतिभाशाली मानव संसाधन और विशाल प्राकृतिक संसाधन भी इसे खासा मजबूत बनाते हैं। ऐसे में, स्वाभाविक रूप से कुछ देशों की नजरों में हम चढ़े हुए हैं। चीन और पाकिस्तान ऐसे ही देश हैं, जो बार-बार हमारी राहों में मुश्किलें खड़ी करने की कोशिश करते रहते हैं। साल 2019 को तो चीनी आक्रामकता और भारत की दृढ़ता के लिए विशेष रूप से याद किया जाएगा। केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि गुजर रहे पूरे दशक में ये दोनों राष्ट्र हमारी चिंता के कारण रहे हैं। अब जब यह

साल और दशक बदल रहा है, तब देश के आम लोगों के मन में यही सवाल है, क्या अगले दशक में भी हमें इनसे समान चुनौतियां मिलती रहेंगी?

मेरा मानना है कि अगले साल भी दोनों राष्ट्रों के साथ हमारी लंबी और विवादित सीमा, दोनों देशों की नीतियां चुनौती बनी रहेंगी। इसका अर्थ है, पाकिस्तान की जेहादी आतंकवादी नीतियां और चीन द्वारा भारतीय सीमा पर व हिंद महासागर में अपनाई जा रही विस्तारवादी नीतियां हमारे लिए मुश्किलें पेश करती रहेंगी। हालांकि, आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर भी हमें पूरा ध्यान देना होगा। देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग मत के राजनीतिक, अलगाववादी और राष्ट्र-विरोधी तत्व बड़ी समस्या बनते जा रहे हैं।

जाहिर है, हमें सुरक्षा के मोर्चे पर खुद को और अधिक मजबूत बनाना होगा। अपनी रक्षा योजना में भी सुधार करना होगा। रक्षा क्षमताओं में बेहतरी के लिए हमें दीर्घकालिक प्रयास भी लगातार करने होंगे। ऐसा नहीं हो सकता कि जब हमारे सामने मुश्किलें आएं, तभी हम उनके समाधान की कोशिश करें। हमारा रक्षा आवंटन बहुत कम प्रतीत होता है, खासकर भविष्य की चुनौतियों के मद्देनजर। लिहाजा हमें अपनी रक्षा जरूरतों पर कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन फीसदी हिस्सा खर्च करना चाहिए। यह देखना सुखद है कि सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ाए हैं, मगर इसे और गति देने की आवश्यकता है।

वैसे, इस दौर में कुछ सबक हम देशवासियों को भी सीखना चाहिए। राष्ट्र के साथ-साथ निजी विकास को लेकर भी काफी काम किए जाने की जरूरत है। हमें जो सीखने की जरूरत है, वह है अनुशासन, सकारात्मक सोच, कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ काम करने की इच्छाशक्ति। इसमें देश के नौजवानों से ढेर सारी उम्मीदें हैं। उन्हें एकजुटता दिखानी चाहिए और दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराना चाहिए।

कुछ प्रयास देशभक्ति बढ़ाने के भी होने चाहिए। 'वोट बैंक की राजनीति' हमारे समाज व मुल्क को न जाने किन-किन रूपों में बांटती रही है। हमारे सियासी रणनीतिकार 'सोशल इंजीनियरिंग' की दुहाई देते हैं। इसके बरअक्स, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विकास पर कम ध्यान दिया जाता है। इसमें संतुलन आवश्यक है। हमारे बच्चों और नौजवानों में राष्ट्रवाद की भावना बढ़ानी होगी और उन्हें राष्ट्र निर्माण के महत्व से परिचय करवाना होगा। एनसीईआरटी की किताबें व छात्र-छात्राओं के लिए राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम हमारी स्कूली और कॉलेज शिक्षा को इस दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। एनसीसी और इसकी जैसी अन्य इकाइयां इसमें बहुत उपयोगी भूमिका निभा सकती हैं। इनको और प्रोत्साहित करने की जरूरत है। आगामी दशक में देश को सशक्त बनाने के लिए हमें राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीकों, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय उपलब्धियों को अधिक महत्व देना चाहिए। धार्मिक व क्षेत्रीय आयोजनों की तुलना में राष्ट्रीय कार्यक्रमों को अधिक प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर इन सभी उपायों को हमने अपनी नीतियों में जगह दी, तो निश्चय ही आने वाले समय में हम कहीं अधिक मजबूती से विश्व मंच पर आसीन हो सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

एयर इंडिया व बीपीसीएल

निजीकरण की ओर निर्णायक कदम

सुषमा रामचंद्रन

आखिरकार कुछ गलत शुरुआत के बाद लगता है कि एयर इंडिया को बेचने का काम सही दिशा में और सचमुच पूरा होने को है। मोदी सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बेचने का यह कोई पहला उदाहरण नहीं है, किंतु एयर इंडिया सबसे नामचीन सरकारी कंपनी है। इसके अलावा तेल शोधन और विक्रेता कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की बिक्री का कार्य भी परिणति की ओर बढ़ गया है। परंतु पिछले सालों में जिस प्रकार मोदी सरकार ने अनेक मर्तबा सरकारी कंपनियों को बेचने की मंशा जाहिर की है, उसके तहत यह तो आरंभिक कदम है।

सनद रहे, वाजपेयी सरकार ने निजीकरण का जो दौर शुरू किया था, उसकी बराबरी करने में उनके बाद आई कोई सरकार, यहां तक कि मौजूदा मोदी प्रशासन भी, कहीं आसपास नहीं ठहरते। आर्थिक सुधारों के पुरोधा डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बावजूद यूपीए सरकार ने विनिवेश के काम पर रोक लगा दी थी। वाजपेयी के वक्त भी अरुण जेतली देश के पहले विनिवेश मंत्री बने थे, हालांकि यह उनके बाद आए अरुण शौरी ही थे, जिन्होंने दरअसल कई कंपनियों के निजीकरण का काम सिरे चढ़ाया था। यह अपेक्षाएं तब और भी बढ़ गईं, जब प्रधानमंत्री मोदी ने कई साक्षातकारों में कहा था : 'काम-धंधा करना सरकार का व्यवसाय नहीं है।'

हालांकि मोदी सरकार ने हाल तक विनिवेश के सालाना ध्येय की पूर्ति हेतु केवल कुछ कंपनियों में अपनी छुटपुट हिस्सेदारी बेचकर काम चलाया है। यूपीए सरकार ने भी अपने वक्त में वित्तीय स्रोत जुटाने वाले लघु कालीन ध्येय प्राप्ति की खातिर कई सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अपनी हिस्सेदारी कम की थी। पर एनडीए सरकार ने एक कदम आगे जाकर मुनाफा कमाने वाली एक सरकारी कंपनी से दूसरे सरकारी उपक्रम के शेयर खरीदवाए।

उदाहरणार्थ ओएनजीसी को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 36,015 करोड़ मूल्य के शेयर खरीदने को कहा गया। परंतु एक भी सरकारी कंपनी का पूरी तरह निजीकरण मोदी के कार्यकाल में अब तक नहीं हो पाया था। यह उन लोगों के लिए मायूसी का बायस था जो मौजूदा सरकार से बड़े स्तर के आर्थिक सुधारों की आस लगाए बैठे थे, क्योंकि संसद में भारी बहुमत की वजह से यह कर पाना बहुत सहज है।

लेकिन अब इस परिदृश्य में बदलाव हो सकता है क्योंकि एयर इंडिया और बीपीसीएल की बिक्री बस होने को है और यह घाटे में चल रही अन्य कई सरकारी कंपनियों से छुटकारा पाने की दिशा में पहला कदम हो सकता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मार्च 2019 तक ऐसी कंपनियों का कुल घाटा लगभग 31000 करोड़ छू गया था। 23 ऐसी कंपनियों की बिक्री को कैबिनेट ने इस साल के शुरू में हरी झंडी दिखा दी थी। इसमें स्कूटर इंडिया जैसे निष्क्रिय पड़े उपक्रम भी शामिल हैं, जिन्हें बेचने की सिफारिश राजीव गांधी सरकार के वक्त भी हो चुकी थी।

सवाल यह है कि इन कंपनियों का वजूद इतने लंबे समय तक आखिर रह कैसे पाया? नि:संदेह यह एक महत्वपूर्ण पहलू है, किंतु निजीकरण की राह में इस विषय पर पार पाना ही होगा। हालांकि इस समस्या का समाधान उन्हें सामाजिक सुरक्षा, मसलन, व्यावहारिक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजनाएं इत्यादि देकर किया जा सकता है। उदाहरणार्थ बीएसएनएल कर्मियों को दिया गया पैकेज इतना सफल रहा है कि वहां अनुपादक श्रेणी में आने वाले कर्मियों की संख्या में बहुत कमी आई है, जिससे कंपनी को पुनर्जीवित करना आसान हो पाएगा। एयर इंडिया और बीपीसीएल कर्मियों के मुद्दे को अलहदा तरीकों से निपटना पड़ेगा क्योंकि दोनों की परिस्थिति बिल्कुल विपरीत है। जहां एयर इंडिया पर 60000 करोड़ का कर्ज है, वहीं बीपीसीएल मुनाफा बनाने वाला उपक्रम है, जिसके पास तेल संबंधी बाजार के 22 फीसदी शेयर हैं। पर एयर इंडिया की बिक्री को विगत में नजरअंदाज किया जाता रहा है क्योंकि एक राष्ट्रीय वायुसेवा कंपनी को निजी हाथों में बेचने का मतलब है, देश की साख को बट्टा लगना। सनद रहे कि 'मुकुट में जड़ी इस मणि' को बेचने का काम वर्ष 2018 में विफल हो चुका है। मौजूदा सरकार भविष्य में पेट्रोलियम की खपत और मांग नीचे की ओर ले जाने के मद्देनजर सरकारी तेल कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी धीरे-धीरे कम करना चाहती है। पर्यावरण बदलाव का मुद्दा और इसके बचाव की खातिर वाहनों को बैटरी-व्हीकल में तबदील करने की जरूरतों ने पहले ही पेट्रोलियम की भावी मांग पर सवाल खड़े कर रखे हैं। मौजूदा वित्तीय वर्ष में एयर इंडिया और बीपीसीएल की बिक्री होने से सरकार को 2020-21 अवधि में 2.1 लाख करोड़ रुपये प्राप्ति का ध्येय पाने में मदद मिलेगी। परंतु सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि एनडीए सरकार अंतत: सार्वजनिक उपक्रमों के चिरपरीक्षित निजीकरण की ओर चल निकली है। इस देरी में एक बड़ा अवयव आरएसएस संबंधित राष्ट्रीय कर्मचारी संघ का प्रतिरोध भी था, जो निजीकरण योजना के सख्त खिलाफ था परंतु राजनीतिक दबावों को दरकिनार करते हुए आर्थिक सुधार लागू करने ही होंगे।

ऑनलाइन शिक्षा

बच्चों और शिक्षकों की व्यथा

अमिताभ श्रीवास्तव

क्या चार साल के एक बच्चे को पढ़ाना चाहिए कि मूली या प्याज या आलू जमीन के अंदर उगते हैं, या ऊपर। तो बहुत से लोगों को इस तरह का ज्ञान बांटना फालतू लगता होगा। लेकिन मैं उनसे थोड़ा अलग विचार रखता हूं क्योंकि जब बचपन में चंदामामा में राजकुमार सिद्धार्थ (जो बाद में महात्मा बुद्ध हुए) की कहानी पढ़ रहा था तो उसमें यह पढ़ कर बड़ी हंसी आई थी कि जब उनसे पूछा गया कि चावल कहां से आते हैं, तो उन्होंने कहा 'थाली से'। लेकिन बस। इससे ज्यादा नहीं। इतने छोटे बच्चों को यह सिखाना कि बैगन या आलू से क्या-क्या व्यंजन बन सकते हैं, और उन्हें कैसे काटा जाता है तो बंदर के हाथ में उस्तरा देने जैसा खतरनाक है। क्या हम अपने नौनिहालों से अब रसोई में जाकर गैस जलाने और चाय बनाने को कहेंगे क्योंकि लॉकडाउन में स्कूल बंद हैं?

लेकिन यह हो रहा है और हम सबके घरों में हो रहा है क्योंकि स्कूल वालों से पंगा लेने की किसी में हिम्मत नहीं है। पता नहीं कि वो हमारे बच्चे को क्या रैंकिंग दे दें। हमारी बेटी, पोती या नाती को श्रीमती गुप्ता या श्री मिश्रा की लड़की से कम नम्बर मिल गए तो। कितनी इंसल्ट हो जाएगी। बात में दम तो है। हमारे समय तो मैट्रिक के बाद भी पिताजी सबके सामने दो झापड़ भी लगा देते थे और रोने पर एक और पड़ता था। पर ये बच्चे! बाप रे बाप! उनकी सहेलियों या दोस्तों के सामने किसी बात के लिए मना भी कर दिया तो बगावत। खैर, बात हो रही है ऑनलाइन पढ़ाई की जो कोरोना के कारण पिछले कुछ महीनों से छोटे बच्चों के लिए जी का जंजाल बनी हुई है। पांच साल से छोटे बच्चों, जो मार्च से स्कूल नहीं गए, अपनी टीचर की शक्ल नहीं देखी, अपनी क्लास के बच्चों से नहीं मिले हैं, से उम्मीद करना कि टीचर को फोन या लैपटॉप पर देख कर उनके हर सवाल का सही जवाब देंगे तो यह सदी का सबसे बड़ा अत्याचार होगा।

मैं कुछ बच्चों को जानता हूं जो ऑनलाइन पढ़ाई की वजह से आत्मविश्वास पूरी तरह खो चुके हैं। कुछ बच्चे, जिन्होंने अभी-अभी बोलना शुरू किया था, अब तुतलाने लगे हैं और 40 मिनट स्क्रीन के सामने एक अनजान टीचर के सामने बैठने को राजी नहीं हैं। कुछ अभिभावकों ने इस प्रथा को बंद करने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया लेकिन इस पर ज्यादा समर्थन नहीं मिल पाया क्योंकि ज्यादातर लोगों को मालूम है कि स्कूल में एडमिशन एवरेस्ट की चढ़ाई से कहीं अधिक कष्टदायक है। बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधेगा? ऐसा नहीं है कि ये सिर्फ बच्चों के लिए दुख भरे दिन हैं। टीचरों की हालत तो और बुरी है। उन्होंने बच्चे को संतरा दिखा कर पूछा कि यह क्या है, और वो बड़े विश्वास से कह देता है कि आलू, तो वो गुस्से में चिल्ला नहीं सकती और अपने पूरे मेकअप की मर्यादा रखते हुए मुस्कुरा कर कहना पड़ता है, 'गलत जवाब |बेटा ये संतरा है, ऑरेंज, यू नो'। वो भी मजबूर हैं। उनकी सेलरी वैसे ही कम हो गई है, और अगर ऑनलाइन क्लास नहीं हुई तो वो भी खत्म। इसलिए वो भी छोटे-छोटे बच्चों से रोज 40 मिनट तक उनसे बात करने के नये-नये फॉर्मूला ईजाद करती रहती हैं। जब तक दवाई नहीं तब तक ढिलाई नहीं।

दिक्कत यह है कि ऑनलाइन पढ़ाई से सिर्फ छोटे बच्चों का ही नहीं, बड़ी क्लास के बच्चों को भी विशेष फायदा नहीं हो रहा। उनकी दिन में तीन या चार बार क्लास तो होती हैं, लेकिन सिर्फ एकतरफा, जहां बच्चे कहीं भी बैठ कर या सोते हुए भी क्लास अटेंड कर लेते हैं। पता नहीं कि स्कूल वालों ने अपने आप यह फैसला किया या शिक्षा मंत्रालय के आदेश पर। ऑनलाइन क्लासें कभी दिन को होती हैं, कभी रात के 8 बजे। इससे छात्र और टीचर, दोनों परेशान हैं। यह अलग बात है कि इनसे उनको फायदा हो रहा है या नहीं, इसको चेक करने का कोई मापदंड नहीं बनाया गया है।

असल में सरकार खुद नहीं समझ पा रही है कि वो वचरुअल या ऑनलाइन पढ़ाई को कितनी अहमियत देती है। भारत में या शायद दुनिया में पहली बार इस तरह के हालात बने हैं कि इतने दिनों तक लॉकडाउन चला है। एक तरफ तो मिलने-जुलने से बीमारी फैलने का खतरा है और दूसरी ओर सरकार मानने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं है कि ऑनलाइन परीक्षा से भी छात्रों की योग्यता की जांच हो सकती है। महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्य बोर्ड परीक्षा ऑनलाइन करना चाहते हैं लेकिन केंद्र सरकार और कोर्ट को यह स्वीकार नहीं है। नीट की परीक्षा के मामले में एक बड़ा वर्ग परीक्षा को आगे बढ़ाने के पक्ष में था लेकिन सरकार ने अभ्यर्थियों को बुला उनकी परीक्षा ले कर रिजल्ट भी निकाल दिए। अब वह 31 दिसम्बर को सीबीएसई के बोर्ड की परीक्षा की घोषणा संबंधी तारीख का छात्रों को इंतजार है, और यह परीक्षा ऑनलाइन नहीं होगी।

पीएम इमरान खान की मूर्खता से मोदी की गोद में गया कश्मीर : मरियम नवाज

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी पीएम इमरान खान से विपक्षी पार्टियां खासी नाराज है और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज शरीफ ने तो कश्मीर में पाकिस्तान की करारी पराजय को लेकर पीएम इमरान खान नियाजी पर जोरदार हमला बोला है। मरियम ने कहा कि इमरान की मूर्खता और उनकी अक्षमता की वजह से कश्मीर नरेंद्र मोदी की गोद में चला गया। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान कश्मीर पर अपना दावा खोता है तो उससे पूरा देश जख्मी हो जाएगा। मरियम नवाज ने कहा कि इमरान खान अक्सर कहते हैं कि नवाज शरीफ मोदी का यार है लेकिन खुद उन्होंने कश्मीर को भारतीय प्रधानमंत्री के हाथों में गंवा दिया। मरियम ने कहा, %जब देश में कमजोर प्रधानमंत्री होता है जो जनता के समर्थन और वोट से नहीं आया होता है और जब सरकार कमजोर होती है तब भारत जैसे शत्रु इस तरह का हमला करते हैं।% उन्होंने कहा कि यह इमरान खान की मूर्खता और अक्षमता थी कि कश्मीर नरेंद्र मोदी की गोद में चला गया।

मरियम ने कहा, %जब नवाज शरीफ जैसी सरकार होती है तो मोदी को खुद ही चलना पड़ता है और पाकिस्तान आना पड़ता है। यह एक वास्तविक प्रधानमंत्री और फर्जी प्रधानमंत्री में अंतर है। इस वजह से वोट को सम्मान देने की जरूरत है।% मरियम नवाज ने इमरान खान पर कश्मीर का सौदा करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सेना की कथित आलोचना पर केस दर्ज किए जा रहे हैं, जबकि खुद इमरान खान ने कई बार सेना की आलोचना की है। पीएमएल एन नेता ने कहा कि उनकी पार्टी इमरान खान के पुराने बयानों के आधार पर उनके खिलाफ पाकिस्तानी सेना की आलोचना करने के लिए केस दर्ज कराएगी। इससे पहले मरियम ने पीडीएम की रैली में सेना पर भी सियाचीन और कश्मीर में मिली हार को लेकर जमकर बखिया उधेड़ी थी। उन्होंने कहा कि देश में जब राजनीतिक दलों ने अपने वादों को पूरा करना शुरू कर दिया तो कुछ ताकतें (पाकिस्तानी सेना और आईएसआई) जो फूट डाल राज करो के लिए बदनाम थी, वो बेचैन होने लगीं।

मरियम ने कहा कि तब हमने देखा कि आईएसआई के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शुजा ने राजनीतिक कचरों को इकट्ठा करके पाकिस्तान तहरीक एक इंसाफ (इमरान खान की पार्टी) की स्थापना की। जब देश में राजनेताओं को मौत की सजा दी जाने लगी और उनके चरित्र के ऊपर सवाल उठाए जाने लगे, तब कुछ लोग देश और संविधान को तोड़ने, सियाचिन और कश्मीर को खोने, राजनीति में हस्तक्षेप करने की शपथ का उल्लंघन करते हुए इससे भी कई गंभीर अपराध किए। उन लोगों को आज तक इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया। मरियम के इस बयान के बाद बचाव में उतरे इमरान सरकार के मंत्री विपक्षी दलों को देशद्रोही तक करार दे रहे हैं। पाकिस्तान के बड़बोले मंत्री शेख रशीद ने इमरान की भाषा बोलते हुए विपक्ष खासकर नवाज शरीफ को पूर्व तानाशाह जनरल जियाउल हक के जूतों को पॉलिश करने वाला बता दिया। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना पहले न तो कभी देश की राजनीति में शामिल रही है और न भविष्य में कभी होगी। हालांकि, दलबदल से पहले विपक्ष में रहते हुए शेख रशीद खुद पाकिस्तानी सेना की आलोचना किया करते थे।

भारत के ब्रिटेन से हवाई यात्रा के रोक बढ़ाने पर भारतीय छात्रों ने आपात यात्रा के लिए लगाई गुहार

लंदन। ब्रिटेन में महामारी कोरोना के नए स्वरूप के सामने आने के बाद इसके संक्रमण को लेकर भारत ने वहां से हवाई यात्रा पर लगाए गए प्रतिबंध को बढ़ा दिया है। इसके बाद ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के समूहों ने भारत सरकार से गुहार लगाई कि वो अपवाद संबंधी मामलों में आपातकालीन यात्रा के विकल्प पर विचार करे। केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय द्वारा उड़ानों पर लगे प्रतिबंध को एक हफ्ता और बढ़ाकर सात जनवरी तक किये जाने की घोषणा के बाद समूहों ने आपात दखल की मांग की। इन समूहों से कुछ व्यक्तियों ने संपर्क किया था, जिन्हें पारिवारिक संकट या परिवार में किसी के निधन की वजह से भारत पहुंचना है।

ब्रिटेन में भारतीय छात्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले समूह नेशनल इंडियन स्टूडेंट एंड एल्यूमनाई यूनियन यूके (एनआईएसएयूयूके) की अध्यक्ष सनम अरोड़ा ने कहा, %मुझे उम्मीद है कि इस बार परिवार के किसी सदस्य के गंभीर रूप से बीमार होने या हाल में गुजरने पर आपातकालीन यात्रा प्रबंध होंगे। मैंने खुद उन लोगों का दर्द सामने देखा है जो प्रतिबंध की वजह से यात्रा नहीं कर पाएजिनमें से एक पिछले हफ्ते ही लागू हुआ है।% विदेश मंत्रालय और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों से ट्विटर पर किये गए अनुरोध में एक प्रभावित छात्रा नेतल ने कहा, %मुझे ब्रिटेन से भारत की उड़ान के लिये नितांत आवश्यकता है। मेरी मां गंभीर रूप से बीमार हैं और मेरे लिये बेंगलुरु की उड़ान लेना अनिवार्य है।% उसने कहा, %एमईए भारत से अतिशीघ्र मदद का अनुरोध। नियमों के कुछ अपवाद भी होने चाहिए।% एनआईएसएयूयूके ने नए साल पर शैक्षणिक सत्र शुरू करने की तैयारी कर रहे भारतीय छात्रों के लिये एक परामर्श जारी किया है और पुष्टि की कि ब्रिटेन के गृह विभाग के नियमों के मुताबिक नए स्नातकों या अध्ययन के बाद काम के वीजा को लेकर उनके आवेदन पर इसका कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अमेरिका से भारत की निकटता के बीच पुतिन का बोले- नए साल में दिल्ली से बढ़ाएंगे द्विपक्षीय सहयोग

मॉस्को। भारत के अमेरिका के साथ बढ़ते संबंधों को लेकर रूस के साथ रिश्तों में अनबन की अटकलों के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की वकालत की है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगले साल रूस और भारत क्षेत्रीय एवं वैश्विक एजेंडों से संबंधित सामयिक मुद्दों के समाधान के प्रयासों के साथसाथ रचनात्मक द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य जारी रखेंगे। पुतिन ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने क्रिसमस एवं नववर्ष शुभकामना संदेश में कहा कि रूस और भारत विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के संबंधों से जुड़े हैं जो कोरोना वायरस महामारी समेत इस साल की परेशानियों एवं समस्याओं के बावजूद पूरे विश्वास के साथ प्रगति कर रहे हैं। क्रेमलिन की ओर से जारी बयान के मुताबिक, राष्ट्रपति पुतिन ने जोर देकर कहा कि दोनों देश एक व्यापक राजनीतिक संवाद बरकरार रखते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के पक्षधर हैं। कुछ दिनों पहले भारत रूस शिखर सम्मेलन की तारीख को आगे बढ़ाए जाने पर कई सवाल उठाए गए थे।

कई रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अमेरिका से नजदीकी के कारण भारत अब रूस को कम महत्व दे रहा है। साल 2000 के बाद यह पहला मौका है जब भारत और रूस के बीच शिखर सम्मेलन को टाला गया है। हालांकि भारत के विदेश मंत्रालय और दिल्ली में रूसी राजदूत ने इन रिपोर्ट्स का खंडन करते हुए कहा था कि कोरोना वायरस के कारण इस सम्मेलन को टाला गया है। रूस और भारत केवल सहयोगी नहीं, बल्कि उनका संबंध गठबंधन से भी कहीं आगे है। दोनों देश पड़ोसी नहीं हैं और अतीत में उनके हितों के बड़े टकराव नहीं हुए हैं। हाल के समय में मॉस्को और नई दिल्ली के बीच रणनीतिक संबंध भी स्थिर रहे हैं। भारतरूस संबंध विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त सामरिक भागीदारी में से एक है। दोनों देशों में नेतृत्व परिवर्तन ने भी कभी भी उनके करीबी संबंधों को प्रभावित नहीं किया। पिछले 20 साल से लगातार सालाना होने वाली रूस भारत शिखर सम्मेलन इस सौहार्द का प्रमाण हैं।

यमन की नई सरकार का एयरपोर्ट पर मिसाइल हमले से स्वागत, 26 लोगों की जान गई

अदन। अस्थिरता और गृहयुद्ध से जूझ रहे यमन के अदन हवाई अड्डे पर हुए मिसाइल हमले में 26 लोगों की जान चली गई है और 50 से ज्यादा लो घायल हुए हैं। यह हमला उस समय हुआ जब सऊदी अरब समर्थित गठबंधन सरकार के नेता एयरपोर्ट पर अपने हवाई जहाज से उतर रहे थे। सभी नेता सऊदी अरब सरकार से बातचीत करके लौट रहे थे। यमन और सऊदी अरब ने इस जोरदार हमले के लिए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। उधर, हूती विद्रोहियों ने इस हमले का खंडन किया है। इस विस्फोट का लाइव वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन से पिछले कई साल से लड़ रहे हूती विद्रोहियों के पास अब बेहद घातक हथियार, मिसाइलें और आत्मघाती ड्रोन आ गए हैं। इससे पहले इस गृहयुद्ध में शामिल एक धड़े ने अदन शहर में अपने शासन की घोषणा कर दी थी। यह संगठन दक्षिणी यमन में स्वायत्तता देने की मांग कर रहा है।

दिसंबर की शुरुआत में सऊदी अरब ने ऐलान किया था कि उसने इस ग्रुप टीएसटीसी और राष्ट्रपति अब्दरब्बूह मंसूर हादी के बीच समझौता कराया है। ताजा हमले के समय बड़ी संख्या में लोग कैबिनेट के अधिकारियों के आने का वीडियो बना रहे थे। बताया जा रहा है कि विमान में प्रधानमंत्री मइन अब्दुलमलिक और यमन में सऊदी अरब के राजदूत अल जबेर भी मौजूद थे। शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया कि अदर एयर पोर्ट के पास हुए इस हमले में मोर्टार, रॉकेट या ड्रोन या इन सभी का इस्तेमाल किया गया है। वीडियो में भी नजर आ रहा है कि एक के बाद एक कई विस्फोट हुए। एक मिसाइल ने पक्की सड़क को निशाना बनाया। हमले के दौरान गोलीबारी की भी आवाज सुनी गई। वीडियो में नजर आ रहा है कि इस हमले में के बाद जो अधिकारी हवाई जहाज से उतर रहे थे, वे फिर से विमान में दौड़कर चले गए। बताया जा रहा है कि इस हमले में यमन के सभी अधिकारी और सऊदी राजदूत सुरक्षित बच निकले। सुरक्षा के लिए उन्हें यमन के राष्ट्रपति के भवन में ले जाया गया। हमले के बाद घटनास्थल पर आग की लपटें देखी गईं।

दस गुना अधिक हो सकते हैं वुहान के कोरोना के जारी आधिकारिक आंकड़े

झूठ बोलने से बाज नहीं आ रहा चीन, वुहान के कोरोना मामलों पर अब खुली पोल

बीजिंग। चीन के वुहान शहर में पिछले साल कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया था। उस समय दुनिया में किसी को अंदाजा नहीं रहा होगा कि यह वायरस विश्वभर के तकरीबन सभी देशों को अपनी चपेट में ले लेगा और जमकर तबाही मचाएगा। कोरोना से जुड़े आंकड़ों को छिपाने की वजह से चीन लगातार अमेरिका समेत कई देशों के निशाने पर रहा है। उसे संदिग्ध नजरों से देखा जाता रहा है। अब हाल ही में वुहान में कोरोना से जुड़ी एक ऐसी स्टडी सामने आई है, जिससे चीन पर झूठ बोलने को लेकर शक और गहरा रहा है। दरअसल, चीनी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई स्टडी में पाया गया है कि वुहान के कोरोना के जारी आधिकारिक आंकड़ों से वास्तविक आंकड़े दस गुना अधिक हो सकते हैं।

चीनी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल तक शहर के 11 मिलियन (एक करोड़ दस लाख) लोगों में से लगभग 4.4 फीसदी लोगों में कोविड19 पैदा करने वाले पैथोगन के खिलाफ एंटीबॉडी विकसित हुई थीं। इस हिसाब से अप्रैल तक वुहान के 4,80,000 लोग संक्रमित हो चुके थे, जबकि आधिकारिक आंकड़ा 50 हजार मामलों का ही है। यह दस गुना अधिक है।

वुहान में कोरोना वायरस के आंकड़ों के बारे में अधिक जानकारी के चलते चीन ने कई लोगों पर जुल्म ढहाना शुरू कर दिया था। उसने व्हिसलब्लोवर्स को शांत करने और मामलों को रिपोर्ट नहीं करने के लिए तमाम कोशिशें कर रहा था। इसके चलते ही, पूरी दुनिया में चीन को आलोचना का सामना करना पड़ा था। वहीं, चीन के शंघाई की एक कोर्ट ने सिटीजन जर्नलिस्ट झांग झान को चार सालों के जेल की सजा सुनाई है। इसके पीछे यह वजह थी कि झांग ने वुहान की असलियत दुनिया के सामने लाने के लिए कई लाइव रिपोर्ट्स की थी। इससे खफा चीन ने उसको तरहतरह से परेशान करना शुरू कर दिया और उसे दोषी करार दिया। काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन के ग्लोबल हेल्थ में सीनियर फेलो हुआंग यंझोंग ने बताया कि सीडीसी के आंकड़ों से सामने आई विसंगति जनवरी के अंत और फरवरी की शुरुआत में अराजकता के कारण संभावित अंडररिपोर्टिंग की ओर इशारा कर सकती है। उस समय बड़ी संख्या में लोगों की सही तरीके से कोरोना जांच नहीं की गई थी। सीडीसी ने कहा कि वुहान के बाहर मध्य हुबेई प्रांत में केवल 0.44 प्रतिशत लोगों ने वायरस के लिए एंटीबॉडी विकसित हुई थी। शहर में 77 दिनों के लिए लागू किए गए लॉकडाउन की वजह से बीमारी को फैलने से रोकने में मदद मिली।

रक्त प्रवाह में कोरोना संक्रमण से जूझ रहे मरीजों को अधिक खतरा

अस्पताल में भर्ती ऐसे मरीजों की मृत्यु दर 50 प्रतिशत से अधिक थी

न्यूयार्क। कोरोना के गंभीर लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती और रक्त प्रवाह में संक्रमण का सामना कर रहे मरीजों की जान को अत्यधिक खतरा है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। हालांकि, अध्ययन के ये नतीजे उपचार की नयी रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। 'क्लीनिकल इंफेक्शियस डिजिजेज' जर्नल में प्रकाशित अध्ययन कोविड19 के गंभीर लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती और रक्त प्रवाह में संक्रमण का सामना कर रहे मरीजों में सूक्ष्म जीव विज्ञान, खतरे के कारण और परिणामों का आकलन करने वाला पहला अध्ययन है। अध्ययन में अमेरिका के रटगर्स विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने मार्च से लेकर मई 2020 तक कोविड19 के 375 गंभीर मरीजों के स्वास्थ्य का आकलन किया।

उन्होंने समूह से 128 नमूनों की जांच की जिनमें रक्त प्रवाह में संक्रमण था, उनमें 92 प्रतिशत संक्रमण जीवाणु से था। विश्विवद्यालय की ओर से अध्ययन की सह लेखक पिंकी भट्ट ने कहा, इन मरीजों के अत्यधिक मानसिक तनाव में रहने, ऑक्सीजन सकेंद्रण की कम मात्रा रहने की संभावना को लेकर उन्हें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती किया गया था। वैज्ञानिकों के मुताबिक जिन मरीजों को बाहर से अतिरिक्त ऑक्सीजन चढ़ाए जाने की जरूरत थी, उनमें रक्त प्रवाह संक्रमण की अधिक समस्या थी। अध्ययन में शामिल वैज्ञानिकों ने कहा कि अस्पताल में भर्ती ऐसे मरीजों की मृत्यु दर 50 प्रतिशत से अधिक थी। अध्ययन के मुताबिक, अध्ययन में शामिल किए गए मरीजों में 80 प्रतिशत को अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान कभी न कभी 'एंटीमाइक्रोबियल' दिया गया, यह उन्हें भी दिया गया जिन मरीजों के रक्तप्रवाह में संक्रमण नहीं था। भट्ट ने कहा कि यह समझने के लिए और अधिक अध्ययन किए जाने की जरूरत है कि कोविड19 के गंभीर मरीजों में रक्त प्रवाह संक्रमण के बारे में कब संदेह करें और कब उसका इलाज करें।

कट्टरपंथियों की भीड़ ने खैबर पतूनवा में हिंदू मंदिर को तोड़ा, लगाई आग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदुओं के धार्मिक स्थल भी अब सुरक्षित नहीं रह गए हैं। यहां के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट के करक जिले में स्थानीय मौलवियों की अगुआई में उन्मादी भीड़ ने एक हिंदू मंदिर को तोड़ दिया। इतना ही नहीं, कट्टरपंथियों की भीड़ ने मंदिर को आग के हवाले भी कर दिया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमें कई लोग मंदिर की दीवारों और छत को तोड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं मंदिर पर भीड़ ने इस कदर हमला किया कि उससे बिल्कुल ही तहस नहस कर दिया है। बता दें कि ये पाक में मंदिर को नुकसान पहुंचाने की कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले भी पाकिस्तान में मंदिरों पर हमले होते रहे हैं।

वॉयर ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी नाम के एक ट्विटर हैंडल से भी एक वीडियो ट्वीट किया गया है, जिसमें मंदिर को तोड़ते हुए लोगों को साफ देखा जा सकता है। पाकिस्तान के एक पत्रकार के मुताबिक हिंदुओं ने मंदिर का विस्तार करने के लिए प्रशासन से अनुमति ली थी, लेकिन स्थानीय मौलवियों ने मंदिर को नष्ट करने के लिए एक भीड़ की व्यवस्था की। यह भी कहा जा रहा है कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मूक दर्शक बने रहे क्योंकि मंदिर जमीन के नीचे धंसा हुआ था। करक जिले के तेरी गांव में स्थित ऐतिहासिक मंदिर और परमहंस जी महाराज की समाधि का 2015 में एक सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार जीर्णोद्धार और विस्तार किया जा रहा था। इस मंदिर को इससे पहले 1997 में एक स्थानीय मुफ्ती ने नष्ट कर दिया था और इस पर अवैध कब्जा कर लिया था। कई लोगों ने इस घटना को %शर्मनाक% करार दिया है, जिसकी निंदा करते हुए देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। बता दें कि पाकिस्तान में हिंदु अल्पसंख्यकों पर अत्याचार और जबरन धर्म परिवर्तन की खबरें लगातार आती रहती हैं।

बीजीबी के सदस्यों की कथित गोलीबारी में एक भारतीय की मौत

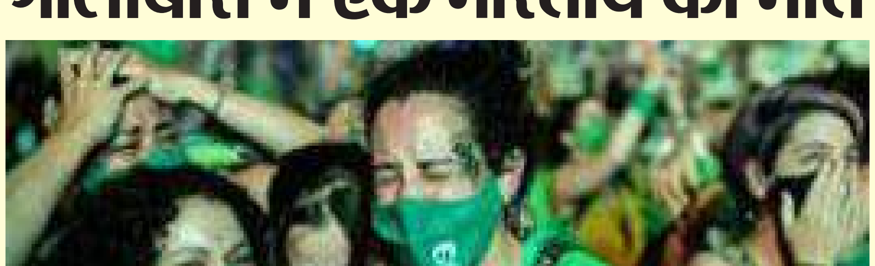

ढाका। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बीच सीमा समन्वय सम्मेलन के समापन के कुछ दिन बाद ही बीजीबी के सदस्यों के साथ कथित गोलीबारी में एक भारतीय की मौत हो गई। बयान में, बीजीबी मयमेनसिंह सेक्टर 39 के बटालियन कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल तौहीद महमूद ने कहा, मृतक की पहचान 48 वर्षीय डेबिट मोमीन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह भारत के गारो हिल्स का निवासी है।÷ बीजीबी ने पुष्टि करते हुए बताया कि यह घटना सोमवार देर रात सूर्यपुर दुमलीकुरा सीमा के 11294एस के समीप नो मैन्स लैंड के पास हुई। लेफ्टिनेंट कर्नल महमूद ने दावा किया कि तस्करों के एक समूह ने रात में हलुआघाट उपजिला सीमा में प्रवेश करने की कोशिश की।

जब बीजीबी ने उनकी पहचान पूछी,तब उन्होंने भागने की कोशिश की। उसके बाद बीजीबी के सदस्यों ने उनका पीछा किया, तब उन्होंने तेजधार हथियारों से उनपर हमला किया। आत्मरक्षा में, बीजीबी सदस्यों ने उन पर गोलीबारी की, जिससे भारतीय तस्कर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में बीजीबी का एक सदस्य भी घायल हो गया। बीजीबी ने दावा किया है कि गोलीबारी तब हुई, जब तस्करी करने वाले गिरोह के सदस्य भारत से बांग्लादेश में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मृतक के शव को बरामद कर मयमेनसिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल मुर्दाघर भेज दिया गया।

गर्भवती छात्राओं को स्कूल जाने की मिली इजाजत

तंजानिया में किशोरी गर्भवती दर सर्वाधिक

दोदामा। तंजानिया में गर्भवती छात्राओं को स्कूल जाने की इजाजत मिल गई है। एक साल पहले पश्चिम अफ्रीकी राज्यों (इकोवास) के आर्थिक समुदाय की शीर्ष अदालत ने सिएरा लियोन में लागू इसी तरह के प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताते हुए फैसला सुनाया था कि यह बच्चों के लिए शिक्षा के अधिकार का उललंघन है। इस फैसले के तीन महीने बाद मार्च में सिएरा लियोन ने स्कूल जाने वाली गर्भवती लड़कियों और युवा माताओं पर प्रतिबंध हटा दिया था।

तंजानिया दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से एक है जो इस तरह के प्रतिबंध लगाता है। सिएरा लियोन के खिलाफ कानूनी मामला दर्ज करने के बाद अब यह लड़ाई महाद्वीप के दूसरी ओर तंजानिया में लड़ी जा रही है। 2017 में राष्ट्रपति जॉन मैगुफुली ने चेतावनी देते हुए कहा था कि जब तक मैं राष्ट्रपति हूँ तब तक किसी भी गर्भवती छात्रा को स्कूल जाने की इजाजत नहीं होगी। गर्भवती होने के बाद एक लड़की का जीवन इतना ही होगा। अफ्रीकी देश में कम उम्र में गर्भधारण की समस्या रही है। 2013 में 18 साल से कम उम्र की 35 फीसदी से अधिक लड़कियों ने बच्चा पैदा किया था। अफ्रीका में फैली इबोला महामारी के दौरान कुछ क्षेत्रों में यह आंकड़ा 65फीसदी तक भी देखा गया था। जैसे ही सिएरा लियोन इबोला के संकट से उबरने लगा सरकार आधिकारिक रूप से गर्भवती लड़कियों के मेनस्ट्रीम स्कूलों में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार को इस बात से डर था कि ये गर्भवती लड़कियां अन्य लड़कियों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित न करें। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2015 में लगभग 3,000 लड़कियां इस प्रतिबंध से प्रभावित हुई थीं। हालांकि गर्भवती लड़कियों और युवा मांओं के लिए समानांतर शिक्षण केंद्र खोले गए थे जहाँ वे सप्ताह में तीन दिन पढ़ने जा सकती थी लेकिन इकोवास अदालत ने दिसंबर में इन केंद्रों को भेदभाव का एक और रूप बताया और उन्हें समाप्त करने का आदेश दिया। शिक्षा मंत्री डेविड मोइनिना सेगेह ने इस नए लोकतान्त्रिक युग का आह्वान करते हुए खुशी जाहिर की जिसमें बच्चों को बिना भेदभाव के उनके सार्वभौमिक शिक्षा के अधिकार मिल सकेंगे। इस निर्णय के बाद पहली बार लगभग 1,000 गर्भवती लड़कियां परीक्षा देने में सक्षम हुई थीं। दुनिया में तंजानिया में सबसे अधिक किशोर गर्भावस्था की दर है। विश्व बैंक ने इस साल तंजानिया को ऋण दिया था। विश्व बैंक का कहना है कि हर साल स्कूल छोड़ने वाले 60,000 छात्रों में से आधी लड़कियां हैं जिनमें से 5,500 गर्भवती होने के कारण छोड़ देती हैं।

पाकिस्तान में मौलवियों की अगुआई में उन्मादी भीड़ ने हिंदू मंदिर को आग के हवाले किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट के करक जिले में स्थानीय मौलवियों की अगुआई में उन्मादी भीड़ ने एक हिंदू मंदिर को तोड़ कर आग के हवाले कर दिया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिसमें कई लोग मंदिर की दीवारों और छत को तोड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं मंदिर पर भीड़ ने इस कदर हमला किया कि उससे बिल्कुल ही तहसनहस कर दिया है। बता दें कि ये पाक में मंदिर को नुकसान पहुंचाने की कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले भी पाकिस्तान में मंदिरों पर हमले होते रहे हैं।

वॉयर ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी नाम के एक ट्विटर हैंडल से भी एक वीडियो ट्वीट किया गया है, जिसमें मंदिर को तोड़ते हुए लोगों को साफ देखा जा सकता है।पाकिस्तान के एक पत्रकार के मुताबिक हिंदुओं ने मंदिर का विस्तार करने के लिए प्रशासन से अनुमति ली थी, लेकिन स्थानीय मौलवियों ने मंदिर को नष्ट करने के लिए एक भीड़ की व्यवस्था की। यह भी कहा जा रहा है कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मूक दर्शक बने रहे क्योंकि मंदिर जमीन के नीचे धंसा हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक हो रहा था मंदिर का जीर्णोद्धार

करक जिले के तेरी गांव में स्थित ऐतिहासिक मंदिर और परमहंस जी महाराज की समाधि का 2015 में एक सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार जीर्णोद्धार और विस्तार किया जा रहा था।

अलवर जिले में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिए टीकाकरण की तैयारियां

जिला कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया

मदरलैंड अलवर देशबंधु जोशी

अलवर। श्रम, कारखाना एवं बॉयलर्स निरीक्षण विभाग (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना विभाग मंत्री टीकाराम जूली की अध्यक्षता में गुरूवार को अलवर जिले में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिए आगामी दिनों में किये जाने वाले टीकाकरण की तैयारियों के सम्बन्ध में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। श्रम मंत्री जूली ने बताया कि संक्रामक रोग कोरोना तथा नया कोरोना स्ट्रेन दुनिया के विभिन्न देशों में पाया जा रहा है। शीघ्र ही वैश्विक महामारी कोरोना से आमजन को निजात दिलाने के उद्देश्य से वैक्सीन उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रथम पंक्ति के योद्धा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को सबसे पहले यह टीका लगाया जायेगा। श्रम राज्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 वैक्सीन सबसे पहले स्वास्थ्यकर्मियों को लगाने से आमजन में इस टीके को लगवाने को लेकर फैल रही भ्रांतियां दूर होगी और आमजन भी इस टीके को लगवाने के लिए प्रेरित होगे। उन्होंने कहा कि इस महामारी पर काबू पाने के लिए वैक्सीन के प्रति आमजन में सकारात्मक धारणा बनाने के उद्देश्य से इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रचार किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नववर्ष के आगमन पर हम सब प्रण ले कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में चलाये जा रहे जनआन्दोलन नो मॉस्क-नो एंट्री की पहले से ओर अधिक सख्ती से पालना करेंगे ताकि कोरोना संक्रमण पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। श्रम राज्यमंत्री जूली ने कोविड-19 के नए कोरोना स्ट्रेन के स्वरूप को लेकर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी का यह नैतिक दायितव है कि जिस तरह हम सभी ने मिलकर कोविड-19 के संक्रमण को काबू पाने के लिए अहम प्रयास किए उसी तरह ब्रिटेन सहित कुछ युरोपीय देशों से आए कोरोना के नए स्ट्रेन से लड़ने के लिए हमसब एकजुट हो। उन्होंने लोगों से अपील भी की है कि अभी कोरोना संक्रमण की रफ्तार कम हुई यह पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की खुद भी पालना करे एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करे। बैठक में नगर परिषद् सभापित बीना गुप्ता, कार्यकारी जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, जिला कलक्टर एन.एम. पहाडिया, अति. जिला कलक्टर प्रथम रामचरण शर्मा, अति. जिला कलक्टर राकेश गुप्ता, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. मीना, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील चैहान सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

तिजारा नगर पालिका अध्यक्ष झब्बू राम सैनी उपाध्यक्ष हरीश ने पदभार ग्रहण किया

मदरलैंड अलवर देशबंधु जोशी

तिजारा नगर पालिका की नव निर्वाचित पालिका अध्यक्ष झब्बू राम सैनी व उपाध्यक्ष हरीश कुमार ने पार्षदों व समर्थकों के साथ गणेश पूजन कर नवनिर्वाचित चेयरमैन व वाइस चेयरमैन ने पद भार सम्भालने से पहले शहीद स्मार्क पर पुष्प अर्पित करे। उसके पश्चात भर्तिहरी गुम्बद पर पौधारोपण कर गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। अधिशासी अधिकारी अवस्थी द्वारा पालिका अध्यक्ष को कार्यभार सौंपा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक संदीप यादव ने कहा कि पालिका अध्यक्ष आमजन की समस्याओं के निस्तारण के साथ ही पूरी पारदर्शिता के साथ विकास को आगे बढ़ाने का प्रयास करेगी। पालिका अध्यक्ष झब्बू राम सैनी ने कहा कि कस्बे के विकास के लिए प्रतिबद्ध है 25 वार्डों में सभी मिलजुल कर और बिना भेदभाव के विकास कार्य का काम करेंगे । इस मौके पर पूर्व पालिका अध्यक्ष कमलेश सैनी , पूर्व पालिका अध्यक्ष उर्मिला रामेश्वर सैनी, पार्षद केवल सिंह,पार्षद कालूराम शर्मा, पार्षद सतीश सैनी, पार्षद संजय जैन, पार्षद शारदा सैनी, पार्षद राकेश सैनी,पार्षद पाची देवी, पूर्व पार्षद बिसम्बर सैनी, पूर्व सैनी समाज अध्यक्ष ओम पहलवान, कांग्रेस के शहर अध्यक्ष शिवचरण सैनी, भरत लाल सैनी, गुल्लू यादव, राजेश कसाना, पार्षद सुल्तान सिंह पालीवाल, नागेंद्र सैनी, मुकेश सैनी, दीपक सैनी, रामोतार बाघोरिया, अजहर शाह मौजूद रहे।

श्री श्याम क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ

मदरलैंड बहरोड मयंक जोशी

बहरोड़। उपखण्ड के तसींग गॉव में बुधवार को श्री श्याम क्रिकेट प्रतियोगिता शुभारम्भ हुआ। प्रतियोगिता में एंट्री फीस 351 रुपय रहेगी। विजेता टीम को 15000 रूपये और उपविजेता टीत को 7100 रूपये का नगद ईनाम दिया जायेगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मुन्ना खोहरी सहित संदीप सरपंच तसिंग, मनोज मास्टर, भूपसिंह डेलीगेट प्रत्याशी, राजवीर एमपीएस, अमिला बोराजी, रामपत, धर्मवीर, अलकेश मुंडियाखेड़ा, योगेश मुंडियाखेड़ा, पवन खापरिया, सोनू, व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

शाहजहांपुर बॉर्डर पर किसानों ने बेरिकेटिंग तोड़कर दिल्ली की तरफ कूच कर लिया

हरियाणा पुलिस ने जवाब में आंसू गैस के गोले छोड़े

मदरलैंड बहरोड मयंक जोशी

बहरोड। राजस्थान हरियाणा के शाहजहांपुर बॉर्डर पर कृषि कानूनों के विरोध में बैठे किसानों का गुरुवार को सब्र टूट गया और उन्होंने हरियाणा पुलिस के बैरिकेट तोड़कर दिल्ली की ओर कूच कर लिया। दोपहर करीब 2 बजे दो दर्जन से ज्यादा ट्रेक्टर में सवार करीब 150 किसानों ने हरियाणा पुलिस के भारी भरकम अवरोधक तोड़ दिए और हरियाणा की सीमा में घुस गए। जानकारी के अनुसार कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों में शामिल श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के जीकेएस मोर्चा के

किसानों के हरियाणा सीमा में प्रवेश किया। आखिरी ट्रैक्टर में सवार किसानों को हरियाणा पुलिस ने पकड़ लिया और उसके ट्रैक्टर की हवा निकालकर उसे हिरासत में ले लिया।

बॉर्डर पर थी शान्ति फिर मचा हड़कंप

दोपहर करीब दो बजे बॉर्डर पर शान्ति थी, अचानक कुछ ट्रैक्टर चालक एक साथ बॉर्डर की ओर कूच करने लगे। हरियाणा पुलिस हरकत में आती, इससे पहले करीब 30 ट्रैक्टर लोहे और पत्थर के बैरिकेट तोड़कर हरियाणा सीमा में दाखिल हो गए। उनके बैरिकेटिंग तोड़ते ही सीमा पर हड़कंप मच गया। हरियाणा पुलिस ने स्थिति नियंत्रण में करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े । हरियाणा पुलिस की ओर से किसानों को रोकने के लिए भारी पत्थर रखे हुए थे, लेकिन ट्रैक्टरों से उतरकर किसानों ने उन पत्थरों को एक तरफ कर दिया। किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और किसान एकता जिंदाबाद के उद्घोष के साथ हरियाणा में दाखिल हुए। इस दौरान मंच से उनसे शान्ति रखने की अपील की गई, लेकिन उन्होंने अपील को अनसुना कर दिया और दिल्ली की तरफ कूच कर गए। बॉर्डर पर अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति के बगैर बैरिकेट तोड़कर दिल्ली की तरफ कूच करने का विरोध किया है। संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से कहा गया है कि वे फ़िलहाल ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे, जिससे कानून का उल्लंघन हो। वहीं किसानों के नेता राकेश टिकैत शाहजहांपुर में सभा स्थल पर पहुंचे हैं।

श्रम राज्यमंत्री टीकाराम जूली ने की जनसुनवाई

मदरलैंड अलवर देशबंधु जोशी। श्रम, कारखाना एवं बॉयलर्स निरीक्षण विभाग (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना विभाग राज्य मंत्री टीकाराम जूली ने गुरूवार को मोती डूंगरी स्थित कार्यालय परिसर में सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करते हुए जनसुनवाई की। इस दौरान करीब 107 से अधिक लोगों ने अपनी परिवेदनाएं श्रम राज्य मंत्री को दी। श्रम राज्य मंत्री जूली ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर तुरन्त संबंधित अधिकारियों को फोन पर आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि जनसुनवाई में आने वाली परिवेदनाओं का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित गति से किया जाए साथ ही निस्तारण की पूर्ण जानकारी परिवादी को देना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि बिजली की समस्या को लेकर बड़ी संख्या में जिले भर के लोग लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की पीडा को दूर करने के उद्देश्य के लिए सिंचाई के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराने की कार्ययोजना तैयार कर रही है।

नववर्ष 2021 की तैयारी करते हुए छोटे बच्चे

मदरलैंड जयपुर देशबंधु जोशी। नव वर्ष माननीय से पूर्व ही बड़े लोगों को ही नहीं बल्कि छोटे बच्चों को भी नव वर्ष की शुभकामनाएं देने और सेलिब्रेट करने के लिए मंत्र पुलिस रहता है और काफी जिज्ञासा रहती है। 2020 के अंतिम दिन 2021 की शुभ प्रारंभ के लिए बच्चे अपने घर पर ही अपने विवेक अनुसार नव वर्ष की कुछ इस तरह तैयारी कर रहे हैं।

जागरूक नागरिकों ने बहरोड़ एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मदरलैंड बहरोड मयंक जोशी

बहरोड़। बहरोड़ के जागरूक नागरिकों ने गुरूवार को राजस्थान सरकार के द्वारा एडीएम भिवाड़ी के आदेश के खिलाफ प्रशासनिक दृष्टि से बहरोड़, नीमराना, मुण्डावर व बानसुर तहसील को अलग-थलग कर यहॉ के निवासियों को प्रताड़ित नहीं करने की मांग को लेकर जागरूक नागरिकों ने मुख्यमंत्री के नाम बहरोड़ एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। जानकारी के अनुसार आम जनता रोजमर्रा के कार्यो से जुड़े सरकारी कार्यालय भिवाड़ी में खोले गये हैं और बहरोड़, नीमराना, बानसुर और मुण्डावर को अलवर से हटाकर उनके अधीन किया गया है। ऐसे में बहरोड़, नीमराना, बानसुर और मुण्डावर क्षेत्र के लोगों को नई समस्या से जूझना पड़ रहा है। पहले जिला स्तर के कार्यालयों के कार्य के लिए अलवर ही जाना पड़ता था। सभी कार्य एक ही स्थान पर आसानी से हो जाते थे। लेकिन अब जिला स्तर के आधे कार्यालय भिवाड़ी और आधे कार्यालय अलवर में बना दिये गये हैं। ऐसे मे यहॉ के लोगों के समक्ष दो-दो शहरों के चक्कर लगाने की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। जिसके चलते जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि अलवर के अलावा जितने भी प्रशासनिक कार्यालय बनाये जायें वो सब बहरोड़ और नीमराना में ही बनाये जायें। बहरोड़, नीमराना, मुण्डावर और बानसुर को भिवाड़ी कार्यालयों के क्षेत्राधिकार से हटाकर पूर्ववत अलवर जिला कार्यालय के अधीन ही किया जाये। इस दौरान शहर के सामाजिक जागरूक बंधुओं कर्नल अशोक यादव, ओम यादव सामाजिक कार्यकर्ता, शशि यादव स्वतंत्र पत्रकार, सुमित यादव डायरेक्टर यूनिक स्कूल, डॉ रविंदर वर्मा, ओम प्रकाश यादव डायरेक्टर श्रीमती नारायणी देवी महिला महाविद्यालय, पंकज स्वामी प्रिज्म अकैडमी डायरेक्टर, करण सिंह गंडाला, मयंक भारद्वाज, पवन कुमार, अनिल कुमार, डॉ ऋषि यादव पूर्व पार्षद, अशोक पोसवाल पार्षद, विजय यादव नासरपुर सहित अनेक जागरूक बंन्धु उपस्थित होकर सरकार के समक्ष अपनी बात को रखा।

कठूमर में विद्युत विभाग के ए ई एन कार्यालय पर प्रदर्शन किया और एसडीएम एवं एईएन को ज्ञापन

मदरलैंड कठूमर

कठूमर ग्राम मानखेडा के अनेक ग्रामीणों ने थी फेस बिजली की सुचारु सप्लाई सप्लाई की मांग को लेकर गुरुवार को कठूमर में विद्युत विभाग के ए ई एन कार्यालय पर प्रदर्शन किया और एसडीएम एवं एईएन को ज्ञापन देकर 2 दिन में सुचारू सप्लाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। ग्राम मानखेडा निवासी मोहन नेता मानखेडा, महेंद्र जाट हरभान सिंह, श्री मान ,विजय पाल चौधरी, फूल सिंह, सुखवीर आदि किसानों ने ज्ञापन में बताया कि ग्राम मान खेड़ा फिडर पर फसलों के लिए रात्रि में विद्युत सप्लाई की जा रही है जबकि समय भारी शीत लहर का प्रकोप चल रहा है ।और रात्रि में लाइट देने से किसान सर्दी से परेशान हो रहे हैं। और इसके अलावा सिंचाई के लिए 6 घंटे की बजाए 3 घंटे ही लाइट मिल रही है?। किसानों का कहना था कि इस समस्या को लेकर विभाग के कर्मचारियों से कई बार बात की तो उन्होंने इस समस्या की तरफ ध्यान नहीं दिया। इसके अलावा घरेलू लाइट भी थी फेस की लाइट के साथ देते हैं जो कम से कम हमें अलग से 18 घंटे मिली चाहिए। किसानों ने 2 दिन में से व्यवस्था सुचारू नहीं होने पर धरना व प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। है मानखेडा के अनेक ग्रामीणों ने थी फेस बिजली की सुचारु सप्लाई सप्लाई की मांग को लेकर गुरुवार को कठूमर में विद्युत विभाग केह ए ई एन का पर प्रदर्शन किया और एसडीएम एवं एईएन को ज्ञापन देकर दो दिन में सुचारू सप्लाई नहीं होने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी।

रायसिंह नगर अंबेडकर पार्क वह अन्य जगह में गंदगी का लगा अंबार

नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को नहीं है फुर्सत सम्मान पाने से

मदरलैंड रायसिंहनगर

रायसिंहनगर में बने अंबेडकर पार्क पिछले कुछ काफी समय से गंदगी के ढेर लगे हुए हैं पार्क के मुख्य गेट के आगे निकलने की भी अंदर जाने की भी जगह नहीं है आए दिन खुद पार्क में घूमने वालों को नाली की सफाई व पानी आगे निकाल कर पार्क में जाते हुए दिखाएं दिए नगर पालिका प्रशासन वह जन प्रतिनिधियों ने चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे किए थे कि हम रायसिंहनगर को स्वच्छ हरा भरा बनाएंगे परंतु उनको तो सम्मान पाने से भी फुर्सत नहीं है चुनाव से पहले बाजार में सफाई व्यवस्था कुछ ठीक थी परंतु जैसे ही चुनाव हुए सफाई व्यवस्था चरमरा गई यही हाल अन्य वार्डों में भी दिखाई दे रहा है चाहे वह शास्त्री कॉलोनी हो या वार्ड नंबर 1 बाकी कच्ची बस्तियों में तो इन से भी ज्यादा बुरा हाल है कच्ची बस्तियों के नाम से 6 वार्ड हैं जिनका मात्र एक ही पार्क है वह है अंबेडकर पार्क जिसको लेकर मानो नगरपालिका कर्मचारी हो या फिर नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि जैसे भूल ही गए अंबेडकर पार्क भी कोई पार्क है क्योंकि वह कच्ची बस्ती का पार्क है इसलिए लोगों का ध्यान कम ही जाता है वहां की स्ट्रीट लाइटें भी खराब है काफी समय से स्थानीय लोगों ने बताया कि जब हमें पार्क में सुबह सुबह घूमने की इच्छा होती है तब ही मुख्य गेट के आगे गंदगी का इतना अंबार होता है कि हमें घूमने की इच्छा अंदर ही घोटकर रखनी पड़ रही है यही हाल रहा तो रायसिंह नगर की सफाई व्यवस्था बुरी तरह से चरमरा जाएगी वार्ड नंबर 20 कि नहर की पुलिया पूर्व मंत्री दुलाराम के घर वाली गली पर भी गंदगी का अंबार लगा हुआ है

सूचना

मदरलैण्ड वॉइस

राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र राजस्थान में विज्ञापन एवं एजेंसी के लिए संपर्क करें

देशबंधु जोशी :- 7014902827 | विकास :- 8306146836

नव उत्साह और नवजीवन का संदेश देता नववर्ष

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

नववर्ष यानी वर्ष का पहला दिन 1 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन के साथ दुनिया के ज्यादातर लोग अपने नए साल की शुरुआत करते हैं। नए का आत्मबोध हमारे अंदर नया उत्साह भरता है और नए तरीक़े से जीवन जीने का संदेश देता है। हालांकि ये उल्लास, ये उत्साह दुनिया के अलग–अलग कोने में अलग–अलग दिन मनाया जाता है क्योंकि दुनिया भर में कई कैलेंडर हैं और हर कैलेंडर का नया साल अलग–अलग होता है। एक अनुमान के अनुसार अकेले भारत में ही क़रीब 50 कैलेंडर (पंचांग) हैं और इनमें से कई का नया साल अलग दिनों पर होता है।

1 जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष दरअसल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। इसकी शुरुआत रोमन कैलेंडर से हुई है। पारंपरिक रोमन कैलेंडर का नववर्ष 1 मार्च से शुरू होता है। प्रसिद्ध रोमन सम्राट जूलियस सीज़र ने 47 ईसा पूर्व में इस कैलेंडर में परिवर्तन किया और इसमें जुलाई माह जोड़ा। इसके बाद उसके भतीजे के नाम के आधार पर इसमें अगस्त माह जोड़ा गया। दुनिया भर में आज जो कैलेंडर प्रचलित है, उसे पोप ग्रेगोरी अष्टम ने 1582 में तैयार किया था। ग्रेगोरी ने इसमें लीप ईयर का प्रावधान किया था। ईसाइयों का एक अन्य पंथ ईस्टर्न आर्थोडॉक्स चर्च तथा इसके अनुयायी ग्रेगोरियन कैलेंडर को मान्यता न देकर पारंपरिक रोमन कैलेंडर को ही मानते हैं। इस कैलेंडर के अनुसार नया साल 14 जनवरी को मनाया जाता है। इस कैलेंडर की मान्यता के अनुसार जॉर्जिया, रूस, यरूशलम, सर्बिया आदि में 14 जनवरी को नववर्ष मनाया जाता है।

भारत में नववर्ष

भारत कैलैंडरों के मामले में कम समृद्ध नहीं है। इस समय देश में विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगु संवत आदि अनेक प्रचलित हैं। इनमें से हर एक के अपने अलग–अलग नववर्ष होते हैं। देश में सर्वाधिक प्रचलित संवत विक्रम और शक संवत है। माना जाता है कि विक्रम संवत गुप्त सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जयनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है।

नववर्ष की शुभकामनाएँ

इसी समय चैत्र नवरात्र प्रारंभ होता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन उत्तर भारत के अलावा गुड़ी पड़वा और उगादी के रूप में भारत के विभिन्न हिस्सों में नव वर्ष मनाया जाता है। सिंधी लोग इसी दिन चेटी चंद्र के रूप में नववर्ष मनाते हैं। शक सवंत को शालीवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ई. में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने इसी शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। राष्ट्रीय संवत का नव वर्ष 22 मार्च को होता है जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है। चैत्र शुक्ला प्रतिपदा को विक्रमीय संवत की दृष्टि से नववर्ष मनाया जाता है। ब्रज में इस दिन नीम की पती और मिश्री खाने की परम्परा है ।

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है। हिजरी कैलेंडर कर्बला की लड़ाई के पहले ही निर्धारित कर लिया गया था। मोहर्रम के दसवें दिन को आशूरा के रूप में जाना जाता है। इसी दिन पैगम्बर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन बगदाद के निकट कर्बला में शहीद हुए थे। हिजरी कैलेंडर के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि इसमें चंद्रमा की घटती – बढ़ती चाल के अनुसार दिनों का संयोजन नहीं किया गया है। लिहाजा इसके महीने हर साल क़रीब 10 दिन पीछे खिसकते रहते हैं।

अन्य देशों में नववर्ष

यदि भारत के पड़ोसी देश और देश की पुरानी सभ्यताओं में से एक चीन में भी अपना एक अलग कैलेंडर है। तकरीबन सभी पुरानी सभ्यताओं के अनुसार चीन का कैलेंडर भी चंद्रमा गणना पर आधारित है। इसका नया साल 21 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है। चीनी वर्ष के नाम 12 जानवरों के नाम पर रखे गए हैं। चीनी ज्योतिष में लोगों की राशियाँ भी 12 जानवरों के नाम पर होती हैं। लिहाजा यदि किसी की बंदर राशि है और नया वर्ष भी बंदर आ रहा हो तो वह साल उस व्यक्ति के लिए विशेष तौर पर भाग्यशाली माना जाता है। 1 जनवरी को अब नये साल के जश्न के रुप में मनाया जाता है। एक–दूसरे की देखा–देखी यह जश्न मनाने वाले शायद ही जानते हों कि दुनिया भर में पूरे 70 नववर्ष मनाए जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आज भी पूरी दुनिया कैलेण्डर प्रणाली पर एकमत नहीं हैं। इक्कीसवीं शताब्दी के वैज्ञानिक युग में इंसान अन्तरिक्ष में जा पहुँचा है, मगर कहीं सूर्य पर आधारित, कहीं चन्द्रमा पर आधारित तो कहीं सूर्य, चन्द्रमा और तारों की चाल पर धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दुनिया में विभिन्न कैलेण्डर प्रणालियाँ लागू हैं। यही वजह है कि अकेले भारत में पूरे साल तीस अलग–अलग नव वर्ष मनाए जाते हैं। दुनिया में सर्वाधिक प्रचलित कैलेण्डर 'ग्रेगोरियन कैलेण्डर' है। जिसे पोप ग्रेगरी तेरह ने 24 फरवरी, 1582 को लागू किया था। यह कैलेण्डर 15 अक्तूबर, 1582 में शुरू हुआ। इसमें अनेक त्रुटियाँ होने के बावजूद भी कई प्राचीन कैलेण्डरों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आज भी मान्यता मिली हुई हैं।

अनेकता में एकता का नववर्ष

हमारा देश अनेकता में एकता की परंपरा को सहेज रहा है। यहां हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, पारसी के साथ अनेक धर्म और समुदायों के लोग अपनी–अपनी संस्कृति को निभाते हुए नया साल मनाते हैं। इन सबके अपने अलग–अलग त्योहार और रीति–रिवाज हैं। जिस प्रकार सभी समुदायों के कुछ विशेष पर्व हैं जिन्हें सभी एक साथ मिलकर मनाते हैं। उसी प्रकार प्रत्येक समुदाय के नए वर्ष भी अलग–अलग हैं और सभी एक–दूसरे के पर्वों का सम्मान करते हैं। अन्य पर्वों की तरह हर समुदाय के नववर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

चैत्र प्रतिपदा

हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ हिन्दी पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इसी दिन से वासंतेय नवरात्र का भी प्रारंभ होता है। हिन्दू नववर्ष का पंचांग विक्रम संवत से माना जाता है। एक साल में बारह महीने और सात दिन का सप्ताह विक्रम संवत से ही प्रारंभ हुआ है।

हिजरी सन

मुस्लिम समुदाय में नया वर्ष मोहर्रम की पहली तारीख से मनाया जाता है। मुस्लिम पंचांग की गणना चांद के अनुसार होती है। हिजरी सन के नाम से जाना जाने वाला मुस्लिम नववर्ष अभी–अभी शुरू हुआ है।

ओणम

मलयाली समाज में नया वर्ष ओणम से मनाया जाता है। इस दिन प्रतिवर्ष विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं। ओणम मलयाली माह छिंगम यानी अगस्त और सितंबर के मध्य मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन राजा बली अपनी प्रजा से मिलने धरती पर आते हैं। राजा बली के स्वागत के लिए घरों में फूलों की रंगोली सजाई जाती है और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं।

सूर्य देव को अर्पित होता है प्रसाद

तमिल नववर्ष पोंगल से प्रारंभ होता है। पोंगल से ही तमिल माह की पहली तारीख मानी गई है। पोंगल प्रतिवर्ष 14–15 जनवरी को मनाया जाने वाला बड़ा त्योहार है। पोंगल में सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है उसे पोंगल कहते हैं। चार दिनों का यह त्योहार भी नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है।

महाराष्ट्रीयन समाज का नववर्ष

महाराष्ट्रीयन परिवारों में चैत्र माह की प्रतिपदा को ही नववर्ष की शुरुआत होना माना जाता है। इस दिन बांस में नई साड़ी पहनाकर उस पर तांबे या पीतल के लोटे को रखकर गुड़ी बनाई जाती है और उसकी पूजा की जाती है। गुड़ी को घरों के बाहर लगाया जाता है और सुख संपन्नता की कामना की जाती है।

नववर्ष बैसाखी

गीत–संगीत की अनोखी परंपरा और खुशदिल लोगों से सजी है पंजाबियों की संस्कृति। पंजाबी समुदाय अपना नववर्ष बैसाखी में मनाते हैं। यह त्योहार नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है। बैसाखी के अवसर पर नए कपड़े पहने जाने के साथ ही भांगड़ा और गिद्दा करके खुशियां मनाई जाती हैं। बैसाखी प्रतिवर्ष 13–14 अप्रैल को मनाई जाती है।

नवरोज का प्रारंभ

पारसियों द्वारा मनाए जाने वाले नववर्ष नवरोज का प्रारंभ तीन हजार साल पहले हुआ। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन फारस के राजा जमजेद ने सिंहासन ग्रहण किया था। उसी दिन से इसे नवरोज कहा जाने लगा। राजा जमशेद ने ही पारसी कैलेंडर की स्थापना की थी। नवरोज को जमशेदी नवरोज भी कहा जाता है। यह 19 अगस्त को मनाया जाता है।

दीपावली है नया साल

जैन समुदाय का नया साल दीपावली के दिन से माना जाता है। इसे वीर निर्वाण संवत कहा जाता है।

परीवा से नया साल

सभी समुदायों की तरह गुजराती बंधुओं का नववर्ष भी दीपावली के दूसरे दिन पड़ने वाली परीवा के दिन खुशी के साथ मनाया जाता है। गुजराती पंचांग भी विक्रम संवत पर आधारित है। इस दिन तरह–तरह के पकवान बनाए जाते हैं और एक–दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी जाती हैं।

बंगाली समुदाय का नया वर्ष

अपनी विशेष संस्कृति से जाने–पहचाने जाने वाले बंग समुदाय का नया वर्ष बैसाख की पहली तिथि को मनाया जाता है। यह पर्व नई फसल की कटाई और नया बही–खाता प्रारंभ करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक ओर व्यापारी लोग जहां नया बही–खाता बंगाली में कहें तो हाल–खाता करते हैं तो दूसरी तरफ अन्य लोग नई फसल के आने की खुशियां मनाते हैं। इस दिन कई सांस्कृतिक आयोजन होते हैं और मिठाइयां बांटी जाती हैं।

सभी कहते हैं नया वर्ष मुबारक हो

सभी समुदायों के साथ ही एक ऐसा नया साल है जिसे सभी वर्गों, समुदायों द्वारा मान लिया गया है। वह है अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मनाया जाने वाला नया साल। जिसकी शुरुआत जनवरी में होती है। जनवरी में नए वर्ष का प्रारंभ हो गया है। आजकल इसी पंचांग को सर्वमान्य रूप से नए वर्ष की शुरुआत मान लिया गया है। सारे सरकारी कार्य और लेखा–जोखा इसी के अनुसार संचालित किए जाते हैं।

नये साल के लिए एक जनवरी ही क्यों!

एक जनवरी के नजदीक आते ही जगह–जगह हैप्पी न्यू ईयर के बैनर व होर्डिंग लगने लगते हैं। जश्न मनाने की तैयारियां प्रारम्भ हो जाती हैं। होटल, रेस्तरॉ, व पव इत्यादि अपने–अपने ढंग से इसके आगमन की तैयारियां करने लगते हैं। पोस्टर व कार्डों की भरमार के साथ दारू की दुकानों की भी चांदी कटने लगती है। कहीं कहीं तो जाम से जाम इतने टकराते हैं कि घटनाऐं दुर्घटनाओं में बदल जाती हैं और मनुष्य– मनुष्यों से तथा गाड़ियां गाडियों से भिडने लगते हैं। रात–रात भर जाग कर नया साल मनाने से ऐसा प्रतीत होता है मानो सारी खुशियां एक साथ आज ही मिल जायेंगी। हम भारतीय भी पश्चिमी अंधानुकरण में इतने सराबोर हो जाते हैं कि उचित अनुचित का बोध त्याग अपनी सभी सांस्क्रतिक मर्यादाओं को तिलांजलि दे बैठते हैं। पता ही नहीं लगता कि कौन अपना है और कौन पराया।

जनवरी से प्रारम्भ होने वाली काल गणना को हम ईस्वी सन् के नाम से जानते हैं जिसका सम्बन्ध ईसाई जगत् व ईसा मसीह से है। इसे रोम के सम्राट जूलियस सीजर द्वारा ईसा के जन्म के तीन वर्ष बाद प्रचलन में लाया गया। भारत में ईस्वी सम्वत् का प्रचलन अग्रेंजी शासकों ने 1752 में किया। अधिकांश राष्ट्रों के ईसाई होने और अग्रेंजों के विश्वव्यापी प्रभुत्व के कारण ही इसे विश्व के अनेक देशों ने अपनाया। 1752 से पहले ईस्वी सन् 25 मार्च से प्रारम्भ होता था किन्तु 18वीं सदी से इसकी शुरूआत एक जनवरी से होने लगी। ईस्वी कलेण्डर के महीनों के नामों में प्रथम छः माह यानि जनवरी से जून रोमन देवताओं (जोनस, मार्स व मया इत्यादि) के नाम पर हैं। जुलाई और अगस्त रोम के सम्राट जूलियस सीजर तथा उनके पौत्र आगस्टस के नाम पर तथा सितम्बर से दिसम्बर तक रोमन संवत् के मासों के आधार पर रखे गये। जुलाई और अगस्त, क्योंकि सम्राटों के नाम पर थे इसलिए, दोनों ही इकत्तीस दिनों के माने गये अन्यथा कोई भी दो मास 31 दिनों या लगातार बराबर दिनों की संख्या वाले नहीं हैं। ईसा से 753 वर्ष पहले रोम नगर की स्थापना के समय रोमन संवत् प्रारम्भ हुआ जिसके मात्र दस माह व 304 दिन होते थे। इसके 53 साल बाद वहां के सम्राट नूमा पाम्पीसियस ने जनवरी और फरवरी दो माह और जोड़कर इसे 355 दिनों का बना दिया। ईसा के जन्म से 46 वर्ष पहले जूलियस सीजन ने इसे 365 दिन का बना दिया। सन् 1582 ई. में पोप ग्रेगरी ने आदेश जारी किया कि इस मास के 04 अक्टूबर को इस वर्ष का 14 अक्टूबर समझा जाये। आखिर क्या आधार है इस काल गणना का? यह तो ग्रहों व नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित होनी चाहिए।

जिस प्रकार ईस्वी सम्वत् का सम्बन्ध ईसा जगत से है उसी प्रकार हिजरी सम्वत् का सम्बन्ध मुस्लिम जगत और हजरत मुहम्मद साहब से है। किन्तु विक्रमी सम्वत् का सम्बन्ध किसी भी धर्म से न हो कर सारे विश्व की प्रकृति, खगोल सिद्धांत व ब्रह्माण्ड के ग्रहों व नक्षत्रों से है। इसलिए भारतीय काल गणना पंथ निरपेक्ष होने के साथ सृष्टि की रचना व राष्ट्र की गौरवशाली परम्पराओं को दर्शाती है। इतना ही नहीं, ब्रह्माण्ड के सबसे पुरातन ग्रंथ वेदों में भी इसका वर्णन है। नव संवत् यानि संवत्सरों का वर्णन यजुर्वेद के 27वें व 30वें अध्याय के मंत्र क्रमांक क्रमशः 45 व 15 में विस्तार से दिया गया है। विश्व में सौर मण्डल के ग्रहों व नक्षत्रों की चाल व निरन्तर बदलती उनकी स्थिति पर ही हमारे दिन, महीने, साल और उनके सूक्ष्मतम भाग आधारित होते हैं।

इसी वैज्ञानिक आधार के कारण ही पाश्चात्य देशों के अंधानुकरण के बावजूद, चाहे बच्चे के गर्भाधान की बात हो, जन्म की बात हो, नामकरण की बात हो, गृह प्रवेश या व्यापार प्रारम्भ करने की बात हो, सभी में हम एक कुशल पंडित के पास जाकर शुभ लग्न व मुहूर्त पूछते हैं। और तो और, देश के बडे से बड़े राजनेता भी सत्तासीन होने के लिए सबसे पहले एक अच्छे मुहूर्त का इंतजार करते हैं जो कि विशुद्ध रूप से विक्रमी संवत् के पंचांग पर आधारित होता है। भारतीय मान्यतानुसार कोई भी काम यदि शुभ मुहूर्त में प्रारम्भ किया जाये तो उसकी सफलता में चार चांद लग जाते हैं। वैसे भी भारतीय संस्कृति श्रेष्ठता की उपासक है। जो प्रसंग समाज में हर्ष व उल्लास जगाते हुए एक सही दिशा प्रदान करते हैं उन सभी को हम उत्सव के रूप में मनाते हैं। राष्ट्र के स्वाभिमान व देश प्रेम को जगाने वाले अनेक प्रसंग चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से जुड़े हुए हैं। यह वह दिन है जिस दिन से भारतीय नव वर्ष प्रारम्भ होता है। आईये, इस दिन की महानता के प्रसंगों को देखते हैं –

ऐतिहासिक महत्व

- यह दिन सृष्टि रचना का पहला दिन है। इस दिन से एक अरब 97 करोड़ 39 लाख 49 हजार 109 वर्ष पूर्व इसी दिन के सूर्योदय से ब्रह्मा जी ने जगत की रचना प्रारंभ की।
- विक्रमी संवत का पहला दिन – उसी राजा के नाम पर संवत् प्रारंभ होता था जिसके राज्य में न कोई चोर हो, न अपराधी हो, और न ही कोई भिखारी हो। साथ ही राजा चक्रवर्ती सम्राट भी हो। सम्राट विक्रमादित्य ने 2067 वर्ष पहले इसी दिन राज्य स्थापित किया था।
- प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक दिवस – प्रभु राम ने भी इसी दिन को लंका विजय के बाद अयोध्या में राज्याभिषेक के लिये चुना।
- नवरात्र स्थापना – शक्ति और भक्ति के नौ दिन अर्थात, नवरात्र स्थापना का पहला दिन यही है। प्रभु राम के जन्मदिन रामनवमी से पूर्व नौ दिन उत्सव मनाने का प्रथम दिन।
- गुरू अंगददेव प्रगटोत्सव – सिख परंपरा के द्वितीय गुरू का जन्म दिवस।
- आर्य समाज स्थापना दिवस – समाज को श्रेष्ठ (आर्य) मार्ग पर ले जाने हेतु स्वामी दयानंद सरस्वती ने इसी दिन को आर्य समाज स्थापना दिवस के रूप में चुना।
- संत झूलेलाल जन्म दिवस – सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल इसी दिन प्रगट हुए।
- शालिवाहन संवत्सर का प्रारंभ दिवस –विक्रमादित्य की भांति शालिनवाहन ने हूणों को परास्त कर दक्षिण भारत में श्रेष्ठतम राज्य स्थापित करने हेतु यही दिन चुना।
- युगाब्द संवत्सर का प्रथम दिन – 5112 वर्ष पूर्व युधिष्ठिर का राज्यभिषेक भी इसी दिन हुआ।
- डा0 केशव राव बलीराम हैडगेबार जन्म दिवस – राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक थे।

प्राकृतिक महत्व

- वसंत ऋतु का आरंभ वर्ष प्रतिपदा से ही होता है जो उल्लास, उमंग, खुशी तथा चारों तरफ पुष्पों की सुगंधि से भरी होती है।
- फसल पकने का प्रारंभ यानि किसान की मेहनत का फल मिलने का भी यही समय होता है।
- नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं अर्थात् किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के लिये यह शुभ मुहूर्त होता है।

क्या एक जनवरी के साथ ऐसा एक भी प्रसंग जुड़ा है जिससे राष्ट्र प्रेम जाग सके, स्वाभिमान जाग सके या श्रेष्ठ होने का भाव जाग सके। आइये! विदेशी को फेंक स्वदेशी अपनाऐं और गर्व के साथ भारतीय नव वर्ष यानि विक्रमी संवत् को ही मनायें तथा इसका अधिक से अधिक प्रचार करें।

जीडीपी वृद्धि के अनुरूप रहेगी इस्पात की मांग

मुंबई। कोविड19 वैश्विक महामारी के प्रकोप के कारण वैश्विक आर्थिक गतिविधियां लगभग थम गई थीं लेकिन इस्पात उत्पादन करने वाली देश की सबसे पुरानी कंपनी टाटा स्टील 2021 में इस्पात की घरेलू मांग को लेकर काफी सकारात्मक है। टाटा स्टील के मुख्य कार्याधिकारी एवं प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने कहा कि हम सभी क्षेत्रों से रकम की आमद और कुल खपत में वृद्धि देख रहे हैं। बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सरकार के प्रयासों और आत्मनिर्भर भारत नीति एवं उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण इसमें तेजी आने की उम्मीद है। इसके अलावा ग्रामीण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर सरकार के ध्यान केंद्रित किए जाने से भी इस्पात की मांग में तेजी आएगी।%साल 2020 के आरंभ में वैश्विक महामारी की चरम अवधि के दौरान टाटा स्टील ने दमदार वित्तीय अनुशासन एवं नकदी प्रवाह बंधन के जरिये कारोबारी परिस्थितियों से निपटने में सफल रही। हमारा मानना है कि देश में इस्पात की मांग में वृद्धि होनी चाहिए और वित्त वर्ष 2022 में उसे जीडीपी वृद्धि के अनुरूप अथवा उससे अधिक होनी चाहिए। आमतौर पर भारत जैसे विकासशील देशों में इस्पात की मांग जीडीपी वृद्धि दर के मुकाबले कम रहती है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर इस्पात की मांग और इस्पात उद्योग एवं टाटा स्टील के प्रदर्शन को लेकर हमारा नजरिया सकारात्मक बना हुआ है।% वैश्विक स्तर पर इस्पात की कीमतों में तेजी बरकार रहने के आसार हैं क्योंकि चीन अपनी घरेलू जरूरतों को ध्यान में रखते हुए संभवतः बड़ी मात्रा में निर्यात नहीं करेगा।

यूरोपीय संघ, चीन के बीच बहुप्रतिक्षित निवेश समझौता हुआ

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष नेताओं और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच एक व्यवसायिक निवेश समझौते पर सहमति बन गई। इससे यूरोपीय कंपनियों को बड़े अवसर प्राप्त होंगे। हालांकि यह समझौता अमेरिका के नए प्रशासन का नाराज कर सकता है। चीन में मानव अधिकार की स्थिति को लेकर चिंता के बीच यूरोपीय संघ ने कहा है कि सात साल की लंबी बातचीत के बाद सैद्धांतिक तौर पर यह समझौता हुआ है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये बनी इस सहमति के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सला वान और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल उपस्थित थे। ईयू ने कहा कि ईयू की मौजूदा अध्यक्ष जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मेक्रां ने भी चीन के राष्ट्रपति के साथ बातचीत में भाग लिया। ईयू के आंकड़ों के मुताबिक चीन अब इस समूह का अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। जबकि ईयू चीन का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। चीन और यूरोप के बीच रोजाना औसतन एक अरब यूरो का व्यापार होता है।

आयकर और जीएसटी रिटर्न की तारीख बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने वित्त वर्ष 2020 21 के लिए आयकर और जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 15 फरवरी, 2021 तक बढ़ा दी है। इसके अलावा अन्य करदाताओं द्वारा आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा 10 जनवरी तक बढ़ा दी गई है। टैक्स ऑडिट की समयावधि भी 15 जनवरी, 2021 तक बढ़ा दी गई है। रिटर्न दाखिल करने की पिछली समय सीमा 31 दिसंबर थी। इसके अलावा 201920 के लिए जीएसटी वार्षिक रिटर्न अब 28 फरवरी, 2021 तक दर्ज किया जा सकता है। आईटी विभाग ने कहा है कि कोविड19 के प्रकोप के कारण वैधानिक अनुपालन को पूरा करने में करदाताओं के सामने जारी चुनौतियों के मद्देनजर, सरकार आगे के विभिन्न अनुपालन के लिए तारीखों का विस्तार कर रही है। कर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा इस साल महामारी के बीच कई बार बढ़ाई जा चुकी है और आम करदाताओं और अन्य व्यवसायों को राहत प्रदान करने के लिए अब एक और विस्तार दिया गया है।

दूसरी तिमाही में सरकार की देनदारियां बढ़कर 107 लाख करोड़ हुई: रिपोर्ट

नई दिल्ली। सरकार की कुल देनदारियां सितंबर, 2020 के आखिर तक बढ़कर 107.04 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गईं। जून के आखिर तक यह 101.3 लाख करोड़ रुपए थीं। इस तरह तिमाहीदरतिमाही आधार पर सरकार की देनदारियों में 5.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ। सार्वजनिक ऋण प्रबंधन पर ताजा तिमाही रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर, 2020 के आखिर तक कुल बकाया देनदारियों में सार्वजनिक ऋण का हिस्सा 91.1 प्रतिशत था। दूसरी तिमाही में दिनांकित प्रतिभूतियों के प्राथमिक निर्गम पर भारित औसत प्राप्ति और घटकर 5.80 प्रतिशत रह गई, जो पहली तिमाही 5.85 प्रतिशत थी। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 13 किस्तों में 4,20,000 करोड़ रुपए की दिनांकित प्रतिभूतियां जारी की गईं। सरकार ने पहली तिमाही में 3,46,000 करोड़ रुपए की दिनांकित प्रतिभूतियां जारी कीं। वहीं इससे पिछले साल की समान अवधि में 2,21,000 करोड़ रुपए की दिनांकित प्रतिभूतियां जारी की गई थीं।

मामूली बढ़त के साथ खुले बाजार

मुंबई। प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी वर्ष 2020 के आखिरी दिन गुरुवार को शुरुआती कारोबार के दौरान सीमित दायरे में थे और वित्तीय तथा ऊर्जा शेयरों की बढ़त को आईटी तथा एफएमसीजी शेयरों की गिरावट ने बराबर किया। बुधवार को कारोबार की शुरुआत नकारात्मक रुख के साथ हुई, हालांकि बाद में थोड़ा सुधार दर्शाते हुए 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक 17.84 अंक बढ़कर 47,764.06 पर था। एनएसई निफ्टी 2.25 अंक बढ़कर 13,984.20 पर था। इसमें शामिल 30 शेयर हरे निशान में थे। इस दौरान ओएनजीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी और बजाज फिनसर्व में तेजी रही, जबकि टीसीएस, इंफोसिस, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, एनटीपीसी और एसबीआई में गिरावट हुई। डेरिवेटिव श्रृंखला के गुरुवार को खत्म होने के कारण बाजार में अस्थिरता है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार अपने उच्चतम स्तर पर है, फिर भी एफपीआई लगातार भारतीय बाजारों में निवेश कर रहे हैं, जिसके चलते भारतीय बाजार रोज तेजी के नए रिकॉर्ड बना रहे हैं।

इंडियन बैंक ने बांड से 392 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। इंडियन बैंक ने लंबी अवधि के बांड से 392 करोड़ रुपए जुटाए हैं। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि उसने बासेल तीन अनुकूल एटी1 दीर्घकालिक बांड के जरिए 392 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इन बांड पर कूपन दर 8.44 प्रतिशत सालाना है। जिसका भुगतान वार्षिक आधार पर किया जाएगा। इससे पहले इसी महीने बैंक ने एटी1 (अतिरिक्त टियर1) बांड के जरिए 560 करोड़ रुपए जुटाए थे।

भारत में जल्द एंट्री करेगा रियलमी क्यू2

कंपनी ने लॉन्च से जुड़ी कोई जानकारी नहीं की साझा

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी द्वारा रियलमी क्यू2 स्मार्टफोन को जल्द भारत में लॉन्च किया जा सकता है। रियलमी क्यू2 को चीन में रियलमी क्यू2 प्रो के साथ अक्टूबर में चीन में लॉन्च किया गया था। ब्रिटेन में फोन को रियलमी 7 5जी नाम से पेश किया गया था। हालांकि, रियलमी ने अभी लॉन्च से जुड़ी कोई जानकारी साझा नहीं की है। लेकिन फोन को ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) वेबसाइट पर लिस्ट कर दिया गया है। इससे संकेत मिलते हैं कि रियलमी क्यू2 जल्द भारत में एंट्री कर सकता है। टिप्स्टर मुकुल शर्मा ने ट्विटर पर एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में नए रियलमी फोन को बीआईएस लिस्टिंग पर मॉडल नंबर आरएमएक्स 2117 के साथ देखा जा सकता है। यह मॉडल नंबर रियलमी क्यू2 से जुड़ा है। शर्मा ने कहा कि लिस्टिंग से पता चलता है कि रियलमी क्यू2 जल्द भारत में लॉन्च होगा। फोन में 5000 एमएएच बैटरी दी गई है जो 30वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। फोन का डाइमेंशन 162.2×75.1×9.1 मिलीमीटर और वजन 194 ग्राम है। बात करें कैमरे की तो फोन में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है। रियलमी क्यू2 में रियर पर अपर्चर एफ/1.8 के साथ 48 मेगापिक्सल प्राइमरी, 8 मेगापिक्सल वाइडऐंगल और 2 मेगापिक्सल मैक्रो सेंसर दिए गए हैं। रियलमी क्यू2 में सेल्फी के लिए अपर्चर एफ/2.1 के साथ 16 मेगापिक्सल फ्रंट सेंसर दिया गया है। रियलमी क्यू2 के 4 जीबी रैम व 128 जीबी स्टोरेज वेरिएंट को चीन में 1,299 चीनी युआन (करीब 14,600 रुपये) और 6 जीबी रैम व 128 जीबी स्टोरेज वेरिएंट को 1,399 चीनी युआन (करीब 15,800 रुपये) में लॉन्च किया गया था। भारत में भी फोन को इसी दाम के आसपास लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। ड्यूलसिम वाला रियलमी क्यू2 ऐंड्रॉयड 10 बेस्ड रियलमी यूआई पर चलता है। फोन में 6.5 इंच फुल एचडी+ डिस्प्ले दी गई है जिसका रिफ्रेश रेट 120 हर्ट्ज है। फोन में ऑक्टा कोर मीडियाटेक डाइमेंसिटी 800यू चिपसेट व 6 जीबी तक रैम है। हैंडसेट में 128 जीबी तक इनबिल्ट स्टोरेज मिलती है जिसे माइक्रोएसडी कार्ड के जरिए बढ़ाया जा सकता है।

रॉयल एनफील्ड हिमालयन नए अवतार में होगी पेश

नए लुक और स्मार्ट फीचर्स के साथ जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली। बेहद पॉप्युलर एडवेंचर सेगमेंट की बाइक रॉयल एनफील्ड हिमालयन साल 2021 में नए अवतार में पेश होने वाली है। हाल ही में 2021 रॉयल एनफील्ड हिमालयन को चेन्नै की सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया था। नई हिमालयन शानदार लुक और नए कलर के साथ ही स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ आ रही है, जिसमें ट्रिपर नैविगेशन सिस्टम, यूएसबी चार्जर जैसे फीचर्स भी देखने को मिलेंगे। नई हिमालयन में ऊपर से ज्यादा कॉस्मेटिक बदलाव नहीं दिखेंगे, लेकिन फीचर्स के मामले में इस बाइक में कई जबरदस्त बदलाव देखने को मिलेंगे। साल 2021 रॉयल एनफील्ड हिमालयन में कंपनी ने अपनी हालिया लॉन्च बाइक मेटयोर 350 की तरह स्मार्ट कनेक्टिविटी फीचर्स दिए हैं। यानी आप अपने स्मार्टफोन से ऐप के जरिये बाइक को कनेक्ट कर सकते हैं और कुछ खास सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। खासकर ट्रिपर नेविगेशन सिस्टम के जरिये राइडर को हर मोड़ की जानकारी मिलती है। माना जा रहा है कि अगले साल यानी 2021 के मार्च या अप्रैल में रॉयल एनफील्ड की नई हिमालयन को लॉन्च किया जा सकता है। रॉयल एनफील्ड न्यू हिमालयन में पहले की तरह ही 411 सीसी का सिंगल सिलिंडर इंजन लगा होगा, जो कि 24.3 बीएचपी की पावर और 32एनएम का पिक टॉर्क जेनरेट कर सकता है। 5 स्पीड गियरबॉक्स के साथ लॉन्च इस बाइक की भारत में कीमत फिलहाल 1.86 लाख रुपये से लेकर 1.91 लाख रुपए (एक्स शोरूम) तक है। रॉयल एनफील्ड की इस एडवेंचर बाइक का जबरदस्त क्रेज है और जो लोग बाइक से लंबी दूरी तय करना चाहते हैं, वह कम्फर्ट के लिए हिमालयन को जानते हैं। कंपनी ने बीते नवंबर में हिमालयन की 1550 यूनिट बेचीं, जो कि 95 फीसदी सालाना ग्रोथ के साथ है। भारत में एडवेंचर सेगमेंट की बाइक में केटीएम 250 और बजाज डोमीनार 400 के साथ आई हिमालयन का भी जलवा है। रॉयल एनफील्ड अगले साल नेक्स्ट जनरेशन क्लासिक 350 के साथ ही इंटरसेप्टर 350 जैसी बाइक भी लॉन्च करने वाली है। इसके साथ ही कंपनी ने ये भी घोषणा की है कि वह अगले 7 वर्षों तक हर साल 4 नई बाइक लॉन्च करेगी, जो कि अलग अलग सेगमेंट की होंगी।

कोरोमंडल इंटरनेशनल के प्रवर्तक ने 470 करोड़ में बेचे शेयर

नई दिल्ली। कोरोमंडल इंटरनेशनल की एक प्रवर्तक कंपनी ईआईडी पैरी इंडिया लिमिटेड ने कंपनी के 58 लाख से अधिक शेयर बेचे। खुले बाजार में हुई इस बिक्री से कंपनी को 469 करोड़ रुपए से अधिक मिले। बीएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार ईआईडी पैरी ने 803.19 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर 58.50 लाख शेयरों को बिक्री की। इस तरह यह सौदा कुल 469.8 6 करोड़ रुपए का हुआ। सितंबर तिमाही के आखिर तक ईआईडी पैरी के पास कोरोमंडल इंटरनेशनल में प्रवर्तक के तौर पर 58.42 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इसी प्रकार की एक अन्य बिक्री में सोसायटे जनरले ने खुली बाजार बिक्री के तहत पंजाब नेशनल बैंक के 1.44 करोड़ शेयर बेचे। बीएसई पर प्राप्त जानकारी के मुताबिक कंपनी ने 33.5 रुपए प्रति शेयर के औसत भाव पर पीएनबी के 1,44,76,000 शेयरों को बेचा। ये शेयर मारीशस की सेकांटी इंडिया ने अलग सौदे में इसी भाव पर खरीदे।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार 31 दिसंबर को पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकारी तेल कंपनियों ने लगातार 24वें दिन कोई बढ़ोतरी नहीं की है। दिल्ली में 20 नवंबर से अब तक 15 किस्तों में पेट्रोल 2.65 रुपए महंगा हो गया है। जबकि डीजल 3.41 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। दिल्ली में 31 दिसंबर को पेट्रोल के दाम कल के भाव 83.71 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम कल के भाव 73.87 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में भी पेट्रोल के दाम 90.34 रुपए प्रति लीटर है। डीजल 80.51 रुपए प्रति लीटर है। कोलकाता में भी पेट्रोल के भाव 8 5.19 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 77.44 रुपए प्रति लीटर है। चेन्नई में भी पेट्रोल के दाम 86.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 79.21 रुपए प्रति लीटर हैं। इसी तरह बेंगलुरु में भी पेट्रोल के दाम 8 6.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 78.31 रुपए प्रति लीटर है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में शामिल हुई आईएमजी वर्ल्डवाइड

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने स्पोर्ट्स मैनेजमेंट जॉइंट वेंचर आईएमजी रिलायंस लिमिटेड में आईएमजी वर्ल्डवाइड की हिस्सेदारी खरीद ली है। आरआईएल ने बताया कि कंपनी ने 28 दिसंबर 2020 को आईएमजीआर के इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण पूरा किया। इस तरह आईएमजीआर पूरी तरह उसके पूर्व स्वामित्व वाली कंपनी बन गई है। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वह खेल प्रबंध संयुक्त उद्यम में आईएमजी वर्ल्डवाइड की हिस्सेदारी 52.08 करोड़ रुपये में खरीदेगी। रिलायंस ने 2010 में इंटरनैशनल स्पोर्ट्स मार्केटिंग एवं मैनेजमेंट कंपनी आईएमजी वर्ल्डवाइड के साथ जॉइंट वेंचर बनाया था। इसका मकसद देश में स्पोर्ट्स और एंटरनेटमेंट को डेवलप करना, उसकी मार्केटिंग करना और उस मैनेज करना था। आईएमजी स्पोर्ट्स, फैशन, इवेंट्स और मीडिया के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर है। उसका कारोबार 30 से भी अधिक देशों में फैला है। यह कंपनी एंडेवर नेटवर्क का हिस्सा है। आईएमजीआर भारत में स्पोर्टिंग, फैशन और एंटरटेनमेंट इवेंट्स के क्रिएशन, मैनेजमेंट, इंप्लिमेंटेशन और कमर्शलाइजेशन के कारोबार से जुड़ी है। वित्त वर्ष 2020 में कंपनी का टर्नओवर 181.70 करोड़ रुपये और नेट प्रॉफिट 16.35 करोड़ रुपये रहा। बीएसई पर शुरुआती कारोबार में रिलायंस का शेयर 0.49 फीसदी की गिरावट के साथ 1979.40 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

मारुति जल्द लॉन्च कर सकती है बलेनो का हाइब्रिड वर्जन

टैस्टिंग के दौरान दिखी झलक, मिलेगा 32 किमी प्रति लीटर का माइलेज

नई दिल्ली। भारत में बढ़ रहे प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी अपनी कारों में बहुत बड़ा बदलाव करने जा रही है। हाल ही में मारुति सुजुकी बलेनो के हाइब्रिड मॉडल को टैस्टिंग के दौरान देखा गया है। माना जा रहा है कि इस कार को एआरएआई प्रमाण के लिए टैस्ट किया जा रहा है। कार के रियर वाले दोनों व्हील्स पर इलैक्ट्रिक मोटर लगाई गई है, वहीं पावर सप्लाई के लिए केबलिंग का भी इस्तेमाल हुआ है। जानकारी के मुताबिक यह कार बैटरी पर ही 25 से 30 किलोमीटर की रेंज प्रदान करती है। मारुति बलेनो में अगर माइल्ड हाइब्रिड इंजन का इस्तेमाल होता है तो इसके पेट्रोल इंजन के साथ एक इंटीग्रेटिड जनरेटर स्टार्टर लगाया जाएगा जिसे कि एक 48 वोल्ट की बैटरी पावर देगी। यह स्टार्टर इंजन को और भी बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है, इससे ईंधन की बचत होगी और बेहतर माइलेज मिलेगा। माना जा रहा है कि कारों में इस तकनीक को शामिल करने के बाद प्रदूषण पर कुछ हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा। रिपोर्ट के मुताबिक बलेनो के हाइब्रिड वर्जन में 1.2 लीटर का ड्यूलजैट इंजन लगा होगा जिसे कि 10 किलोवॉट की इलैक्ट्रिक मोटर के साथ अटैच किया गया होगा। यह इलैक्ट्रिक मोटर अलग से 13.4 बीएचपी की पावर प्रदान करेगी। अनुमान है कि बलेनो का यह मॉडल 32 किलोमीटर प्रति लीटर की माइलेज दे सकेगी।

महामारी के दौरान डिजिटल इंडिया ने प्रभावी और उल्लेखनीय परिणाम दिए: प्रसाद

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि महामारी के दौरान डिजिटल इंडिया की दक्षता और ताकत साबित हुई है। महामारी के दौरान डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने प्रभावी और उल्लेखनीय नतीजे दिए हैं। प्रसाद ने कहा कि महामारी के चुनौतीपूर्ण समय में इस कार्यक्रम ने डिजिटल अंतर को दूर करने में भूमिका निभाई और साथ ही समावेश में भी मदद की। डिजिटल इंडिया एक बदलाव लाने वाला कार्यक्रम है, जिसकी शुरुआत 2015 में हुई। साढ़े पांच साल में महामारी ने डिजिटल इंडिया की दक्षता के परीक्षण का एक बड़ा अवसर दिया। प्रसाद ने वर्चुअल तरीके से आयोजित डिजिटल इंडिया पुरस्कार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि सब कुछ असाधारण है, लेकिन डिजिटल इंडिया पारिस्थितिकी तंत्र ने प्रभावी और उल्लेखनीय तरीके से नतीजे दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह उल्लेखनीय बात है कि इस बार डिजिटल इंडिया पुरस्कार डिजिटल तरीके से दिए जा रहे हैं। महामारी के दौरान कारोबार क्षेत्र की निरंतरता में योगदान के लिए संचार एवं आईटी क्षेत्र की भूमिका की सराहना करते हुए प्रसाद ने कहा कि केंद्र, राज्यों, विभिन्न सरकारी एजेंसियों और जिला प्रशासन सभी ने सेवाओं की डिजिटल आपूर्ति सुनिश्चित की। सरकारी इकाइयों के 22 डिजिटल संचालन पहल, उत्पादों को छह श्रेणियों में डिजिटल इंडिया पुरस्कार 2020 दिए गए। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये डिजिटल इंडिया पुरस्कार प्रदान किए।

लियोनेल मेसी की गैरमौजूदगी में बार्सीलोना को ऐबार ने ड्रॉ पर रोका

लगातार दूसरे ड्रॉ के बाद बार्सीलोना छठे स्थान पर खिसका

बार्सीलोना। चोटिल लियोनेल मेसी की गैर मौजूदगी में बार्सीलोना को स्पेनिश लीग फुटबॉल में ऐबार के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। ऐबार के किके गार्शिया ने शुरुआती दस मिनट में ही गोल कर दिया था। बार्सीलोना के लिए बराबरी का गोल 67वें मिनट में उस्मान डेम्बेले ने किया। लगातार दूसरे ड्रॉ के बाद बार्सीलोना छठे स्थान पर खिसक गई है। मेसी ने एड़ी की चोट के कारण यह मैच नहीं खेला। अन्य मैचों में सेविला ने विलारीयाल को हराया। वहीं लेवांटे ने रीयाल बेटिस पर 4-3 से जीत दर्ज की। वाल्लाडोलिड ने कैडिज से 1-1 से ड्रॉ खेला।

प्रीमियर लीगः मैनचेस्टर युनाइटेड ने वोल्वस को हराया

मैनचेस्टर। स्टाइकर मार्कस रशफोर्ड द्वारा इंजुरी टाइम में किए गए गोल की मदद से मैनचेस्टर युनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेले गए मुकाबले में वोल्वस को 1–0 से हरा दिया। मंगलवार रात यहां ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में खेले गए मुकाबले में मेजबान मैनचेस्टर युनाइटेड और वोल्वस की टीम हाफ टाइम तक गोलरहित ड्रॉ पर थी। वहीं, दूसरे हाफ में भी निर्धारित समय तक दोनों ही टीमें अपना खाता नहीं खोल पाई थी। लेकिन इंजुरी टाइम में रशफोर्ड ने शानदार गोल करते हुए मैनचेस्टर युनाइटेड को 1–0 की जीत दिला दी। रशफोर्ड का जुलाई के बाद से ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर यह पहला गोल था। इस जीत के बाद मैनचेस्टर युनाइटेड की टीम अंकतालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है और अब वह मौजूदा चैम्पियन तथा टेबल टॉपर लिवरपूल से दो अंक ही पीछे है।

लीड्स युनाइटेड ने वेस्ट ब्रोम को 5-0 से दी शिकस्त

लीड्स। पहले हाफ में किए गए शानदार चार गोलों की मदद से लीड्स युनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेले गए मुकाबले में वेस्ट ब्रोम को 5–0 से करारी शिकस्त दी। वेस्ट ब्रोम की टीम को अपने पिछले मुकाबले में रविवार को मौजूदा चैम्पियन लिवरपूल से 1–1 से ड्रॉ खेलना पड़ा था, लेकिन इस मैच में टीम पूरी तरह से विफल रही। लीडस ने पहले ही हाफ में चार दाग दिया। हालांकि पहला गोल उसे आत्मघाती गोल के रूप में मिला जब वेस्ट ब्रोम के मिडफील्डर रोमैन सावयर्स नौवें मिनट में बॉल को अपने ही नेट में मार बैठे। इसके बाद एजगान एलियोस्की ने 31वें, जैक हैरिसन ने 36वें और रोड्रिगो ने 40वें मिनट में गोल किया। लीडस के लिए पांचवां गोल दूसरे हाफ में डियास बेलोई ने दूसरे हाफ में 72वें मिनट में किया। 16 साल के बाद पिछले साल जुलाई में टॉप लीग में शामिल होने वाली लीडस 16 मैचों से अब 23 अंक हो गए हैं और वह 11वें नंबर पर पहुंच गई है।

दूसरे टेस्ट के लिए हेंड्रिक्स दक्षिण अफ्रीका टीम में शामिल

चोटिल प्रीटोरियस टीम से बाहर

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए बेयुरान हैंड्रिक्स को टीम में शामिल किया है।

साथ ही मिग्युएल प्रीटोरियस को टीम से रिलीज कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रीटोरियस को टीम से रिलीज करने का कारण तेज गेंदबाज को दाएं कंधे में लगी चोट थी। 25 साल का यह गेंदबाज अब बायो सिक्योर बबल छोड़कर अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ेगा। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका वंडर्स स्टेडियम में तीन से सात जनवरी के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेलेंगी। हेंड्रिक्स ने अभी तक सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है वो भी इसी साल जनवरी में इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ। वह दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम के साथ अभ्यास करना शुरू करेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को कोविड-19 संबंधी सभी नियमों और बायो सिक्योर बबल में शामिल होने के सभी प्रोटोकॉल्स के पूरा करने के बाद टीम के साथ जोड़ा जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले मैच में श्रीलंका को पारी और 45 रनों से हरा सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है।

कोरोना ने बल्लेबाजों से ज्यादा गेंदबाजों का जीवन किया प्रभावित

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कोच मार्क बाउचर ने दक्षिण अफ्रीका की श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में एक पारी और 45 रन से जीत के बाद सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस ने बल्लेबाजों से ज्यादा गेंदबाजों के जीवन को ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों के लिये अपनी फिटनेस पर काम करना आसान है और वे कई अन्य प्रकार के व्यायाम कर सकते हैं, लेकिन लगातार 20 ओवर फेंकना मुश्किल है। गेंदबाजों को खेल की स्थिति में ढलने की कोशिश करनी होगी, क्योंकि उन्हें सुबह 10 ओवर फेंकने के बाद फिर दोपहर में भी 10 ओवर फेंकने पड़ सकते हैं। गेंदबाजों से केवल यह अपेक्षा नहीं की जा सकती है कि सिर्फ छह ओवर फेंकने ही होंगे और सोचेंगे कि वे टेस्ट मैच के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हुए डेविड वार्नर

जो बर्न्स टीम से बाहर

मेलबर्न। चोट के कारण पहले दो टेस्ट से बाहर रहे खतरनाक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर सात जनवरी से सिडनी में भारत के खिलाफ होने वाले तीसरे टेस्ट और 15 जनवरी से ब्रिस्बेन में होने वाले चौथे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल कर लिए गए हैं जबकि जो बर्न्स को टीम से बाहर कर दिया गया है। टीम में विल पुकोवस्की और सीन एबोट को भी शामिल किया गया है। ये तीनों खिलाड़ी सिडनी टेस्ट की तैयारी के लिए गुरूवार को मेलबर्न में टीम के साथ जुड़ेंगे।

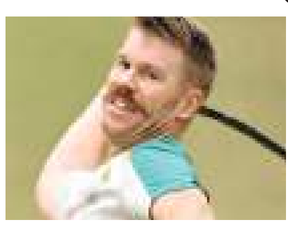

ऑस्ट्रेलिया टीम: टिम पेन (कप्तान), पैट कमिंस, सीन एबोट, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, मार्कस हैरिस, ट्रेविस हैड, मोएसिस हेनरिक्स, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, जेम्स पेटिनसन, विल पुकोवस्की, स्टीवन स्मिथ, माइकल स्टार्क, माइकल स्वेप्सन, मैथ्यू वेड और डेविड वार्नर।

भारतीय टीम से जुड़े रोहित

सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा आस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जनवरी से सिडनी में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले बुधवार को भारतीय टीम से जुड़ गए। भारतीय टीम ने बुधवार को एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें रोहित टीम होटल में प्रवेश करते हुए दिखाई दे रहे हैं और टीम स्टाफ के साथ बैठक के साथ करते हुए दिखाई दे रहे हैं। रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने के बाद सिडनी में क्वारंटान पूरा करने के बाद मेलबर्न में टीम से जुड़े हैं। बीसीसीआई ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, देखिए, मेलबर्न में कौन टीम इंडिया के साथ जुड़े हैं। टीम के साथ जुड़ने पर रोहित शर्मा का शानदार स्वागत।

होल्डर व पोलार्ड सहित विंडीज के प्रमुख 12 खिलाड़ी बांग्लादेश दौरे से हटे

क्रैग ब्रैथवेट और जैसन मोहम्मद बने टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान

पोर्ट ऑफ स्पेन। जैसन होल्डर, कीरोन पोलार्ड और निकोलस पूरन सहित वेस्टइंडीज के प्रमुख 12 खिलाड़ी कोरोना वायरस महामारी और व्यक्तिगत कारणों को लेकर बांग्लादेश के आगामी दौरे से हट गए हैं।

होल्डर, पोलार्ड और पूरन के अलावा शिमरॉन हेटमायर, डेरेन ब्रावो, शामरह ब्रूक्स, रोस्टन चेज, शेल्डन कॉट्रेल, एविन लुईस और शाई होप इस दौरे से हट गए हैं जबकि फेबियन एलन और शेन डावरिच व्यक्तिगत कारणों से खुद ही दौरे से हट गए हैं। होल्डर और पोलार्ड की अनुपस्थिति में क्रैग ब्रैथवेट और जैसन मोहम्मद को क्रमशः टेस्ट और वनडे टीमों का कप्तान बनाया गया है। वेस्टइंडीज की टीम 10 जनवरी को बांग्लादेश पहुंचेगी। वह 20, 22 और 25 जनवरी को बांग्लादेश के साथ तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके बाद तीन और 11 फरवरी को टेस्ट मैच खेले जाएंगे। क्रिकेट वेस्ट इंडीज ने बुधवार को कहा कि क्रिकेट वेस्ट इंडीज की कोरोना नीति किसी भी खिलाड़ी को उसकी खुद की सुरक्षा की आशंका या चिंताओं के आधार पर उसे विदेशी दौरे के चयन से बाहर रहने की अनुमति देती है। इस तरह के फैसले भविष्य में चयन के लिये उनके विचार को प्रभावित नहीं करेंगे।

बांग्लादेश दौरे के लिए वेस्टइंडीज टेस्ट टीम: क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), जर्मेन ब्लैकवुड (उप–कप्तान), नकरमाह बोनर, जॉन कैम्पबेल, रकीम कॉर्नवाल, जोशुआ डी सिल्वा, शैनन गेब्रियल, केवम हॉज, अल्जारी जोसेफ, काइल मेयर, शाइनी मोसेले, वीरासामी परमॉल, केमार रोच, रेमन रिफर, जोमेल वार्रिकान।

वनडे टीम: जेसन मोहम्मद (कप्तान), सुनील एम्ब्रिस (उप–कप्तान), नकरमाह बोनर, जोशुआ डी सिल्वा, जेहमर हैमिल्टन, केमार होल्डर, अकील होसैन, अल्जारी जोसेफ, काइल मेयर, आंद्रे मैकार्थी, कजर्न ओटले, रॉमन पॉवेल, रेमन रेफर, रोमारियो शेफर्ड, हेडन वाल्श जूनियर।

जनवरी 2021 में अर्जेंटीना के दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

17 जनवरी से मेजबान टीम के खिलाफ खेलेगी आठ मैच

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम जनवरी 2021 में अर्जेंटीना के दौरे पर जाएगी। करीब एक साल के लंबे अंतराल के बाद टीम का यह पहला अंतर्राष्ट्रीय दौरा होगा।

इस संबंध में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी ने कहा, इस दौरे की योजना खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बहुत सावधानी से बनाई गई है और हम मौजूदा कोरोना वायरस महामारी के बावजूद प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने के लिये हॉकी इंडिया और स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) के बहुत आभारी हैं। उन्होंने बताया कि 25 खिलाड़ियों और 7 सहायक कर्मचारियों के कुल कोर समूह समेत टीम तीन जनवरी को नई दिल्ली से अर्जेंटीना के लिए रवाना होगी और यहां 17 जनवरी से मेजबान टीम के खिलाफ आठ मैच खेलेगी। रानी ने कहा, जुलाई 2021 में ओलंपिक खेलों के लिए टोक्यो पहुंचने से पहले हमारे पास 200 से अधिक दिन हैं और अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मैच खेलना बहुत महत्वपूर्ण है। टीम इस अवसर के लिए काफी उत्साहित है और इस दौरे को उत्सुकता से देख रही है, यह मौका हमें उस स्तर को समझने में मदद करेगा जो हम बेंगलुरु में लगभग पांच महीने लंबे राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के बाद कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस महामारी के सभी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को प्रभावित करने और इनमें अचानक रुकावट पैदा करने के बाद यह पहली बार होगा जब ओलंपिक खेलों की तैयारी कर रही भारतीय हॉकी टीम को एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए यात्रा करने की सरकारी मंजूरी मिली है। भारतीय महिला टीम ने आखिरी बार जनवरी 2020 में एक अंतर्राष्ट्रीय दौरे में भाग लिया था जब वह पांच मैचों की श्रृंखला के लिये न्यूजीलैंड गई थी।हॉकी इंडिया और मेजबान नेशनल एसोसिएशन ने अर्जेंटीना की महिला टीम और भारतीय महिला टीम दोनों को संक्रमण से बचाने के लिये बाहरी लोगों का संपर्क न्यूनतम करने की पुख्ता योजना(बायो बबल) बनाई है।

ओलंपिक में विजेंदर की उपलब्धि दोहराएंगे विकास

तीसरी बार ओलंपिक में भाग लेने वाले दूसरे भारतीय पुरूष मुक्केबाज बनेंगे

जयपुर। स्टार मुक्केबाज विकास कृष्ण यादव अपने जीवन के तीसरे ओलंपिक में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार है जो कुछ ही महीनो में टोक्यो में आयोजित होने वाले हैं। वह ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय पुरूष मुक्केबाज बनेंगे।

उनसे पहले यह उपलब्धि विजेंदर सिंह के पास है, जिन्होंने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। अपने कोच रोनाल्ड सिम्स के साथ अमेरिका में पिछले कुछ महीनों से प्रशिक्षण ले रहे अनुभवी भारतीय मुक्केबाज अब अपने देश में वापस आ गए हैं और अपनी यात्रा पर चर्चा करने के लिए स्पोर्ट्स टाइगर के शो बिल्डिंग ब्रिज से जुड़े। उनका लक्ष्य अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना, ओलम्पिक में पदक जीतना और मुक्केबाजी में अपना योगदान देना है। ओलंपिक खेलों में भाग लेने जा रहे 28 वर्षीय खिलाड़ी का मानना है कि यह उनके लिए भाग्यशाली होगा कि वह तीसरी बार ओलंपिक में भाग ले रहे हैं और वह ओलंपिक क्वालीफिकेशन अभियान में सफलता प्राप्त करने के बाद देश के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त करना चाहते है।

मेरा उद्देश्य देश के लिए स्वर्ण जीतना: विकास

विकास ने कहा, मेरा उद्देश्य इस बार देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। मैंने दो बार देश का प्रतिनिधित्व किया है लेकिन अब स्वर्ण पदक को हथियाने का समय आ गया है। उन्होंने यह भी कहा, मैं दुनिया को दिखाने जा रहा हूं कि मुक्केबाजी एक कला है। विकास से जब शो में भारतीय दल पर उनके विचारों के बारे में भी पूछा गया तब उन्होंने कहा, हमें काफी मजबूत टीम मिली है, हमारी टीम में अमित पंघल और मनीष कौशिक जैसे खिलाड़ी हैं जो विश्व चैंपियनशिप में पदक जीत चुके हैं। ये खिलाड़ी दुनिया के किसी भी खिलाड़ी को हराने में सक्षम हैं।

कोई भी इतना ताकतवर नहीं जो इरादे तोड़ सके

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत जल्द ही मैदान पर वापसी करते हुए नजर आएंगे। अगले महीने शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए केरल की ओर से खेलते नजर आएंगे। श्रीसंत सात साल बाद मैदान पर वापसी करेंगे। शांताकुमारन श्रीसंत को मैच फिक्सिंग के आरोपों में लिप्त पाया गया था। जिसके बाद बीसीसीआई ने उनपर सात साल का प्रतिबंध लगा दिया था। अब बैन के बाद श्रीसंत का यह पहला टूर्नामेंट होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल में स्पॉट फिक्सिंग में कथित भागीदारी के कारण श्रीसंत पर प्रतिबंध लगाया था। सात साल बाद मैदान पर वापसी को लेकर श्रीसंत भी काफी खुश नजर आ रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि कोई भी इतना मजबूत नहीं होता जो इंसान को तोड़ सके जोकि अपने आपको मजबूत रखता है।

मोहम्मद अजहरुद्दीन की कार टायर फटने से पलटी, बाल–बाल बचे

कोटा। राजस्थान में रणथम्भौर घूमने जा रहे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन की कार के बुधवार को सवाईमाधोपुर के पास टायर फटने से पलटने से एक युवक घायल हो गया। घटना में एयरबैग खुल जाने के कारण कार में आगे बैठे लोगों को चोट नहीं आई। हादसे में अजहरुद्दीन के साथ के लोग बाल–बाल बच गए। हालांकि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। अजहरुद्दीन अपनी कार में तीन लोगों के साथ सवाईमाधोपुर आ रहे थे। सूरवाल में फूल मोहम्मद चैराहे पर कार का पिछला टायर फट गया जिससे कार पलटकर गलत साइड़ जाकर एक होटल में घुस गयी। हादसे में होटल में काम करने वाला एक युवक घायल हो गया। हादसे के बाद अजहरुद्दीन और उनके साथ बैठे लोगों के पास के होटल में ले जाया गया है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की अगुआई करेंगे राहुल

पुणे। आक्रामक बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप में महाराष्ट्र की 20 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। इस टी20 टूर्नामेंट के साथ अगले महीने 2020–21 घरेलू सत्र की शुरुआत होगी। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने बुधवार को टीम की घोषणा की। त्रिपाठी के अलावा भारतीय आलराउंडर केदार जाधव और इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से प्रभावी प्रदर्शन करने वाले रुतुराज गायकवाड़ को भी टीम में जगह मिली है। महाराष्ट्र को एलीट ग्रुप सी में गुजरात, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, बड़ौदा और उत्तराखंड के साथ रखा गया है। इस ग्रुप के सभी लीग मैच वडोदरा में होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 10 जनवरी से होगी। टीम इस प्रकार है: राहुल त्रिपाठी (कप्तान), रुतुराज गायवड़, नौशाद शेख, केदार जाधव, रणजीत निकम, अजीम काजी, निखिल नाईक, विशांत मोरे, सत्यजीत बचाव, तरणजीत सिंह ढिल्लों, एस काजी, प्रदीप डाधे, मुकेश चौधरी, मनोज इनग्ले, दिव्यांग हिनगांकर, राजवर्धन हंगारगेकर, जगदीश जोप, स्वप्निल गुगाले, धनराज परदेसी और सत्री पंडित।

थाईलैंड में दो टूर्नामेंटों में सिंधू को आसान और साइना को कड़ा ड्रा

नई दिल्ली। ओलंपिक रजत पदक विजेता पी वी सिंधू को थाइलैंड में होने वाले टूर्नामेंटों में आसान ड्रा मिला है लेकिन उन्हीं की तरह कोविड-19 महामारी के कारण लगभग 10 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वापसी करने वाली साइना नेहवाल को कड़ा ड्रा मिला है। मार्च में आल इंग्लैंड चैंपियनशिप के बाद बीडब्ल्यूएफ को अपने कई टूर्नामेंट स्थगित या रद्द करने पड़े थे। उसने इसके बाद केवल दो टूर्नामेंट डेनमार्क ओपन और सारलोरलक्स ओपन का आयोजन किया था जिनमें सिंधू और साइना में से कोई नहीं खेला था। अब सभी खिलाड़ियों की निगाहें दो सुपर 1000 प्रतियोगिताओं योनेक्स थाईलैंड ओपन (12 से 17 जनवरी) और टोयोटा थाईलैंड ओपन (19 से 24 जनवरी) पर टिकी रहेंगी जिनमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खेलेंगे। विश्व चैंपियन और छठी वरीयता प्राप्त सिंधू शुरुआती टूर्नामेंट के पहले दौर में डेनमार्क की मिया ब्लिचफील्ड से भिड़ेगी जबकि हाल में कोविड-19 से उबरने वाली साइना को शुरू में ही जापान की नोजोमी ओकुहारा का सामना करना होगा।

आर्सेनल ने ब्राइटन को 1–0 से हराया

ब्राइटन। सबस्टीयूट एलेक्जेंद्र लाकाजटे के शानदार गोल के दम पर आर्सेनल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेले गए मुकाबले में ब्राइटन को 1–0 से शिकस्त दी। प्रीमियर लीग में किसी भी सबस्टीयूट का यह सबसे तेज गोल है। लाकाजटे ने मैदान पर कदम रखने के 16 सेकेंड के अंदर ही गोल दाग दिया। उनसे पहले मैनचेस्टर सिटी के बर्नाडो सिल्वा ने 2019 में ब्राइटन के खिलाफ ही सबस्टीयूट के रूप में मैदान पर कदम रखने के 17 सेकेंड के अंदर ही गोल कर दिया थाआर्सेनल के लिए लाकाजटे ने साका के असिस्ट पर 66वें मिनट में गोल किया। आर्सेनल की सितंबर के बाद से यह लगातार दूसरी जीत है। इस जीत के बाद आर्सेनल 20 अंकों के साथ तालिका में 13वें नंबर पर पहुंच गई है, जबकि ब्राइटन 17वें नंबर पर है।

अभी कई वर्षों तक खेलना चाहते हैं रोनाल्डो

तूरिन। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो फरवरी में 36 साल के हो जाएंगे लेकिन उनका संन्यास लेने या मैचों की संख्या कम करने का कोई इरादा नहीं है। युवेंटस और पुर्तगाल के इस स्टार ने कहा, मैं अब भी बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं फुर्तीला हूं और अपनी जिंदगी के अच्छे दौर में हूं। उन्होंने कहा, मुझे अधिक से अधिक वर्षों तक खेलने की उम्मीद है लेकिन भविष्य के गर्त में क्या छिपा है कोई नहीं जानता। इस स्टार स्ट्राइकर को अभी युवेंटस के साथ एक और सत्र बिताना है। उनका अनुबंध 2022 में समाप्त होगा और वह तब भी संन्यास पर विचार नहीं करेंगे। रोनाल्डो ने कहा, अगर आप खेलने के लिये प्रेरित महसूस करते हैं तो यह मायने नहीं रखता। क्रिस्टियानो अब अच्छा है। उन्होंने कहा, जब मैं युवाओं से बात करता हूं तो उन्हें यही सलाह देता हूं कि अभी इस पल का पूरा आनंद लो क्योंकि हम नहीं जानते कि कल क्या होगा।

पाकिस्तान को हराकर टेस्ट में नंबर वन बना न्यूजीलैंड

फवाद आलम ने 11 साल के बाद जड़ा दूसरा टेस्ट शतक, लेकिन पाक को हार से नहीं बचा पाए

माउंट मौंगानुई। न्यूजीलैंड ने 4.3 ओवर शेष रहते पाकिस्तान के संघर्ष पर काबू पा लिया और पहला टेस्ट बुधवार को 101 रन से जीतकर दो टेस्टों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड इस जीत के साथ आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंच गया है। पाकिस्तान ने 373 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन विकेट पर 71 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और दिन की समाप्ति से मात्र 4.3 ओवर पहले उसकी पारी 271 रन पर सिमटी। न्यूजीलैंड को पाकिस्तान की पारी समेटने में अंत तक संघर्ष करना पड़ा। फवाद आलम ने एकतरफा संघर्ष करते हुए 102 रन बनाये जबकि मिशेल सेंटनर ने आखिरी बल्लेबाज नसीम शाह को अपनी ही गेंद पर लपक कर पाकिस्तान की पारी का 123.3 ओवर में समापन किया। न्यूजीलैंड इस जीत के साथ आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंच गया है। न्यूजीलैंड के अब 117 अंक हो गए हैं। न्यूजीलैंड के इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के बराबर 116 अंक थे लेकिन दशमलव के बाद की गणना में ऑस्ट्रेलिया पहले और न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर था। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 101 रन से हराया जिसका उसे रैंकिंग में फायदा मिला और वह पहले स्थान पर पहुंच गया। न्यूजीलैंड के पहली पारी के 431 रन के विशाल स्कोर के जवाब में पाकिस्तान की पहली पारी 239 रन पर सिमट गयी थी। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 180 रन पर घोषित की और पाकिस्तान के सामने 373 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा। पाकिस्तान ने आखिरी दिन हार टालने का भरपूर प्रयास किया लेकिन अंतिम ओवरों में उसका संघर्ष टूट गया। आलम ने 11 साल के लम्बे अंतराल के बाद अपना दूसरा टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने अपना पहला शतक 2009 में बनाया था।आलम को नील वेगनर ने छठे बल्लेबाज के रूप में टीम के 242 के स्कोर पर आउट किया। आलम ने 269 गेंदों पर 102 रन में 14 चौके लगाए। फहीम अशरफ ने 19 रन बनाए। पाकिस्तान के आखिरी छह विकेट 31 रन जोड़कर गिरे।

टीम इंडिया दूसरे स्थान पर बरकरार

दुबई। टीम इंडिया ने मेलबर्न टेस्ट जीतकर स्वयं को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अगले साल होने वाले फाइनल में खेलने की दौड़ में बरकार रखा है। भारत अंक तालिका में दूसरे स्थान पर कायम है। भारत ने मेलबर्न में आठ विकेट से जीत के साथ 30 अंक हासिल किए। टीम के 390 अंक हैं और वह 72.2 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बरकरार है। भारत के खिलाफ जुर्माने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की टीम शीर्ष पर चल रही है। उसके 322 अंकों के साथ 76.6 प्रतिशत अंक हैं। पहले टेस्ट में पाकिस्तान पर 101 रनों की जीत के साथ न्यूजीलैंड ने तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। टीम को इस जीत से 60 अंक मिले और उसके 66.7 प्रतिशत अंक हो गए हैं। भारत अंकों के आधार पर शीर्ष पर है, लेकिन आईसीसी ने कोरोन के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सत्र में व्यवधान के बाद पिछले महीने अंक प्रणाली में संशोधन किया था। अब शीर्ष दो टीमों का फैसला प्रतिशत अंकों के आधार पर होगा।

एशियाई पैदल चाल प्रतियोगिता रद्द

नई दिल्ली। जापान के नोमी में 21 मार्च 2021 को होने वाली एशियाई पैदल चाल प्रतियोगिता को कोरोना महामारी के चलते रद्द कर दिया गया है। एशियाई एथलेटिक्स संघ, स्थानीय आयोजन समिति और जापान एथलेटिक्स महासंघ ने प्रतियोगिता को रद्द करने का फैसला किया है। एशियाई एथलेटिक्स संघ ने साथ ही सदस्य महासंघों को सूचित किया है कि कुवैत सिटी में पहली से चार मार्च तक होने वाली चौथी युवा एथलेटिक्स प्रतियोगिता को स्थगित कर दिया है और अब इसका आयोजन अक्टूबर 2021 में होगा।

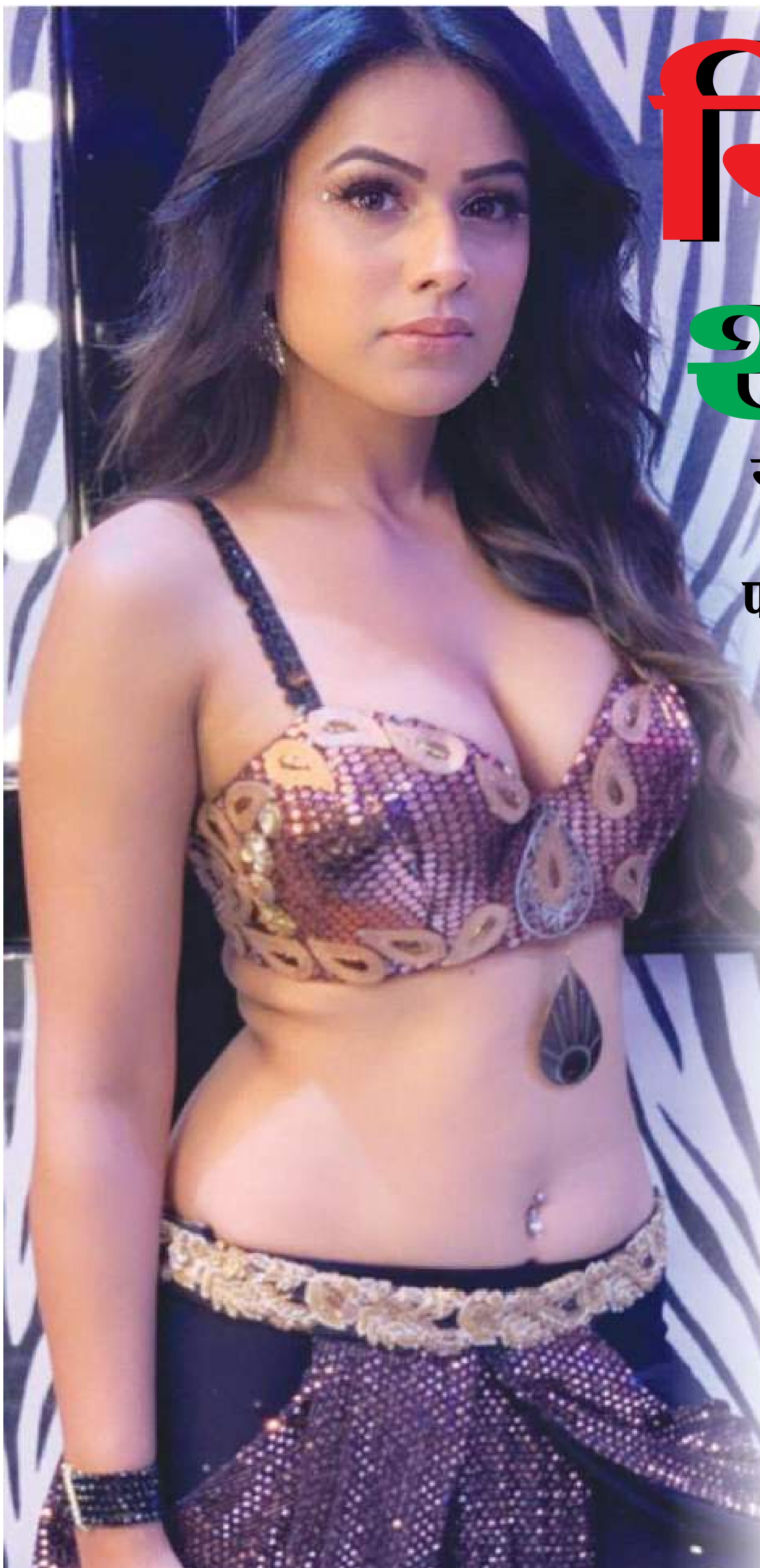

निया शर्मा ने वॉलीबॉल के साथ बिकनी में कराया फोटोशूट, तस्वीरें हुई वायरल

टीवी कलाकार निया शर्मा ने बीच पर वॉलीबॉल खेलते हुए अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैद्य इसमें उन्हें गोल्डन और ब्लैक बिकनी में देखा जा सकता है। तस्वीरों में निया शर्मा काफी ग्लैमरस लग रही हैद्य निया शर्मा टेलीविजन इंडस्ट्री की हॉट और ग्लैमरस एक्ट्रेस है, हर कोई उन्हें देखना पसंद करता है। हाल ही में वह नागिन 4 में नजर आई थीद्य उनकी फैशन सेंस की सभी दीवाने हैंद्य उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कई हॉट तस्वीरें शेयर की है।

अब निया शर्मा ने हाल ही में अपना फोटो शूट कराया हैद्य इसमें वह काफी ग्लैमरस लग रही है।वह बीच पर वॉलीबॉल खेलते हुए नजर आ रही है।निया शर्मा इन तस्वीरों में गोल्डन और ब्लैक बिकनी पहने नजर आ रही हैद्य निया वॉलीबॉल के साथ पोज कर रही है।

निया शर्मा तस्वीरों में बहुत खूबसूरत लग रही है। उन्होंने लिखा है, जब आप गलती से ब्राउज़र की बोतल अपने शरीर पर गिरा लेते हैं।

यह पहली बार नहीं है जब निया शर्मा ने बिकनी में अपनी तस्वीरें पोस्ट की होद्य इसके पहले भी वह जमाई राज के अभिनेता रवि दुबे के साथ ग्लैमरस तस्वीर में नजर आ चुकी हैद्य निया शर्मा गोवा में एंजॉय कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं रिहाना नहीं हूं,हर मुझे आपका यह झूठ पसंद नहीं हैद्य निया शर्मा अपनी लाइफ खुलकर जी रही है।

निया शर्मा टेलीविजन एक्ट्रेस हैद्य वह कई शो में नजर आ चुकी हैं। उनकी सोशल मीडिया पर भी काफी फैन फॉलोइंग हैं। निया शर्मा की तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होती हैद्य निया शर्मा ने कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं।

निया शर्मा ने इसके पहले भी बिकिनी में कई तस्वीरें शेयर की हैं।जिन्हें भी फैंस ने पसंद किया हैंद्य निया शर्मा फोटो को मिल रहे रिस्पांस के चलते ऐसे दमदार फोटोशूट कराती हैं।

Sidharth Shukla And Shehnaaz Gill Video: शहनाज गिल सिद्धार्थ शुक्ला के साथ गोवा में कर रही है पार्टी

सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल दोस्त रियाज अली के साथ अपने हालिया रिलीज सिंगल शोना-शोना गाने पर गोवा में पार्टी करती नजर आएद्य बिग बॉस 13 की फेमस जोड़ी सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल गोवा में मस्ती कर रहे हैंद्य दोनों की सोशल मीडिया पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग हैद्य दोनों परसों ही गोवा के लिए रवाना हुए हैंद्य इसके पहले शहनाज गिल बिग बॉस 14 में सलमान खान के साथ थीद्य उन्होंने सलमान खान का जन्मदिन भी मनाया था।

इसके बाद शहनाज गिल सिद्धार्थ शुक्ला के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई। वह गोवा जा रही थी। जहां वह सिद्धार्थ शुक्ला के साथ एक म्यूजिक वीडियो शूट करने वाली हैद्य इस मौके पर उनके दोस्त रियाज अली भी साथ हैंद्य दोनों ने शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर मस्ती की हैद्य सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैद्य दोनों अपने दोस्तों के साथ डांस कर रहे हैं।

पार्टी के लिए शहनाज गिल ने जहां पिंक कलर की हुडी पहनी हैद्य वही सिद्धार्थ शुक्ला ने ब्लैक कलर की टी-शर्ट पहनी हैद्य राघव शर्मा ने एक वीडियो शेयर किया हैद्य इसमें दोनों को शोना-शोना गाने पर डांस करते देखा जा सकता हैंद्य इस गाने को टोनी कक्कड़ ने गाया हैद्य सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल इसके पहले भुला दूंगा और शोना-शोना नामक दो वीडियो शूट कर चुके हैं और वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने वाले तीसरे गाने को शूट करने के लिए गोवा पहुंचे हैं। शहनाज गिल बिग बॉस 13 से काफी लोकप्रिय हुई हैंद्य उनकी और सिद्धार्थ शुक्ला की जोड़ी काफी पसंद की जाती हैद्य दोनों इसके चलते दोनों अपनी लोकप्रियता भुनाने में लगे हुए हैं।

सिद्धार्थ शुक्ला ने एक और शो साइन किया हैं। इसमें वह मुख्य भूमिका में नजर आएंगेद्य हाल ही में उन्होंने इस बात का खुलासा किया थाद्य वह इस शो को लेकर बहुत उत्साहित है।

Indian Idol 12: रोहनप्रीत सिंह ने कहा मुझे नेहा पर गर्व है', नेहा संग मंच साझा करेंगे रोहनप्रीत

सोनी टीवी का लोकप्रिय सिंगिग रियलिटी शो इंडियन आइडल 12 अब तक दर्शकों के बीच अपना जलवा बिखेरने में कामयाब रहा है। सिंगर्स हर दिन अपनी परफॉरमेंस से सभी का दिल जीत रहे हैं। इस बार शादी स्पेशल एपिसोड में नेहा कक्कड़, रोहनप्रीत सिंह, भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया गेस्ट के रूप में नज़र आएंगे। नेहा शो को जज भी करती हैं। नेहा और रोहनप्रीत शादी बाद पहली बार इंडियन आइडल 12 में साथ नजर आएंगे। नेहा कक्कड़ और उनके पति रोहनप्रीत इंडियन आइडल के मंच पर शादी की थीम पर आधारित स्पेशल एपिसोड में नजर आएंगे।

वहीं, रोहनप्रीत ने ये भी कहा कि वो खुद और उनका पूरा परिवार नेहा और उनकी अचीवमेंट्स पर गर्व महसूस करता है। इतने बड़े स्टेज पर खड़ा होने के लिए रोहनप्रीत खुद को शुक्रगुजार मानते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी मां से इस बात का जिक्र किया है कि वे खुशकिस्मत हैं कि नेहा की वजह से उन्हें इतने बड़े और प्रतिष्ठित मंच पर आने का मौका मिला है। रोहनप्रीत ने इंडियन आइडल के अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि 'यह सबसे बड़े स्टेज में से एक है और मैं अपनी पत्नी के कारण इस पर खड़ा हूं कि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मनाता हूं, मुझे नेहा पर इतना गर्व महसूस होता है।

रोहनप्रीत ने कहा कि नेहा किसी भी चीज को छूती हैं तो वो सोना बन जाती हैं, मैं वास्तव में खुश हूं कि वह मेरे साथ हैं'। तो वहीं नेहा कक्कड़ अपने पति की इन बातों को सुनकर इमोशनल हो गईं और उनके आंसू निकल आएं। बता दें कि सिंगर नेहा कक्कड़ ने रोहनप्रीत सिंह ने 24 अक्टूबर को दिल्ली में एक पारंपरिक आनंद कारज समारोह के जारिए गायक रोहनप्रीत सिंह के साथ शादी के बंधन में बंध गए। शादी में कपल के करीबी दोस्त और परिवार के लोगों ने भाग लिया था।

Taapsee Pannu को 'क्रिमिनल जस्टिस- बिहाइंड क्लोज़्ड डोर्स देख याद आया थप्पड़ का डायलॉग- No Means No

डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज़ हुई क्रिमिनल जस्टिस- बिहाइंड क्लोज़्ड डोर्स डोमेस्टिक एब्यूज़ के संवेदनशील मुद्दे को रेखांकित करती है। इस सीरीज़ के ज़रिए शादीशुदा महिलाओं की स्थिति और अधिकारों को लेकर अहम सवाल उठाये गये हैं। थप्पड़ में कुछ ऐसा ही किरदार निभाने वाली तापसी पन्नू ने एक वीडियो के ज़रिए इस मुद्दे पर बात रखी।

तापसी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वो कहती हैं- यह शो समस्याओं को संवेदनशील तरीके और समझदारी से उठाता है और यह शो उस समय आया है, जब लॉकडाऊन के दौरान महिलाओं के घरेलू शोषण के मामलों में वृद्धि हुई। मेरा मानना है कि नहीं मतलब नहीं। चाहे आप शादी शुदा हैं या नहीं, सहमति सबसे जरूरी है। मुझे उम्मीद है कि यह शो महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाएगा ताकि वो इस तरह के अपराध के ख़िलाफ़ आवाज़ उठा सकें और समाज के दबाव के चलते चुप्पी ना साध लें। वीडियो के साथ तापसी ने लिखा- नो मीन्स नो। शादी के बाद भी... बता दें, अनुभव सिन्हा निर्देशित थप्पड़ में तापसी पन्नू के किरदार के ज़रिए डोमेस्टिक वायोलेंस और सहमति का सवाल उठाया गया था और डोमेस्टिक वायोलेंस के ख़िलाफ़ तगड़ा संदेश देती है।

क्रिमिनल जस्टिस- बिहाइंड क्लोज़्ड डोर्स अनुराधा चंद्रा (कीर्ति कुल्हरी) की कहानी है, जिसने कबूल किया है कि उसने अपने पति बिक्रम (जिशु सेनगुप्ता) को चाकू मारा। यह शुरू में ओपन-एंड-शट केस मालूम होता है, लेकिन वकील माधव मिश्रा (पंकज त्रिपाठी) और निखत हुसैन (अनुप्रिया गोयनका) का मानना है कि इसमें ऐसा भी कुछ है, जो दिखाई नहीं दे रहा। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, विवाहेत्तर शोषण का खुलासा होता। शो की अन्य कास्ट में दीप्ति नवल, मीता वशिष्ठ, आशीष विद्यार्थी, जिशु सेनगुप्ता, शिल्पा शुक्ला जैसे कलाकार विभिन्न भूमिकाओं में नज़र आ रहे हैं। इसकी कहानी अपूर्वा असरानी ने लिखी है।